■ पड़ोसी देशों से हथियार लेने की फिराक में था पीएफआई : एनआईए - 7

■ 2 लाख करोड़ का निवेश कर भारत ने 50 गीगावॉट नवीकरणीय क्षमता जोड़ी - 10

■ उच्चायोग की सुरक्षा में चूक नहीं दुष्प्रचार न करे बांग्लादेशी मीडिया - 11

■ टाटा स्टील वर्ल्ड रेस में भारतीय धावकों का शानदार प्रदर्शन - 12

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
09.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.01
सूर्यास्त 05.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वितीया 10:52 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

सोमवार, 22 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 28, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

घाटी में बर्फबारी

कश्मीर के गुलमर्ग में चिल्लई कलां के पहले दिन रविवार को जमकर बर्फबारी हुई। पर्यटक घाटी में ताजा बर्फबारी के बीच घूमने निकले। चिल्लई कलां 40 दिनों की भीषण सर्दी का मौसम होता है जो हर साल 21 दिसंबर से शुरू होकर 31 जनवरी को समाप्त होता है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम में बसाना चाहती है कांग्रेस

प्रधानमंत्री ने डिब्रूगढ़ में जनसभा की संबोधित, कहा- राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है कांग्रेस

नामरूप, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है और असम में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को बसाने में मदद कर रही है।

असम के डिब्रूगढ़ जिले में जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने यहां पुराने संयंत्र को आधुनिक बनाने और किसानों की समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस केवल अपना वोट बैंक मजबूत करना चाहती है। जनता की उसे कोई परवाह नहीं है। विपक्षी पार्टी का असमिया लोगों की पहचान, अस्तित्व और गौरव से कोई लेना-देना नहीं है, जिसे भाजपा ने बचाने की कोशिश की है। कांग्रेस मतदाता सूची में संशोधन का विरोध कर रही है क्योंकि वह केवल सत्ता हथियाना चाहती है, वह मेरे अच्छे कार्यों का विरोध करती है, भाजपा सरकार हमेशा असमिया लोगों की पहचान, भूमि, गौरव और अस्तित्व की रक्षा के लिए काम करती रहेगी। असम दौरे के दूसरे दिन रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस देश को इस कदर नुकसान पहुंचाया है कि पिछले 11 वर्षों से उन गलतियों को सुधारने के बावजूद, बहुत सा काम अब भी बाकी है। मोदी ने कहा, जब हमारी सरकार ने डॉ. भूपेन हजारिका को भारत रत्न से सम्मानित किया, तो कांग्रेस ने खुले तौर पर इस निर्णय का विरोध किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। यह भूपेन दा और असम के लोगों का अपमान है। भाजपा सरकार का उद्देश्य असम को उतना शक्तिशाली बनाना है जितना कि वह अहोम साम्राज्य के समय हुआ

10,601 करोड़ रुपये के उर्वरक संयंत्र की आधारशिला रखी

नामरूप। प्रधानमंत्री ने असम के डिब्रूगढ़ जिले में 10,601 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 'ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया संयंत्र' की आधारशिला रखी और इस बात पर जोर दिया कि इससे क्षेत्र में औद्योगिक प्रगति का एक नया अध्याय शुरू होगा। असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड की वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन होगी और इसका संचालन 2030 में शुरू होने की उम्मीद है। मोदी ने अपने दो दिवसीय असम दौरे के अंतिम दिन यहां ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्प लिमिटेड के मौजूदा परिसर में संयंत्र की आधारशिला रखी। मोदी ने कहा, औद्योगीकीकरण और कनेक्टिविटी असम के सपनों को पूरा कर रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

कोहरे के कारण 110 उड़ानें रद्द, 370 से अधिक में देरी

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर रविवार को कोहरे के कारण कम दृश्यता के कारण कुल 110 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 370 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे पर 59 आगमन और 51 प्रस्थान उड़ानें रद्द कर दी गईं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध नवीनतम जानकारी के अनुसार, 370 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ और हवाई अड्डे पर उड़ानों के प्रस्थान में औसतन लगभग 26 मिनट की देरी हुई। घने कोहरे से कई दिन से दिल्ली और अन्य हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित हैं।

तीन लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में एएसआई गिरफ्तार

गुरुग्राम। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के एक दल ने गुरुग्राम पुलिस के एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) को जोधपुर में तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एएसआई ने वाहन चोरी के मामले में आरोपी के हिरासत में रहने के दौरान उसे परेशान न करने के बदले में कथित तौर पर तीन लाख रुपये रिश्वत मांगी थी। एसीबी, राजस्थान के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) भुवन भूषण यादव ने बताया कि गुरुग्राम में पालम विहार अपराध शाखा में तैनात एएसआई को रंगे हाथों पकड़ा गया।

प्रदेश के किसानों को एलडीबी से अब सिर्फ 6 फीसदी ब्याज पर मिलेगा ऋण

युवा सहकार सम्मेलन व को-ऑपरेटिव एक्सपो के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री ने दिया बड़ा तोहफा

● सीएम योगी ने सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लघु व सीमांत किसानों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की कि अब यूपी सहकारी ग्राम विकास बैंक (एलडीबी) से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत किसानों को महज छह फीसदी ब्याज पर ऋण मिलेगा। अभी यह दर करीब 11.5 फीसदी है, शेष ब्याज भार राज्य सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सामाजिक समता और आत्मनिर्भरता की मजबूत गारंटी है। प्रदेश अब वन डिस्ट्रिक्ट, वन को-ऑपरेटिव बैंक की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में आयोजित युवा सहकार सम्मेलन व यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो-2025 का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सहकारिता को नई पहचान दी। पहली बार अलग सहकारिता मंत्रालय बना और शाह के मार्गदर्शन में आंदोलन को नई ऊंचाइयां मिलीं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया जाना भारत की भूमिका का प्रमाण है। एम-पैक्स को 10 लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण दिया जा रहा है, जिसे 15 लाख तक बढ़ाने की तैयारी है। उर्वरक आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए 6760 एम-पैक्स को ब्याजमुक्त सहायता मिली। एम-पैक्स ने 6400 करोड़ रुपये का कारोबार कर 191 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया।

युवा सहकार सम्मेलन एवं यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो-2025 के कार्यक्रम में महाराजगंज के डीएम को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री की खास बातें और एलान

- एलडीबी ऋण ब्याज 11.5 प्रतिशत से घटकर छह प्रतिशत, शेष बोझ राज्य सरकार उठाएगी
- वन डिस्ट्रिक्ट, वन को-ऑपरेटिव बैंक मॉडल पर तेज प्रगति, बलरामपुर में नया बैंक प्रस्तावित
- एम-पैक्स सदस्यता अभियानों से करोड़ों का शेयर कैपिटल जुटा
- उर्वरक/कीटनाशक वितरण में सहकारिता की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य
- जर्जर वेयरहाउस मरम्मत को 10 लाख रुपये प्रति एम-पैक्स सहायता
- 2025-26 में सुदृढ़ीकरण के लिए 30 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान

मुख्यमंत्री ने कहा- पहले डिफाल्टर थीं समितियां, रोका भ्रष्टाचार

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में तकनीक, डिजिटलीकरण और ई-गवर्नेंस के जरिए भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से पहले कई जिला सहकारी बैंक डिफॉल्टर थे, 16 बैंकों के लाइसेंस तक रद्द हो चुके थे। आज तस्वीर बदली है, सभी 50 जिला सहकारी बैंक लाभ में हैं। 2024-25 में सहकारी बैंकों ने 162 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित किया। यूपी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक ने नाबार्ड से ए-श्रेणी बैंक का दर्जा हासिल किया है और प्रदेश में 40 शाखाएं संचालित हैं।

अधिवक्ता हत्याकांड का मुख्य आरोपी ढेर

● एक लाख के इनामी सिराज की पुलिस से हुई मुठभेड़, गांव में पुलिस, आरएएफ की सघन गश्त

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: अधिवक्ता आजाद अहमद हत्याकांड में डेढ़ साल से फरार मुख्य आरोपी सिराज अहमद को यूपी एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। यह मुठभेड़ सहारनपुर जिले के गंगोह थाना क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस पर फायरिंग करने के दौरान जवाबी कार्रवाई में सिराज ढेर हो गया। सिराज पर एक लाख का इनाम था।

एसटीएफ को देर रात सूचना मिली थी कि सिराज अहमद किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पंजाब-हरियाणा बॉर्डर होते हुए सहारनपुर पहुंचा है। सूचना पर गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की गई। खुद को घिरता देख सिराज ने एसटीएफ टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। अस्पताल ले जाने पर वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसटीएफ ने एनकाउंटर स्थल से एक मोटरसाइकिल, दो पिस्टल, भारी मात्रा में जिंदा कारतूस, चार फोन, दो वाई-फाई डोंगल, एक बैग, आधार कार्ड समेत कई अहम दस्तावेज बरामद किए हैं। सिराज सुलतानपुर के लोलेपुर गांव का निवासी था। गौरतलब है कि 6 अगस्त 2023 की शाम सुलतानपुर दीवानी कोर्ट के अधिवक्ता आजाद अहमद की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच में हत्या का मास्टरमाइंड सिराज अहमद सामने आया था, जो तभी से फरार था। हत्या के बाद पुलिस ने सिराज पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। मार्च 2025 में न्यायालय के आदेश पर उसकी करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्तियां कुर्क की गई थीं।

बुलंदशहर में भी इनामी बदमाश मारा गया

बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में पुलिस से मुठभेड़ में एक कुख्यात इनामी बदमाश मारा गया। बदमाश की पहचान मेरठ के लिसाड़ी गेट इलाके के रहने वाले आजाद उर्फ पीटर उर्फ जुबेर (35) के रूप में हुई है। इस घटना में एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुआ है। आजाद पर मेरठ, बिजनौर, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, जौनपुर के साथ-साथ दिल्ली और उत्तराखंड के हल्द्वानी में डकैती, लूट और चोरी समेत विभिन्न जघन्य मामलों के 40 से ज्यादा मामले दर्ज थे। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

राष्ट्रपति ने 'विकसित भारत -जी राम जी विधेयक' को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को 'विकसित भारत -जी राम जी' विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ ही यह अब 'विकसित भारत -जी राम जी' अधिनियम, 2025 बन गया है और इस संबंध में एक अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इसे भारत के ग्रामीण रोजगार और विकास ढांचे में एक निर्णायक सुधार बताया है। इस नई योजना का लक्ष्य 'विकसित भारत-2047' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करना है। 125 दिनों का रोजगार प्रदान करने के अलावा, कृषि श्रमिकों की पर्याप्त उपलब्धता को भी सुगम बनाता है। वहीं, भारत के रूपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक को भी मंजूरी दे दी।

● नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन विधेयक को भी मंजूर किया

रेल मंत्रालय ने 215 किमी से अधिक यात्रा पर बढ़ाया किराया

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने घोषणा की कि 215 किमी से अधिक की यात्रा के लिए साधारण श्रेणी के टिकट में प्रति किमी एक पैसा और मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की गैर-वातानुकूलित श्रेणी व सभी ट्रेन की वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति किमी दो पैसे की वृद्धि की जाएगी। नई दरें 26 से प्रभावी होंगी। किराए में बढ़ोतरी से 31 मार्च 2026 तक 600 करोड़ का राजस्व मिलने की उम्मीद है। मासिक सीजन टिकट व अन्य में 215 किमी तक की साधारण श्रेणी की यात्रा के किराए में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

● नई दरें 26 दिसंबर से प्रभावी होंगी, रेल मंत्रालय ने की घोषणा हर किमी पर 1-2 पैसे ज्यादा लगेंगे

योगी के रिवर ड्रोन सर्वे मॉडल को अपनाएगा पूरा देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● केंद्र सरकार ने पूरे देश में मॉडल लागू करने का लिया निर्णय
● 150 किलोमीटर ड्रोन सर्वे से नदियों के प्रदूषण पर सटीक प्रहार

अमृत विचार: प्रदेश में नदियों के संरक्षण के लिए सीएम योगी के नेतृत्व में शुरू हाई-टेक रिवर ड्रोन सर्वे मॉडल अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया जाएगा। पहली बार किसी राज्य ने नदी संरक्षण के लिए इस पैमाने पर आधुनिक ड्रोन तकनीक का उपयोग किया है। इसकी सफलता को देखते हुए केंद्र ने इसे पूरे देश में लागू करने का निर्णय लिया है।

राज्य स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा गंगा, यमुना, गोमती, वरुणा और पांडु नदी के लगभग 150 किलोमीटर क्षेत्र का ड्रोन सर्वे पूरा किया जा चुका है। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में हुए इस सर्वे से नदियों की वास्तविक स्थिति, प्रदूषण के स्रोत, नालों के डिस्चार्ज प्वाइंट और अवैध प्रवाह की सटीक पहचान संभव हुई है। इससे अब नदी पुनरुद्धार की योजनाएं कहीं अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बन सकेंगी। ड्रोन सर्वे का लाभ कानपुर को मिलने जा रहा है, जहां इसके आधार पर नदियों में जीरो डिस्चार्ज की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

गोमती से गंगा तक कायाकल्प की नई कार्ययोजना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता रही है कि प्रदेश की नदियां स्वच्छ और अविरल बनें तथा इसका लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे। इसी सोच के तहत ड्रोन सर्वे के माध्यम से नालों की पहचान और प्रदूषण नियंत्रण अब आसान हो गया है। विशेष रूप से लखनऊ नगर के लिए ड्रोन सर्वे आधारित समग्र पुनरुद्धार कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिससे गोमती नदी के कायाकल्प को नई दिशा मिलेगी। वहीं गंगा और यमुना जैसी प्रमुख नदियों में भी प्रदूषण नियंत्रण के लिए सटीक और वैज्ञानिक हस्तक्षेप संभव हो सका है।

बांग्लादेश में बदतर हालात के बीच भारत ने चटगांव में वीजा आवेदन प्रक्रिया रोकी

अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर जताई चिंता

● सहायक भारतीय उच्चायुक्त के आवास पर पथराव की घटना के बाद भारत ने उठाया कदम

नई दिल्ली / ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में बदतर हालात के बीच भारत ने यहां के दूसरे सबसे बड़े शहर चटगांव में स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र में वीजा सेवाएं अगला नोटिस जारी किए जाने तक निलंबित कर दी हैं। यह कदम प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बढ़े तनाव के मद्देनजर उठाया गया है। उनकी मौत के बाद बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं।

इसी दौरान चटगांव में सहायक भारतीय उच्चायुक्त के आवास पर गुरुवार को पथराव की घटना हुई थी। वहीं भारत ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर जताई चिंता जताई है। आईवीएसी के अनुसार, बंदरगाह शहर में भारतीय वीजा संबंधी सभी सेवाएं 21 दिसंबर से अगले आदेश तक बंद रहेंगी। बयान में कहा गया कि सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद वीजा आवेदन केंद्र को फिर से खोलने के संबंध में आगे की घोषणा की जाएगी। बांग्लादेश के सिलहट में भारतीय सहायक उच्चायोग कार्यालय और वीजा आवेदन केंद्र पर शनिवार को सुरक्षा बढ़ा दी गई।

आईवीएसी ढाका, खुलना और राजशाही, चटगांव और सिलहट में केंद्र संचालित करता है। आईवीएसी के एक अधिकारी ने बताया कि चार अन्य कार्यालय चालू हैं। सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण एक दिन पहले इसे बंद कर दिया गया था। लेकिन राजशाही और खुलना में दो अन्य केंद्रों को संक्षिप्त अवधि के लिए बंद कर दिया गया, क्योंकि भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों ने वहां भारतीय दूतावासों की ओर मार्च करने का प्रयास किया था। (संबंधित पेज 11 पर)

शताब्दी समारोह

संघ प्रमुख ने कहा- अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं तो प. बंगाल की स्थिति बदलने में समय नहीं लगेगा

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक, खुद की रक्षा को एकजुट होना होगा

कोलकाता, एजेंसी

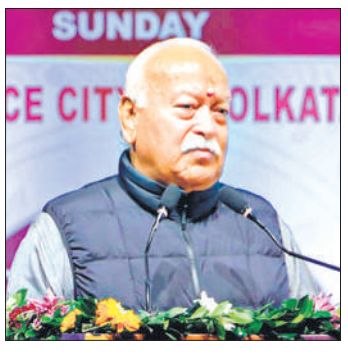

आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि अशांति और बांग्लादेश से घुसपैठ का पश्चिम बंगाल पर असर पड़ रहा है। इन मुद्दों को केंद्र सरकार को ही उठाना चाहिए।

प. बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के राज्य में 'बढ़ते इस्लामी कट्टरवाद' से संबंधित प्रश्न के उत्तर में भगवत ने कहा, यह सरकार को तय करना है कि बांग्लादेश से भारत में किसे आने दिया जाए। इस पर नियंत्रण होना चाहिए कि किसे आने की अनुमति दी जाएगी। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। पड़ोसी देश में हिंदुओं को अल्पसंख्यक बताते हुए कहा, उन्हें खुद की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एकजुट रहना होगा। हम लोगों समेत दुनिया भर के सभी हिंदुओं को उनकी मदद करनी होगी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर भारत सरकार को कुछ करना होगा। हो सकता है कि वे पहले से ही कुछ कर रहे हों, लेकिन उनका खुलासा नहीं किया जा सकता। प. बंगाल के बारे में उन्होंने कहा, अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं, तो राज्य की स्थिति बदलने में समय नहीं लगेगा।

बाबरी मस्जिद का दोबारा निर्माण करने की कोशिश राजनीतिक साजिश

कोलकाता। धार्मिक विवादों पर टिप्पणी करते हुए भागवत ने अयोध्या मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, अदालतों ने लंबी सुनवाई के बाद राम मंदिर और बाबरी मस्जिद विवाद का फैसला सुना दिया है, जिससे मामला समाप्त हो गया है। अब बाबरी मस्जिद का दोबारा निर्माण करने की कोशिश वोटों के लिए संघर्ष को फिर से शुरू करने की एक राजनीतिक साजिश है। वे मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में मस्जिद बनाने की टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर की घोषणा पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। भागवत ने कहा, यह न तो मुसलमानों के हित में है और न ही हिंदुओं के हित में। ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन धर्म कायम रहता है। इसलिए किसी भी सरकार को किसी भी धार्मिक इमारत के निर्माण में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरएसएस का ध्यान सामाजिक परिवर्तन पर है, न कि राजनीतिक परिवर्तन पर।

अमृत विचार

बरेली , सोमवार,22 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

57 सीटों पर नहीं हो सका दाखिला

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष कॉलेजों में परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आयोजित यूपी आयुष पीजी स्पॉट वैकेंसी काउंसिलिंग में किसी भी अभ्यर्थी को सीट आवंटित नहीं की जा सकी। कुल 57 रिक्त सीटों के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया संपन्न हुई, लेकिन दस्तावेज सत्यापन के बाद कोई भी अभ्यर्थी पात्र नहीं पाया गया। निदेशक यूनानी एवं आयुष पीजी काउंसिलिंग के नोडल अधिकारी प्रो. जमाल अख्तर ने बताया कि एक दिन के लिए आयोजित की गई स्पॉट काउंसिलिंग के तहत 54 अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी की गई, बावजूद प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

मृतक कर्मी के घर पहुंचे नंदी, दी आर्थिक मदद

अमृत विचार, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने अपने सरकारी आवास पर बीते करीब आठ वर्षों से कार्यरत रहे सफाईकर्मी ललित वाल्मिकी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। रविवार को मंत्री निशातगंज स्थित पेपर मिल कॉलोनी में दिवंगत कर्मचारी के आवास पहुंचे और श्रद्धासुमन अर्पित किए। शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्होंने ढांढस बंधाया और दुख की इस घड़ी में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। मंत्री नंदी ने दिवंगत ललित वाल्मिकी की पत्नी और बेटियों से मुलाकात कर उन्हें एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

परेड में निकलेगी बुंदेलखंड की झांकी

अमृत विचार, लखनऊ : इस बार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में बुंदेलखंड की थीम पर आधारित भव्य शोभायात्रा और झांकी निकाली जाएगी। पर्यटन विभाग द्वारा निकाली जाने वाली इस झांकी में क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शौर्य गाथा और लोक परंपराओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया जाएगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए पर्यटन विभाग ने एजेंसी चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

एसआईआर में मतदाताओं के नाम कटे तो कार्यकर्ता होंगे जिम्मेदार

मुख्यमंत्री ने संगठन और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही पर जताई नाराजगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ : भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला बैठक में मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य पार्टी नेता।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर रविवार को पार्टी संगठन और जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला में सख्त संदेश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं के नाम कटे या बड़ी संख्या में शिफ्टेड, मृत अथवा फर्जी नाम पाए गए, उसकी सीधी जिम्मेदारी स्थानीय संगठन और कार्यकर्ताओं की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि आने वाले 20 वर्षों की राजनीति को प्रभावित करने वाला कार्य है। योगी ने चार दिन में पूरी ताकत से काम करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी भाजपा की एसआईआर को लेकर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को कार्यशाला के दौरान तमाम विधानसभा क्षेत्रों की रिपोर्ट लेकर आए थे। उनके निशाने पर बड़े नेताओं के क्षेत्रों में बरती जा रही लापरवाही से लेकर हारी हुई सीटों पर भी कार्यकर्ताओं

- **भाजपा की कार्यशाला में योगी ने चार दिन में पूरी ताकत से काम करने के दिए निर्देश**

की लापरवाही का पूरा ब्योरा था। योगी ने कहा कि कई विधानसभा क्षेत्रों में अब भी 15 से 20 प्रतिशत तक नाम मिसिंग हैं। ऐसे मतदाता जिनके नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं हैं, उन्हें 26 दिसंबर तक एसआईआर के माध्यम से अवश्य जुड़वाया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि बूथ स्तर पर मतदाता सूची की गहन जांच की जाए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से शिफ्टेड या मृत न दर्शाया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में यदि कोई संदिग्ध नाम दिखता है तो उस पर तत्काल आपत्ति दर्ज कराई जाए।

आपत्ति लगते ही बीएलओ द्वारा नाम काटा जाएगा और संबंधित व्यक्ति का शपथ पत्र व आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर ही दोबारा नाम जुड़ सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण किसी मतदाता का नाम छूटना स्वीकार्य नहीं होगा। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि एसआईआर के बाद ही संगठनात्मक मेल-मिलाप और अन्य राजनीतिक गतिविधियां होंगी, फिलहाल सभी को पूरी ताकत से इस अभियान में लगना होगा।

नहीं चेते तो चुनाव हारेंगे : तरुण चुघ

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पार्टी के सांसदों और विधायकों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी जीत का अंतर 100 से 500 वोटों के बीच रहा है, वहां यदि एसआईआर पर गंभीरता नहीं दिखाई गई तो आगामी चुनावों में हार तय है।

सदन को लेकर मंत्रियों को मिला ठोस होमवर्क

लखनऊ,अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में रविवार को लोक भवन में भाजपा विधानमंडल दल की अहम बैठक हुई। बैठक में भाजपा के सहयोगी दलों के नेता भी शामिल रहे। आगामी विधानसभा सत्र की रणनीति को लेकर हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकार की प्राथमिकताओं, सदन में होने वाली चर्चाओं और विपक्ष के संभावित सवालों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सदन में वंदे मातरम पर होने वाली चर्चा, अनुपूरक बजट की प्रस्तुति और विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर संतुलित, तथ्यपरक और सटीक जवाब देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का रुख विकासोन्मुख है और हर प्रश्न का उत्तर तथ्यों, आंकड़ों और नीतिगत स्पष्टता के साथ दिया जाए। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि वे अपने-अपने विभागों से जुड़े विषयों पर पूरी तैयारी रखें, ताकि सदन में सरकार का पक्ष मजबूती से रखा जा सके। बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि योगी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला अनुपूरक बजट सोमवार को पेश किया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि यह अनुपूरक बजट राज्य के विकास कार्यक्रमों को और तेज गति देगा।

30 दिसंबर तक मतदाता दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

- **मंगलवार को जारी होगी पंचायत चुनाव की पुनरीक्षण सूची**

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी पंचायत चुनाव की प्रक्रिया जारी है। इस बीच चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि मतदाता पुनरीक्षण सूची 23 दिसंबर को प्रकाशित होगी। मतदाता 30 दिसंबर तक इस पर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकेंगे। प्रत्येक आपत्ति को निस्तारित करने के बाद छह फरवरी को अंतिम सूची जारी की जाएगी। इसके बाद सूची में कोई फेरबदल नहीं किया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयोग ने बीते सप्ताह मतदाता सूची के पुनरीक्षण के आंकड़े जारी किए थे। पुनरीक्षण के दौरान 1.81 करोड़ नए मतदाता जोड़े गए हैं। 1.41 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। इस तरह पिछले चुनाव की तुलना में इस बार 40.19 लाख मतदाता बढ़े हैं। जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं उनमें मृत, विस्थापित व डुप्लीकेट मतदाता हैं। आयोग के मुताबिक नई सूची मंगलवार को ऑनलाइन जारी कर दी जाएगी। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, अगर किसी मतदाता को लगता है कि वह योग्य है फिर भी नाम कट गया है या फिर किसी को कुछ अपडेट करवाना है तो उनको आपत्ति दर्ज करवानी होगी। इसके लिए उन्हें 30 दिसंबर तक समय दिया जाएगा। इसके लिए वह संबंधित बीएलओ या फिर अन्य प्रशासनिक व चुनाव संबंधी अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। अगर आपत्ति सही पाई जाती है तो सुधार किया जाएगा।

एसआईआर प्रक्रिया में पक्षपात का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लखनऊ के सरोजिनी नगर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। सपा ने भारत निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षक से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी और ईआरओ के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के दबाव में जिला निर्वाचन अधिकारी और ईआरओ द्वारा भाजपा के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को सभी मतदान स्थलों की 7 जनवरी 2025 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के साथ मतदेय स्थलवार व्यू एन्यूमरेशन फॉर्म डिटेल उपलब्ध कराई जा रही है, जो निर्वाचन आयोग के नियमों का खुला उल्लंघन है। इससे एसआईआर प्रक्रिया को प्रभावित किया जा रहा है, जो अत्यंत गंभीर मामला है।

सरकार लांच करेगी आयुष एप, घर बैठे मिलेंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आयुष चिकित्सा पद्धतियों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में योगी सरकार एक और बड़ा डिजिटल कदम उठाने जा रही है। आयुष विभाग अत्याधुनिक आयुष एप लांच करने की तैयारी में है, जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सहयोग से विकसित किया जाएगा। इस एप के जरिए मरीजों को ऑनलाइन ओपीडी, अपॉइंटमेंट बुकिंग और आयुष विभाग से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी।

सरकार का मानना है कि इस पहल से न केवल आयुष चिकित्सा पद्धतियों को नई पहचान मिलेगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और सुगमता भी सुनिश्चित होगी। आयुष विभाग के प्रमुख सचिव रंजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी चाहते हैं कि आयुष की सेवाएं आम नागरिकों तक सरल और सुलभ तरीके से पहुंचें। इसी उद्देश्य से आईआईटी कानपुर के साथ आयुष एप को लेकर बातचीत चल रही है। एप के लांच होने के बाद मरीजों को आयुष अस्पतालों और केंद्रों में ओपीडी पंजीकरण के लिए लंबी लाइनों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। मोबाइल के जरिए घर बैठे ही डॉक्टर से मिलने के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लिया जा सकेगा।

आयकर अपीलीय अधिकरण व्यवस्था का मजबूत स्तंभ: मेघवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

आयकर अपीलीय अधिकरण लखनऊ पीठ के रजत जयंती समारोह में उपस्थित केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल व अन्य।

अमृत विचार : केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आयकर अपीलीय अधिकरण को देश की कर-न्याय व्यवस्था का सुदृढ़ स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि यह संस्था दशकों से करदाताओं को निष्पक्ष, सुलभ और त्वरित न्याय प्रदान कर रही है। साथ ही, ई-हियरिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी डिजिटल पहलों की भी सराहना की, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के करदाताओं को समयबद्ध न्याय मिल रहा है।

- **लखनऊ पीठ के 25 वर्ष पूर्ण होने पर समारोह आयोजित**

केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री, रविवार को आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी) लखनऊ पीठ के रजत जयंती समारोह में संबोधित कर रहे थे। अंसल गोल्फ सिटी स्थित निजी होटल में आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि इस संस्था ने तकनीकी जटिलताओं से मुक्त, कम खर्चीली और विशेषज्ञता आधारित न्यायिक प्रक्रिया ने लोकतंत्र में न्याय तक पहुंच को सरल बनाया है। केन्द्रीय विधि कार्य विभाग के सचिव डॉ. राजीव मणि और प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, कानपुर अपर्णा करण ने भी अधिकरण की न्यायिक भूमिका और योगदान की प्रशंसा की। कार्यक्रम में बताया गया कि आयकर अपीलीय अधिकरण की स्थापना 25 जनवरी 1941 को हुई थी और यह देश का सबसे पुराना अर्ध-न्यायिक अधिकरण है, जिसे "मातृ अधिकरण" के रूप में भी जाना जाता है। लखनऊ पीठ की स्थापना 5 मई 2000 को हुई थी और अगस्त 2000 में पहली सुनवाई प्रारंभ हुई। वर्तमान में यहां दो पीठें कार्यरत हैं, जो प्रदेश के 16 जिलों की अपीलों की सुनवाई कर रही हैं। समारोह में जस्टिस (सेवानिवृत्त) सी.वी. भडंग, अध्यक्ष आईटीएटी, शक्तिजीत डे, उपाध्यक्ष, मुंबई सहित अनेक वर्तमान व पूर्व सदस्य, वरिष्ठ आयकर अधिकारी और विभिन्न आईटीएटी बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मीडिया मार्केटिंग इनिशिएटिव

फीनिक्स यूनाइटेड के संग सेलिब्रेट करें क्रिसमस

इस क्रिसमस सीज़न में फीनिक्स यूनाइटेड, बरेली शहर का प्रीमियर फेस्टिव डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। शॉपिंग, एंटरटेनमेंट और सेलिब्रेशन के बेहतरीन मेल के साथ मॉल ऐसा माहौल उपलब्ध करा रहा है, जो परिवारों, युवाओं और म्यूज़िक लवर्स सभी को एक साथ जोड़ता है। भव्य सजावट, आकर्षक ऑफर्स और बड़े इवेंट्स के साथ फीनिक्स यूनाइटेड इस बार क्रिसमस को यादगार बना रहा है।

शॉप एंड विन ऑफर्स

फेस्टिव खुशियों को दोगुना करने के लिए फीनिक्स यूनाइटेड में आकर्षक शॉप एंड विन ऑफर्स चल रहे हैं। क्रिएटिव कैंपेन के तहत नामी ब्रांड्स से खरीदारी करने पर ग्राहकों को शानदार इनाम जीतने का मौका मिल रहा है। शॉपिंग के साथ रिवॉर्ड्स की यह खुशी क्रिसमस सेलिब्रेशन को और भी खास बना रही है।

आकर्षक क्रिसमस डेकोर

मॉल में खूबसूरत और मनमोहक क्रिसमस डेकोर किया गया है। मेन क्रिसमस इंस्टॉलेशन मॉल का मुख्य आकर्षण है। इसके साथ ही विभिन्न लोकेशंस पर छोटे-छोटे थीम्ड इंस्टॉलेशंस लगाए गए हैं। एंट्री पर बना डिज़ाइनर आर्च गेट आगंतुकों का भव्य स्वागत करता है। यह पूरा सेटअप फोटोग्राफी और फैमिली मोमेंट्स के लिए परफेक्ट है, जहां क्रिसमस की भावना हर

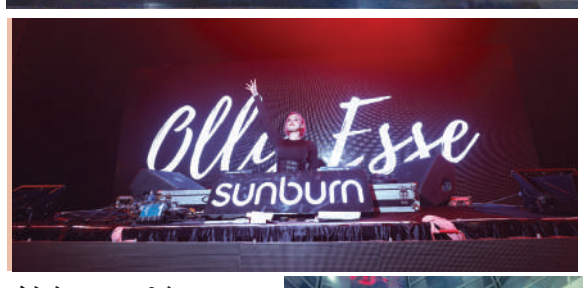

कोने में नजर आती है।

क्रिसमस स्पेशल इवेंट्स का जलवा

क्रिसमस का उत्साह 24 और 25 दिसंबर को और बढ़ जाएगा, जब फीनिक्स यूनाइटेड में सांता परेड और मीट एंड ग्रीट जैसे विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। अंतरराष्ट्रीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत ये इवेंट्स बच्चों और परिवारों के लिए खास आकर्षण होंगे, जो पूरे मॉल में खुशी और उमंग का माहौल बनाएंगे।

सनबर्न रीलोड: 27 दिसंबर को म्यूज़िक का धमाका

साल का समापन स्टाइल में करते हुए फीनिक्स यूनाइटेड, बरेली 27 दिसंबर को शहर का सबसे बड़ा म्यूज़िक इवेंट सनबर्न रीलोड होस्ट करने जा रहा है। इस हाई-एनर्जी फेस्टिवल में मशहूर सेलिब्रिटी डीजे सियाना कैथरीन और डीजे रेवटेक पहली बार बरेली में परफॉर्म करेंगे। युवाओं के लिए यह इवेंट शानदार म्यूज़िक, जबरदस्त माहौल और यादगार नाइटलाइफ़ एक्सपीरियंस लेकर आएगा। म्यूज़िक प्रेमी BookMyShow के माध्यम से अपने टिकट बुक कर सकते हैं।

"क्रिसमस खुशियों का त्योहार है। फीनिक्स यूनाइटेड, बरेली में हमारा प्रयास है कि शहरवासियों को एक यादगार फेस्टिव अनुभव मिले। इस साल शॉप एंड विन ऑफर्स, भव्य क्रिसमस डेकोर, फैमिली इवेंट्स और शहर के सबसे बड़े म्यूज़िक स्पेक्टेकल सनबर्न रीलोड के साथ हम बरेलीवासियों को आमंत्रित करते हैं कि वे अपने पसंदीदा लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन पर हमारे साथ जश्न मनाएं और 2025 का समापन शानदार अंदाज़ में करें।

संजीव सरिन
(डायरेक्टर, रिटेल ऑपरेशंस नॉर्थ, फीनिक्स मिल्स लिमिटेड)

शॉप एंड विन

- ₹11,999/- या उससे ज़्यादा की खरीदारी करें और पक्के गिफ्ट पाएं
- ₹12,999/- की खरीदारी करें और ₹2 लाख के गिफ्ट जीतने के लिए लकी ड्रॉ में हिस्सा लें
- 5 लकी विजेताओं को क्लब महिंद्रा की तरफ से मिलेगा डोमेस्टिक स्टे वेकेशन

Phoenix United BAREILLY

नाबालिग से दुष्कर्म मामले सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी गिरफ्तार

संत कबीरनगर, एजेंसी: संत कबीरनगर जिले की पुलिस ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के आरोप में रेलवे के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को रविवार को गिरफ्तार किया। महुली थाने के प्रभारी रजनीश कुमार राय ने बताया कि एक महिला ने शिकायत दर्ज कराकर आरोप लगाया है कि झीगुरापार गांव निवासी यदुलाल (70) ने 16 दिसंबर को एक खेत में उसकी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म किया। राय ने बताया कि पीड़िता की मां ने घटना की जानकारी होने के बाद शनिवार को पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की और रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। राय ने बताया कि पीड़िता को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वाराणसी और महराजगंज के जिलाधिकारी हुए सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के अवसर पर रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में युवा सहकार सम्मेलन एवं यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो–2025 के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, जिले और लाभार्थियों को सम्मानित करते हुए विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण चेक भी वितरित किए। वाराणसी व महराजगंज के जिलाधिकारी भी सम्मानित किए गए।

सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा सुरेश प्रभु ने सहकारिता विभाग की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया। सहकारिता विभाग की उपलब्धियों और नवाचारों पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। महराजगंज, बाराबंकी और वाराणसी में सहकारिता के सर्वांगीण विकास व मार्गदर्शन में उल्लेखनीय भूमिका के लिए वाराणसी के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। जबकि एम-पैक्स सदस्यता महाभियान-2025 में प्रदेश में सर्वाधिक 1.22 लाख सदस्य जोड़ने और 28 हजार से अधिक ऑनलाइन सदस्य जोड़ने के लिए महाराजगंज के जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा को सम्मानित किया। नमो ड्रोन दीदी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वंदना तिवारी और ललिता देवी सम्मानित की गईं।

सर्वाधिक सदस्य जोड़ने वाले जिले सम्मानित

- महराजगंज – 1.22 लाख सदस्य, (जितेंद्र बहादुर सिंह : यूपी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड; सुनील कुमार गुप्ता : एआर को-ऑपरेटिव)
- शाहजहांपुर – 1.08 लाख सदस्य, (धर्मेंद्र प्रताप सिंह राठौर, अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक; अखिलेश प्रताप सिंह, सहायक आयुक्त)
- उन्नाव – 1.02 लाख से अधिक सदस्य, (अरुण सिंह, अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक; रविंद्र कुमार सिंह, सहायक आयुक्त)

सर्वाधिक डिपॉजिट एकत्र करने वाले सहकारी बैंक

- मेरठ – 125 करोड़ से अधिक, (विमल कुमार शर्मा, अध्यक्ष; विनय सिंह, सचिव)
- गाजियाबाद – 65.48 करोड़ से अधिक, (कृष्णवीर सिंह, अध्यक्ष
- लखीमपुर खीरी – विनीत मनार पटेल, अध्यक्ष; सुधांशु चौधरी, सचिव

तैयारी | **प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालय बनेंगे फ्यूचर–रेडी लर्निंग हब**

ड्रोन से स्पेस साइंस तक का मिलेगा प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालय अब केवल आवासीय शिक्षा तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक तकनीक और नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित किए जाएंगे। प्रत्येक अटल आवासीय विद्यालय में छह माह के भीतर कम्पोजिट स्किल व इनोवेशन लैब स्थापित होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस महत्वाकांक्षी योजना को मिशन मोड में लागू किया जाएगा। अगले दो महीनों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयनित अटल आवासीय विद्यालयों में इनोवेशन लैब की स्थापना की जाएगी। इसके बाद छह महीनों के भीतर सभी अटल आवासीय विद्यालयों में ये लैब पूरी तरह क्रियाशील हो जाएंगी। सरकार की इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण, श्रमिक और वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को स्कूली स्तर पर ही ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, स्पेस साइंस, थ्रीडी प्रिंटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उन्नत तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। यह पहली बार होगा, जब इन वर्गों के छात्रों को इतनी उच्चस्तरीय तकनीकी शिक्षा एक ही मंच पर उपलब्ध होगी। उप्र. भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की सचिव एवं अटल आवासीय विद्यालयों की महानिदेशक पूजा यादव ने बताया कि परियोजना के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की पूरी व्यवस्था कर ली गई है।

एक्सपर्ट संस्थान करेंगे सहयोग

इनोवेशन लैब के संचालन और प्रशिक्षण के लिए देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों और विशेषज्ञ एजेंसियों का सहयोग लिया जाएगा। पहले चरण में चयनित शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा, जो आगे अन्य शिक्षकों और छात्रों को प्रशिक्षित करेंगे। इन लैब के माध्यम से छात्रों में इनोवेशन, क्रिटिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम सॉल्विंग और टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन जैसी 21वीं सदी की आवश्यक क्षमताएं विकसित की जाएंगी। सरकार का मानना है कि यह पहल उत्तर प्रदेश को टेक्नोलॉजी-ड्रिवन एजुकेशन लीडर के रूप में स्थापित करेगी।

ब्रीफ न्यूज

नाबालिग ने दूध व्यापारी की गोली मारकर हत्या की

गाजियाबाद, एजेंसी, जिले के मुरादनगर इलाके में कथित तौर पर अपने चाचा की हत्या का बदला लेने के लिए एक नाबालिग लड़के ने 49 वर्षीय दूध व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने रविवार को बताया कि मृतक की पहचान कच्ची सराय बस्ती निवासी इमरान के रूप में हुई है। उसने बताया कि यह घटना शनिवार को ओलंपिक तिराहे के बाजार की है जब इमरान अपने एक दोस्त की साइकिल की दुकान पर बैठे थे तभी नाबालिग वहां पहुंचा और उनके सीने में तीन गोलियां दाग दीं। पुलिस ने बताया कि स्थानीय व्यापारियों ने इमरान को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

20 दिन की गज शावक निसर्गा की ममता की छांव में पलेगी

पीलीभीत, अमृत विचार : बिजनौर में मां द्वारा छोड़ी गई 20 दिन की नन्हीं हथिनी करीब 200 किमी लंबा सफर तय कर शनिवार शाम पीलीभीत टाइगर रिजर्व लाई गई। अब यह दुधमुंही हथिनी टाइगर रिजर्व की हथिनी निसर्गा की ममता की छांव में पल-बढ़ सकेगी। शासन के निर्देशानुसार इस नन्हीं हथिनी को माला रेंज में पशु चिकित्साधिकारी की देखरेख में अन्य हाथियों के साथ आसपास ही अलग सुरक्षित बाड़े में रखा गया है। डिप्टी डायरेक्टर के मुताबिक नन्ही हथिनी पूरी तरह स्वस्थ है।

लखीमपुर खीरी में 2 लाख रुपये के साथ आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी पुलिस ने चोरी के मामले में फरार चल रहे थाना क्षेत्र के गांव नकहा निवासी दिलदार अली को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी किए गए दो लाख दो हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। रविवार को गिरफ्तार कर आरोपी का चालान भेजा गया है।

रोजा में चंगाई सभा का भंडाफोड़ महिला समेत चार हिरासत में

हिंदू देवी-देवताओं के अपमान का लगाया आरोप, हंगामे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर/रोजा

रोजा थाना परिसर में तहरीर देते हिंदूवादी संगठन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रोजा थाना क्षेत्र में एक मकान में चल रही चंगाई सभा को लेकर रविवार को हंगामा खड़ा हो गया। आरोप है कि इस सभा के माध्यम से हिंदू समुदाय के लोगों को पैसे और विवाह कराने का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। सूचना पर हिंदूवादी संगठनों ने मौके पर पहुंचकर सभा का विरोध किया और रोजा थाना को जानकारी दी। पुलिस ने एक महिला समेत चार लोगों को हिरासत में लिया है।

मामला रोजा थाना क्षेत्र की कैलाशनगर कॉलोनी का है। हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारियों को दोपहर में सूचना मिली थी कि आदर्श नगर कॉलोनी स्थित एक मकान में चंगाई सभा चल रही है। पदाधिकारी जब मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मकान के एक कमरे में करीब 200 लोग मौजूद थे और ईसाई धर्म से संबंधित प्रार्थनाएं की जा रही थीं। जब सभा के संबंध में जानकारी करने का प्रयास किया गया तो वहां मौजूद लोगों से बहस हो गई, जिसके बाद मकान के बाहर हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के दौरान कॉलोनी के लोग भी बड़ी संख्या में एकत्र हो गए। हिंदूवादी नेताओं ने फोन पर रोजा थाना को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कई महिलाएं मौके से चली गईं।

सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के गांव सिंगरहा निवासी अशनील सिंह ने रोजा थाना में दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि रामादेवी के घर में चल रही सभा के दौरान हिंदू धर्म के देवी-देवताओं को गालियां दी जा रही थीं और हिंदू धर्म का अपमान किया जा रहा था। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट का प्रयास किया गया। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि सभा में मौजूद लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए रुपए और विवाह कराने का लालच दिया जा रहा था। पुलिस के आने से पहले करीब 150 महिलाएं वहां से निकल गईं। कुछ उपस्थित लोगों ने बताया कि विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। बताया गया कि ईसाई धर्म परिवर्तन से जुड़े मामलों में पहले भी मुकदमे दर्ज हो चुके हैं।

- **पैसे और शादी का लालच देकर धर्म परिवर्तन का लगाया आरोप**

पहले भी पकड़ी गई सभाएं

- मार्च 2023 में रोजा थाना क्षेत्र में एक मकान में चंगाई सभा की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। आरोप था कि हिंदू समुदाय के लोगों को प्रार्थना और चंगाई के माध्यम से ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस ने आयोजकों से पूछताछ की थी।
- अगस्त 2023 सदर बाजार क्षेत्र में निजी भवन में आयोजित चंगाई सभा को लेकर हिंदूवादी संगठनों ने विरोध दर्ज कराया था। आरोप लगे थे कि इलाज और आर्थिक सहायता का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। पुलिस ने जांच शुरू की थी।
- जनवरी 2024 कटरा थाना क्षेत्र में चंगाई सभा की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि ग्रामीणों को बीमारी ठीक होने और सामाजिक लाभ का भरोसा देकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जा रहा था।

चार साल के बेटे की जमीन पर पटक कर हत्या

भदोही, एजेंसी: जिले के सुरयावा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने पत्नी से विवाद के बाद अपने चार वर्षीय बेटे की कथित तौर पर जमीन पर पटक कर हत्या कर दी। आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। सुरयावा थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) मोहम्मद शकील खान ने बताया कि गुवाली गांव निवासी राम जी वनवासी शराब का आदी है और शनिवार देर रात जब वह घर पहुंचा तो पत्नी से झगड़ा हुआ और इसके बाद उसने सो रहे चार साल के बेटे विकास वनवासी को उठाकर जमीन पर कई बार पटक दिया और भाग गया।

- **पुलिस ने आरोपी के पिता को किया गिरफ्तार**

अधिकारी ने बताया कि परिवार के सदस्यों ने बच्चे को प्राथमिक उपचार देने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह चोटों के कारण दम तोड़ चुका था। एसएचओ ने बताया कि मामले में रविवार दोपहर मृतक विकास की दादी प्रभावती देवी ने मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि राम जी वनवासी को गिरफ्तार कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच की जा रही है।

हल्द्वानी में ज्वैलरी शॉप में सेंध, सवा करोड़ के आभूषण चोरी

संवाददाता, हल्द्वानी

- **दो फीट का छेद बनाकर राधिका ज्वैलर्स से 25 किलो चांदी और 400 ग्राम सोने के आभूषण चोरी**

खाली पड़े आभूषण के डिब्बे।

अमृत विचार : शातिर चोरों ने हल्द्वानी में बड़ी वारदात को अंजाम दे डाला। मुखानी थाना क्षेत्र में राधिका ज्वैलरी शॉप को निशाना बनाते हुए करीब सवा करोड़ रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर के साथ हजारों की नगदी चोरी कर ली। इस सनसनीखेज घटना का शक उन मजदूरों पर है, जो ज्वैलरी शॉप के ठीक बगल में बन रही एक दुकान में काम कर रहे थे। यह वारदात हल्द्वानी की अभी तक की बड़ी चोरियों में से एक मानी जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, ईको टाउन निवासी नवनीत शर्मा की कुसुमखेड़ा चौराहे के पास राधिका ज्वैलर्स नाम से शॉप है। शुक्रवार रात नवनीत दुकान बंद कर घर चले गए थे। शनिवार को साप्ताहिक बंदी की वजह से दुकान नहीं खुली। रविवार सुबह जब वह दुकान पहुंचे और रूटीन की तरह ताला खोलकर जैसे ही शटर उठाया तो उनके होश फाख्ता हो गए। दुकान में सारा सामान अस्त-व्यस्त था, तिजोरी टूटी पड़ी थी और दुकान की एक दीवार में करीब दो फीट का छेद बना हुआ था। बदहवास नवनीत को दुकान और तिजोरी से करीब 25 किग्रा चांदी और 400 ग्राम सोने के आभूषणों के अलावा 25 हजार रुपए गायब मिले। उधर, ज्वैलरी शॉप में चोरी की खबर पूरे शहर में फैल गई। व्यापारियों ने शहर में रात्रि गश्त पर सवाल उठाए हैं। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले शातिर कहीं भी हों, उन्हें तलाश कर सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। शातिरों की तलाश में पुलिस और एसओजी संयुक्त रूप से लगी है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं।

डिजिटल अरेस्ट का खुलासा, फर्जी सीबीआई अधिकारी गिरफ्तार

संवाददाता, रुद्रपुर

- **इफ्को के पूर्व अधिकारी से ठगे थे 20 लाख रुपये**
- **एसटीएफ ने जयपुर में दबिश देकर आरोपी को धर दबोचा**

अमृत विचार: उत्तराखंड पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेट (इफ्को) के सेवानिवृत्त अधिकारी से मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर 20 लाख रुपये की ठगी करने वाले शातिर अपराधी को जयपुर से गिरफ्तार किया है।

एसटीएफ के सहायक पुलिस अधीक्षक कुश मिश्रा ने रविवार को इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि कुछ दिन पहले साइबर ठगी का यह मामला सामने आया था। साइबर ठगों ने 80 वर्षीय इन बुजुर्ग को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 20 लाख रुपये अपने बैंक खाता में स्थानांतरित करवा लिए थे। साइबर ठगों ने वीडियो कॉल कर बुजुर्ग को केनरा बैंक में करोड़ों रुपये के लेन-देन के नाम पर मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाया। आरोपियों ने अपने आप को अपराध शाखा और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का अधिकारी बता कर विश्वास में लिया और कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग के तहत आपके खिलाफ कार्रवाई अमल में लायी जा रही है। यह भी डर दिखाया कि पीड़ित के बैंक खातों और जमीन जायदाद की तहकीकात की जानी है। इसी बहाने ठगों ने पीड़ित से 20 लाख रुपये की धनराशि आईसीआईसीआई बैंक के खाते में स्थानांतरित करवा ली थी और इसके बाद ठगों ने इस धनराशि को निकाल कर अपने खातों में जमा करवा लिया था। एएसपी मिश्रा ने आगे बताया कि, बुजुर्ग को जब ठगी का अहसास हुआ था तो उन्होंने रुद्रपुर (कुमाऊं) के साइबर थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी थी।

साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार पंत को इस मामले की जांच सौंपी गयी थी। टीम ने सघन जांच के बाद साक्ष्यों के आधार पर साइबर ठग महिम सिसौदिया निवासी महावीर नगर, दुर्गापुरी, महारानी फार्म, जयपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ साइबर ठगी के मामले में कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, पंजाब और उत्तर प्रदेश समेत सात मामले पूर्व में दर्ज हैं। आरोपी के आपराधिक इतिहास की गहन जांच पड़ताल की जा रही है।

लिंटर खोलते समय गिरा राजमिस्त्री, मौत

खुटार,अमृत विचार : खुटार थाना क्षेत्र के एक गांव में दो मंजिला मकान का लिंटर खोल रहे राज मिस्त्री का पैर अचानक से फिसल गया, जिससे वह नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मकान स्वामी तुंरत घायल राज मिस्त्री को लेकर अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना पर परिजनों का रो रोकर बुराहाल है। पुलिस ने बताया कि अभी मृतक के परिजनों की ओर से किसी के खिलाफ तहरीर नहीं मिली है।

खुटार थाना क्षेत्र के गांव टाहखुर्द निवासी इसरार ने बताया कि उनका बेटा अकील(35) राजमिस्त्री का काम करता था। गांव पिपरिया निवासी यूट्यूबर सोनपाल शर्मा खुटार पंथवारी रोड पर दो मंजिला मकान का निर्माण करा रहे हैं। रविवार को मकान का लिंटर खुलने के लिए अकील गया था।

सुंदर नजारा

पिथौरागढ़ में रविवार को सुबह से ही हल्के बादल छाए रहे। बीते शनिवार के मुकाबले धूप भी काफी हल्की रही और शाम होते-होते मौसम और सर्द होना शुरू हो गया। नगर के चंडाक क्षेत्र का सूर्यास्त का कुछ ऐसा नजारा रहा। **फोटो विपिन गुप्ता**

रेलवे ट्रैक के पास मिला बरेली के युवक का शव

संवाददाता, मिलक

अमृत विचार : युवक का शव रेलवे ट्रैक मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

राजकुमार।

शनिवार रात 10 बजे दुगनपुर रेलवे स्टेशन मास्टर ने पुलिस को फोन पर सूचना दी। बताया कि लोहा पट्टी भागीरथ और दुगनपुर के बीच खंबा नंबर 1351/19 के समीप रेलवे की पटरियों के पास एक युवक का शव पड़ा हुआ है। खबर मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पटरियों से कुछ दूरी पर एक युवक का शव क्षतविक्षत अवस्था में पड़ा हुआ था। पुलिस ने मृत युवक के कपड़ों की तलाशी ली। जेब में रखे पर्स में आधार कार्ड और कागज पर मोबाइल नंबर लिखा हुआ मिला। पुलिस ने मोबाइल नंबर पर फोन किया तो दूसरी ओर से मृतक के तहेरे भाई ललित ने शिनाख्त जिला बरेली स्थित थाना नवाबगंज के गांव जयनगर निवासी चचेरे भाई 26 वर्षीय राजकुमार के रूप में की। सूचना पाकर मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

इंजीनियर की आत्महत्या के मामले में दंपती गिरफ्तार

गोंडा, एजेंसी: जिले में एक इंजीनियर की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने एक दंपती को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) मनोज कुमार रावत ने बताया कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में इंजीनियर अभिषेक श्रीवास्तव (25) की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने अजीत सिंह और उनकी पत्नी सोनल सिंह को शनिवार को गिरफ्तार किया है जिन पर ब्लैकमेल करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। रावत ने बताया कि कोतवाली नगर क्षेत्र के विष्णुपुरी कॉलोनी निवासी सोनल सिंह ने पहले अपने पड़ोसी अभिषेक पर ब्लैकमेल के जरिए धन मांगने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने अभिषेक को जेल भेज दिया था।

मदरसों में फर्जी नियुक्तियों से सरकारी धन के दुरुपयोग का खेल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **मदरसा बोर्ड में संगठित भ्रष्टाचार गिरोह सक्रिय, जांच के दायरे में कई अधिकारी**

अमृत विचार: प्रदेश के मदरसों में फर्जी नियुक्तियां और सरकारी धन का दुरुपयोग का खेल काफी दिनों से चल रहा है। मदरसा बोर्ड में संगठित भ्रष्टाचार व फर्जीवाड़े का गिरोह सक्रिय है। इस मामले की जांच बलरामपुर पुलिस कर रही है। जिसकी जद में मदरसा प्रबंधन व बोर्ड के अधिकारी व कर्मचारी आ रहे हैं। जांच में फर्जी दस्तावेज बनाने, सरकारी धन के भुगतान के लिए फर्जी बिल बनाने का मामला भी शामिल है। पुलिस की जांच में जल्द बड़े खुलासे की उम्मीद है।

बलरामपुर मदरसा शिक्षा से जुड़े संगठित भ्रष्टाचार को लेकर सुर्खियों में है। तुलसीपुर स्थित मदरसा जामिया अनवारुल उलूम में फर्जी नियुक्ति कर सरकारी धन के दुरुपयोग का गंभीर मामला सामने आया है।

शिकायतकर्ता मोहम्मद इमरान द्वारा की गई शिकायत के बाद पूरे प्रकरण का खुलासा हुआ है। शिकायत के अनुसार मोहम्मद अहमद अंसारी की नियुक्ति केवल कागजों में दर्शाई गई थी। नियमित रूप से उपस्थित न रहने के बावजूद उन्हें वेतन का भुगतान किया जाता रहा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि कूटरचित अभिलेखों के माध्यम से नियुक्ति दिखाई गई।

इस मदरसे के प्रबंधक अहमदुल कादिरी करीब आठ करोड़ रुपये के मिड-डे मील घोटाले का मुख्य आरोपी है। बलरामपुर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसके बाद शासन के निर्देश पर फर्जी नियुक्ति किये जाने के मामले में उसके खिलाफ तुलसीपुर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, इस फर्जीवाड़े का आरोपी बाबू अजीज अहमद अंसारी का नाम छात्रवृत्ति घोटाले में पहले आ चुका है।

नाबालिग से किया दुष्कर्म वीडियो बनाकर दी धमकी

संवाददाता, रामनगर

- **दो नाबालिग आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज**

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने दो नाबालिग आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

बीते शुक्रवार को दो नाबालिग आरोपियों ने किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म किया। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने घटना का अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद उन्होंने वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने और किशोरी को जान से मारने की धमकी दी। भयभीत किशोरी कुछ समय तक चुप रही, लेकिन बाद में उसने साहस जुटाकर पूरी घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। घटना से सकते में आए परिजन तुरंत कोतवाली पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल दोनों नाबालिग आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। परिजनों की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पीलीभीत में एटीएस को 70 डॉक्टरों के सौंपे चरित्र प्रमाण पत्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **पीलीभीत मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को पत्र जारी कर मांगी गई थी सूची**
- **नेपाल सीमा पर भी चल रही छानबीन, बाहरी छात्रों की निगरानी बढ़ाई**

अमृत विचार : दिल्ली बम ब्लॉस्ट को लेकर चल रही एटीएस की पड़ताल तेज होती जा रही है। कुछ डॉक्टरों की संलिप्ता सामने के बाद जिले के मेडिकल कॉलेज से भी डॉक्टरों का पुलिस वेरिफिकेशन मांगा गया था।

कॉलेज की ओर से करीब 70 डॉक्टरों की सूची सौंपी गई है। वहीं नेपाल सीमा से जुड़े इलाकों में भी निगरानी तेज करते हुए बाहरी छात्रों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इधर, मेडिकल कॉलेज प्रशासन भी स्वयं निगरानी में लगा है। बता दें कि 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास बम ब्लॉस्ट के बाद यहां भी पड़ताल चल रही है। तमाम सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही हैं। पड़ताल के दौरान फरीदाबाद से डॉ. शाहीन और उसके भाई डॉ. परवेज सिद्दीकी का आंतकी कनेक्शन सामने आया था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

उनसे की गई पूछताछ के दौरान कई तथ्य सामने आए थे। साथ ही प्रदेश के आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज से भी डॉ. परवेज का कनेक्शन सामने आया था। जहां उसने पढ़ाई की थी। साथ यह भी पता चला था कि प्रदेश के अन्य कॉलेज में भी उनके तार जुड़े हुए हैं, जो कश्मीर और अन्य जगहों से आकर मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई या नौकरी कर रहे हैं। ऐसे में एटीएस पड़ताल करते हुए पीलीभीत के मेडिकल कॉलेज भी पहुंची थी। यहां 20 दिन पहले डॉक्टरों और स्टाफ की सूची मांगी गई थी। इसके बाद एटीएस ने डॉक्टरों का पुलिस वेरिफिकेशन मांगा था। इसको लेकर प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा को पत्र मिला था। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से करीब 70 डॉक्टरों का पुलिस वेरिफिकेशन करते हुए चरित्र प्रमाण पत्र एटीएस को भेज दिए हैं। बाहरी प्रदेशों के छात्र-छात्राओं की भी निगरानी की जा रही है। फिलहाल लगातार चल रही जांच से खलबली मची हुई है। हालांकि इस मामला संवेदनशील होने के कारण कोई खुलकर बोलने को तैयार नहीं है।

सोने की ईंट का झांसा देकर 1.25 लाख रुपये ठगे

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: थाना निघासन क्षेत्र में सोने की ईंट बेचने का लालच देकर ठगी और धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने नेपाल के कंचनपुर जिले के एक युवक को असली सोने की ईंट बताकर नकली धातु थमाई और 1 लाख 25 हजार रुपये नेपाली ठग लिए। पीड़ित की तहरीर पर निघासन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

नेपाल के कंचनपुर जिले के थाना महेंद्रनगर के वेटकोट नगर पालिका वार्ड नंबर 1 निवासी यज्ञराज ऐर ने बताया कि उनके व्हाट्सएप नंबर पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने दावा किया कि उसके पुराने मकान की खुदाई में पुराने जमाने की सोने की ईंट मिली है, जिसमें से आधी वह पहले ही बेच चुका है और आधी अभी मौजूद है। आरोपी ने सोने की ईंट के बदले 20 लाख रुपये नेपाली मांगे। दोबारा संपर्क करने पर उसने अपना नाम जैनुद्दीन निवासी सिंगहा खुर्द थाना सिंगाही बताया और 19 दिसंबर 2025 को शाम करीब 4 बजे निघासन–पलिया रोड स्थित खैरहनी गांव के पास बालाजी मंदिर पर मिलने को कहा। निर्धारित समय पर वह अपनी होने वाली पत्नी संगीता धामी के साथ मौके पर पहुंचे, जहां जैनुद्दीन अपने साथी रिजवान निवासी पठाननपुरवा थाना पढुआ के साथ मिला। आरोपियों ने कथित सोने की आधी ईंट दिखाकर उसे असली बताया। धमकी मिलने के बाद पीड़ित ने अपने पास मौजूद 1,25,000 नेपाली रुपये आरोपियों को दे दिए।

बागपत में अंतर्राज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

बागपत, एजेंसी

जिले में साइबर प्रकोष्ठ पुलिस ने बैंक में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों में पांच पुरुष और दो महिलाएं हैं, जो फर्जी कॉल सेंटर के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में ऑनलाइन ठगी कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सूरज कुमार राय के निर्देशन में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त फर्जी नियुक्ति पत्र और जाली एग्रीमेंट तैयार कर बैंक में नौकरी दिलाने का झांसा देते थे और इसके बदले लोगों से मोटी रकम वसूलते थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान मोहित कुमार, पुनीत कुमार, वरदान, अनुज कुमार और अक्षय के तौर पर हुई है। इसीके साथ पुलिस ने दो महिलाओं को भी गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने रविवार सुबह बागपत के थाना कोतवाली क्षेत्र से उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में थाना साइबर अपराध में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) कानून की धारा 66डी के अंतर्गत मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 12 मोबाइल फोन, दो लैपटॉप, दो फर्जी सिम कार्ड, कई कूटरचित नियुक्ति पत्र व एग्रीमेंट, 15 बैंक पासबुक, दो चेक बुक, दो यूपीआई क्यूआर कोड, एटीएम कार्ड तथा 11 अन्य प्रकार के कार्ड बरामद किए हैं। लैपटॉप में देश के विभिन्न राज्यों के करीब 6,450 लोगों का डेटा भी पाया गया है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह ऑनलाइन मंच ओएलएक्स और नौकरी डॉट कॉम से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर भोले-भाले लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच में मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, असम और मेघालय सहित कई राज्यों से कुल 20 शिकायतें सामने आईं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे नौकरी दिलाने के नाम पर मांगी जाने वाली किसी भी राशि से सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल साइबर हेल्पलाइन पर दें।

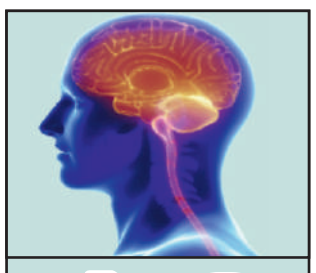

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रोसिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

मदरसा बनने की सूचना पर पहुंची पुलिस

बिशारतगंज, अमृत विचार : मोहम्मदगंज गांव में रविवार को मदरसा निर्माण की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो मामला निजी मकान का निर्माण होना मिला।

सुबह ग्रामीणों ने डायल 112 पर सूचना दी थी कि गांव में मुस्लिम समुदाय के लोग अवैध रूप से मदरसा बना रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो जांच में पाया कि एक व्यक्ति अपने निजी मकान का निर्माण करा रहा है। बाद में दोनों पक्षों के बीच लिखित समझौता हो गया और गलतफहमी दूर कराई गई। हल्का इंचार्ज एसआई अनीस अहमद ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति ने लिखित रूप में कहा है कि वह केवल अपना घर बना रहा था। फिलहाल गांव में शांति बनी हुई है।

आंवला में नवविवाहित दंपती से लाखों की लूट

पति के साथ जा रही थी ससुराल, तमंचा दिखाकर की वारदात

संवाददाता, बरेली

- बदायूं के फतेहपुर निवासी अब्दुल घुंसी स्थित ससुराल आया था
- दो नकाबपोशों ने बाइक की चाबी निकाली और तमंचा ताना
- पत्नी के दो लाख के जेवर व 25 हजार की नकदी लूट ले गये

अमृत विचार: ससुराल से नवविवाहिता को बुलाकर ले जाते समय दो नकाबपोश बाइक सवारों ने तमंचे के बल पर दंपति से नकदी समेत करीब दो लाख के जेवर लूट लिए और फरार हो गये।

बदायूं के फतेहपुर निवासी अब्दुल वकील ने बताया कि रविवार देर शाम वह अपनी नवविवाहिता पत्नी मुस्कान को ससुराल घुंसी से बाइक पर घर ले जा रहा था। आंवला-बिसौली मार्ग पर मनौना गांव के वकील ने बताया कि उनका निकाह एक सप्ताह पूर्व हुआ है।

नवविवाहिता महिला मायके से पति के साथ ससुराल जा रही थी। उन दोनों को आभास भी नहीं था कि उनके साथ अनहोनी होने वाली है। तभी रास्ते में अचानक लाल रंग की सुपर स्प्लेंडर बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने होटल के पास उनको रोकने का इशारा किया। बाइक रूकते ही बदमाशों ने बाइक से चाबी निकाल ली और अब्दुल के सामने तमंचा तान दिया। अचानक इस तरह की घटना का अभास नहीं था । इससे दोनो पति पत्नी डर गये। इसके बाद बदमाश उनसे सामान लेते गये और उन्होंने बिना कोई विरोध किये सामान दे दिया। उन्होंने उसके पास से मोबाइल, 5 हजार रुपये की नगदी, और मुस्कान के पास से 25 हजार रुपये की नगदी और करीब 2 लाख के शादी के जेवर लूट लिए। बदमाश 500 मीटर दूर जाकर चाबी और मोबाइल फेंककर फरार हो गए। उसने मनौना गांव निवासी अपने रिश्तेदार को फोन कर सूचना दी, रिस्तेदार द्वारा पुलिस को सूचना देने पर पुलिस पहुंच गयी। पीडित ने पुलिस को शिकायत दी है। वहीं पुलिस ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया है।

15 घंटे में भतीजे का हत्यारा गिरफ्तार

संवाददाता, सिरौली

अमृत विचार : जमीन हथियाने के लिए शनिवार को शराब केनशे में ईंट से कूच कर भतीजे की हत्या कर फरार हुए हत्यारोपी कोपुलिस ने वारदात होने के 15 घंटे में गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर खून से सने कपड़े भी पुलिस ने बरामद कर लिए हैं।

शनिवार को थाना सिरौली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम वेल भुजिया में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां 24 बीघा जमीन के विवाद में तोता राम लोधी की ईंट से सिर कुचलकर निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक तोता राम लोधी और आरोपी फूलचंद्र के बीच जमीन को नाम कराने को लेकर विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने अपना आपा खो दिया। आरोपी ने पास में ही पड़ी ईंट से तोताराम के सिर पर ताबड़तोड़ वार किए। इससे मौके पर ही तोताराम की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जिससे पूरे गांव

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी चाचा फूलचंद। ● अमृत विचार

- ईंट से कूचकर शनिवार को कर दी थी हत्या
- जमीन अपने नाम कराना चाहता था हत्यारा चाचा

में दहशत और तनाव का माहौल फैल गया।

हत्या की सूचना मिलते ही थाना सिरौली प्रभारी विनोद कुमार सिंह मौके पर पहुँचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और साक्ष्य जुटाए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गईं।पुलिस ने मुखबिरों के जाल और तकनीकी सर्विलांस की मदद से तलाशी अभियान चलाया। उसे सफलता भी मिल गई।

वारदात के 15 घंटे बीतने से पहले ही हत्यारोपी फूलचंद्र को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कालेभोज तिराहे से फूलचंद को गिरफ्तार कर लिया आरोपी की निशानदेही पर वेलभोजी से चकरपुर गही मार्ग पर अपने खून के कपड़े झाड़ियों से बरामद कराऐ पुलिस आज कार्यवाही कर आरोपी को जेल भेज दिया गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अर्जुन सिंह,कांस्टेबल निशांत चौधरी,कांस्टेबल मनीष चौधरी मौजूद आदि रहे।

छात्रा को लेकर मौलाना फरार, रिपोर्ट

संवाददाता, फरीदपुर

- पहले से शादीशुदा है मौलाना, कॉल डिटेल खंगालने में जुटी पुलिस

अमृत विचार : दीनी तालीम देने वाला मौलाना छात्रा को लेकर फरार हो गया परिजनों ने कोतवाली फरीदपुर में तहरीर देकर मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। परिजनों ने लिखाए मुकदमे में बताया की गांव की मस्जिद में बच्चों को दीनी तालीम देने मौलाना शमशाद आया था, इसी बीच एक छात्रा मौलाना के संपर्क में आ गई । बीते बुधवार को मौलाना छात्रा को बहला फुसला कर भगा ले गया परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा परिजनों ने कोतवाली पहुंचकर मौलाना शमशाद के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है ।

बताया जाता है मौलाना पहले से ही शादीशुदा है पुलिस आरोपी मौलाना के नाम पते का सही ठिकाना पता लगाने की कोशिश कर रही है। साथ ही पुराने पते पर संपर्क कर उससे गिरफ्तार करने कोशिश की जा रही है। शमशाद की कॉल डिटेल खंगालने में जुटी पुलिस ने बताया जल्द ही मौलाना पुलिस ही पकड़ में होगा।

गैनी में गंदगी और पशु देखकर भड़के सीएमओ

संवाददाता, अलीगंज

अमृत विचार : मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. विश्राम सिंह ने अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र गैनी का रविवार को औचक निरीक्षण किया स्वास्थ्य केंद्र में गंदगी को देखकर कड़ी नाराजगी जाहिर की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से समृद्ध अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र गैनी का रविवार की दोपहर सीएमओ ने निरीक्षण किया। अगले माह से यहां पर डिलीवरी प्वाइंट बनाया जाएगा जिससे क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को गैनी में प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। अस्पताल में गंदगी और पशु को देखकर वह भड़क गए उन्होंने डा. सुशील कुमार गुप्ता को केंद्र पर बेहतर सफाई व्यवस्था तथा डस्टबिन लगवाने के साथ टूटी हुई बाउंड्रीवाल का निर्माण करवाने का निर्देश दिया। जर्जर भवन की दशा सही कराने के निर्देश भी उन्होंने डा. राहुल व डा. सुशील गुप्ता को निर्देश दिये हैं।

भमोरा में सीएमओ ने सीएचसी भमौरा, पीएचसी बल्लिया व लंगूरा में लगे मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला का निरीक्षण किया। सभी जगह

अलीगंज के गैनी स्वास्थ्य केन्द्र पर सीएमओ को मिली गंदगी और पशु। ● अमृत विचार

मेला सुचारू मिला। उन्होंनें भमोरा मे संचालित स्टेमी केयर रूम का भी निरीक्षण किया। सीएचसी अधीक्षक डॉ विवेक कुमार, डॉ नीरज सिंह डॉ रविकुमार,दौलत सिंह चौहान आदि रहे।

क्योलडिया सीएचसी पर रविवार को आयुष्मान आरोग्य मेले में डा. आयुष राठौर,डा. गुंजन सिंह ने 25 मरीज देखे।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट, छाती में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हाई ब्लडप्रेशर, हाई कोलेस्ट्रोल, डाइबिटीज (शुगर), सीने या पेट में जलन या दर्द, हार्ट अटैक, हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। | अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

महिला की कर दी पिटाई

शीशगढ़, अमृत विचार कस्बा निवासी महिला मैंसर ने पुलिस को बताया कि वह कस्बे में एक दुकान से सामान लेकर घर लौट कर आ रही थी। रास्ते में कस्बा निवासी मतीन व उनकी पत्नी कनीज उन्हें रोककर गंदी - गंदी गालियां देने लगे। आरोप है कि गलियों का विरोध कर पर उक्त पत्नी -पत्नी ने उनकी लात - घूंसो से पिटाई कर दी।

बाजार से लापता हुई नाबालिग छात्रा

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव की कक्षा नौ की नाबालिग छात्रा को युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर थाना नवाबगंज में आरोपी युवक सहित चार लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जानकारी के अनुसार किशोरी शनिवार को अपनी मां और भाभी के साथ कस्बे में दवा लेने आई थी। इसी दौरान वह दस्ताने खरीदने की बात कहकर बाजार की ओर गई, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। कस्बे में लगे सीसीटीवी कैमरे में गांव का ही युवक सुरेंद्र छात्रा को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाता हुआ दिखाई दिया।

इसके बाद परिजन आरोपी के घर पहुंचे और बेटी के संबंध में जानकारी की। आरोप है कि वहां आरोपी के पिता राकेश और मां बब्ली ने गाली-गलौज करते हुए हाथापाई की। आरोप है कि छात्रा को ले जाने में सुरेंद्र का उसके भाई अरविंद और तहेरे भाई अमरजीत ने भी सहयोग किया।

खुले में शराब पी रहे युवकों पर कार्रवाई

बहेड़ी। मिशन शक्ति/एंटी रोमियो पुलिस टीम के द्वारा शोहदों एवं खुले में शराब पीने वाले 06 व्यक्तियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ कार्यवाही की है। चैकिंग के दौरान खुले में शराब पी रहे, भीड़ भाड़ जगह पर खड़े शोहदे मोहित , संजू सिंह, फईम, लखपत , अरविन्द , प्रेमपाल को हिरासत में लिया गया।

न्यूज डायरी

आदर्श महाविद्यालय हरदुआ में प्रबंध कार्यकारिणी का गठन

नवाबगंज,अमृत विचार : आदर्श महाविद्यालय हरदुआ नवाबगंज में प्रबंध कार्यकारिणी के चुनाव शांतिपूर्ण एवं निर्विरोध रूप से संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया में चुनाव अधिकारी के रूप में नीरेंद्र सिंह राठौर,भगवान दास गंगवार, डॉ. शाहीन अनवर पर्यवेक्षक के रूप में प्रोफेसर नवीन कुमार उपस्थित रहे। इसमें डॉ. एमपी आर्य को अध्यक्ष, एनए अंसारी को उपाध्यक्ष, नत्थू लाल गुप्ता को सचिव तथा रविंद्र पाल सिंह गंगवार को सह–सचिव निर्वाचित किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी समिति में चार नए सदस्यों के रूप में के. पी. सिंह गंगवार,जसराज सिंह,रामधुन गुप्ता को सदस्य मनोनीत किया गया। सभी पदाधिकारियों के मनोनीत होने पर डॉ आशुतोष गंगवार, मीनाक्षी गंगवार,लेखराज गंगवार, गन्ना चेयरमैन निर्भय गंगवार गंगवार, सर्वेश गंगवार, रोहित गंगवार, हरीश गंगवार,भानू गंगवार, किंग देव गंगवार, निर्मल गंगवार, अमित गंगवार,रजनीश गंगवार आदि ने बधाई दी है

करणी सेना में पदाधिकारियों को दी जिम्मेदारी

कैंट, अमृत विचार : चौबारी स्थित जिला कार्यालय पर रघुकुल धाम में रविवार को करणी सेना की मासिक बैठक में संगठन का विस्तार किया गया। जिलाध्यक्ष कौशल सिंह ने नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा कर उनके नियुक्त पत्र जारी किये। पूनम गंगवार को जिलाध्यक्ष युवा मातृशक्ति, दिनेश सिंह समेत आधा दर्जन लोगों को संगठन में नई जिम्मेदारी दी गई है। इस दौरान डॉ अरुण चौहान, नन्दू सिंह, सुधा शर्मा, शिवाली श्रीवास्तव, रेखा रस्तोगी, ऋषभ तिवारी, अंश शर्मा, संजीव सिंह, अर्जुन चौहान, कृष्णा ठाकुर, संदेश शर्मा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. प्रवीण तोगड़िया 10 जनवरी को आयेंगे आंवला

आंवला, अमृत विचार : डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया के 10 जनवरी को आंवला आगमन के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर संगठन पदाधिकारियों ने तैयारी आरम्भ कर दी है। रविवार को प्रांत संगठन मंत्री हरेंद्र ने कार्यक्रम स्थल एक बरात घर का दौरा किया और पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होने तैयारियों को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बताया कि डॉ. तोगड़िया 10 जनवरी की दोपहर 12 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान प्रांत महामंत्री सुनील गुप्ता, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद जिलाध्यक्ष अनुपम शंखधार, प्रेमपाल सोलंकी, पवन हिंदू, हिमांशु सोलंकी, शिव चौधरी, अवधेश मौर्य, निर्मल मौर्य, जयपाल मौर्य, नीरज माहेश्वरी, राकेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

संत गाडगे समिति के अध्यक्ष बने विजय, राधेश्याम बने कोषाध्यक्ष

कैंट, अमृत विचार : कैंट के सदर बाजार स्थित धोबी पंचायत भवन में रविवार को संत गाडगे समाज कल्याण समिति का गठन किया गया। इसमें विजय कुमार को अध्यक्ष, राधे श्याम को कोषाध्यक्ष, राहुल राय को उपाध्यक्ष प्रथम, राज कुमार को उपाध्यक्ष द्वितीय, संजीव कुमार को सचिव, अजय कुमार को सह सचिव, संजीव कनौजिया को सहसचिव नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम समिति के संरक्षक ओमप्रकाश कन्नौजिया के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान रमेश, राजेश कुमार, सुखलाल, संजीव कुमार कन्नौजिया समेत अन्य लोग मौजूद रहे। समिति गठन के बाद पदाधिकारियों से समिति को मजबूत बनाने पर चर्चा की और एकजुट होकर प्रयास करने की बात कही गई।

विवाहिता को घर से निकाला

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना नवाबगंज क्षेत्र में दहेज के लिए विवाहिता का मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ न केवल मारपीट की गई, बल्कि जेठ द्वारा अश्लील हरकत कर कपड़े फाड़ने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़िता को उसकी मासूम बेटी के साथ घर से निकाल दिया गया।

पीड़िता जमुना देवी पत्नी भूपराम, हाल निवासी ग्राम नवादा कंजा, थाना जहानाबाद, जिला पीलीभीत ने थाना नवाबगंज में दी तहरीर में बताया कि पांच साल पहले उसका विवाह तुमडिया निवासी भूपराम के साथ हुआ था।

आए दिन ससुराली कम दहेज का तानादेते थे और मोटरसाइकिल और एक लाख रुपये नकद की मांग करने लगे।

पीड़िता ने जेठ किशनलाल द्वारा अश्लील हरकतें करने और विरोध पर मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है।

बीजामऊ में नव निर्मित चौकी का उद्घाटन

नवाबगंज, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम बीजामऊ में साध समाज द्वारा भव्य सत्संग में साध समुदाय के संतों ने ज्ञान, सदाचार और गुरु परंपरा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस में दिल्ली, फर्रुखाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों तथा बीजामऊ की साध संगत ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान साध समाज द्वारा नव निर्मित चौकी का विधिवत उद्घाटन भी किया गया। सत्संग के समापन पर प्रसादी का वितरण और लंगर भी हुआ, जिसमें सभी संगत ने प्रसाद ग्रहण किया। साध समाज शुद्ध शाकाहारी जीवन-शैली, जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम तथा गुरु के आदर्शों के पालन के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम में नीरु सिंह सागर, सुनील साध, परमजीत साध, सिकंदर साध, गोविंदा साध, संदेश साध, राजीव साध, राजेश साध, वीरेंद्र साध, राकेश साध, दिनेश साध, शेर सिंह साध, आदि रहे।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र पंकज मिश्रा पुत्र स्व. शिव सरन मिश्रा व उसकी पत्नी सुमन मिश्रा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा उनसे कोई वास्ता नहीं होगा। **नीलम मिश्रा पत्नी स्व. शिव सरन मिश्रा निवासी 55 जोगी नवादा तह. व जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पहले MOHAMMAD HUZAIL KHAN था जो पासपोर्ट में दर्ज था जिसे बदलकर अब मैंने HUZAIL KHAN रख लिया है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी यही नाम दर्ज है। भविष्य में मुझे HUZAIL KHAN नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **हुजैल खान पुत्र सुहेल खान निवासी 78, मदीहा हाउस, आकाशपुरम् विस्तार, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने महिला शराब तस्कर पकड़ी

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : पुलिस ने एक महिला को भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है । बताया जाता है कि महिला शराब तस्करी का धंधा करती है । कस्बा प्रभारी लक्ष्मी नारायण सिंह ने बताया कि बीती शनिवार की रात एक महिला तस्करी के लिए अवैध शराब को ले जा रही है । पुलिस ने महिला को रंगे हाथों भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया । पकड़ी गई महिला ने अपना नाम आशा पत्नी रामबाबू निवासी गिहार बस्ती बताया । पुलिस ने बताया कि महिला लंबे समय से शराब की तस्करी करती है।

जमीनी रंजिश के चलते की मारपीट

मीरगंज, अमृत विचार : कोतवाली के गांव नगरिया सादात निवासी हरद्वारी लाल पुत्र बीरबल के मुताबिक, वह खेत पर काम कर रहा था। इसी दौरान रंजिश के चलते गांव के ही सत्यप्रकाश व रमेश, राजेंद्र पुत्रगण बीरबल व आशीष पुत्र राजेंद्र खेत पर पहुंच गये और डंडों से पीटा जिससे वह चोटिल हो गया। पुलिस ने चारो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मार्ग दुर्घटना में घायल मजदूर की मौत

भमोरा, अमृत विचार : देर रात बरेली से मजदूरी कर घर लौट रहे मजदूर को रोड क्रॉस करते समय अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। थाना क्षेत्र के गांव नकटपुर निवासी सूर्य प्रकाश सागर(45) मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। शनिवार देर रात बरेली से मजदूरी कर वापस घर लौट रहा था कि बरेली बदायूं रोड पर नकटपुर मोड के समीप रोड क्रॉस करते समय अज्ञात वाहन ने कुचल दिया और फरार हो गया। जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

मानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने वाले ग्रामीण को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ज्ञात हो कि थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने दो दिन पूर्व पड़ोस में रहने वाले एक ग्रामीण पर मौसी के साथ दुकान से सामान लेकर आते समय अपनी नाबालिग पुत्री को छेड़ने का आरोप लगाकर मुकद्दमा दर्ज कराया था।

आढ़त में नकब लगाकर सरसों व गेहूं लेकर फरार

दुकानदार ने लिखाई नामजद रिपोर्ट, पहले भी कर चुका है चोरी

संवाददाता, क्योलड़िया

अमृत विचार : रात में आढ़त कि दीवार काटकर चोर सरसो व गेहूं लेकर फरार हो गये। सुबह को मजदूर ने आढ़त खोली तो दीवार में नकब देखी गई।

कस्बे में नवाबगंज के मो इरफान कि आढ़त है। वह गेहूं लाई धान खरीद कर कारोबार करते हैं 20 दिसंबर की रात को आढ़त की दीवार में नकब लगा चार कट्टा सरसो दो कट्टा गेहूं लेकर फरार हो गया। सुबह मजदूर संजू ने दरवाला खोला तो नकब लगी देख आढ़त मालिक को सूचना दी। इरफान ने लोगों से पूछताछ की। शक के आधार पर अमन से पूछताछ की तो उसने चोरी करना स्वीकार किया। आढ़त

दुकान में लगी नकब। ● अमृत विचार

मालिक की नामजद तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। यह भी बताया कि दो माह पूर्व भी इसी ने आढ़त से चोरी की थी लेकिन तब उसे छोड़ दिया गया था लेकिन इसमें सुधार नहीं हुआ।

तीर्थयात्रा गए परिवार के घर चोरों ने की चोरी

आंवला : महमूदपुर गांव में तीर्थ यात्रा पर गए एक परिवार के घर का ताला तोड़कर चोरों ने रात में धावा बोल दिया। सुबह ग्रामीणों को चोरी की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि गांव निवासी वैजनाथ पुत्र श्यामलाल बिहार के गया धाम गए हुए हैं। उनका बेटा रोहित लखनऊ में पुलिस विभाग में तैनात है। बीती रात चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर घुसकर सामान चुरा लिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। चोरी गए सामान का आकलन परिवार के लौटने पर ही पता चलेगा कि क्या सामान चोरी हुआ।

शारदा रजवाहा की नहरों में पानी न आने से किसान परेशान

भदपुरा, अमृत विचार: क्षेत्र की सभी शारदा खंड की नहरों में पानी न आने से किसान परेशान हो गए हैं। सरसों, गेहूं, गन्ने की फसल लगी है और उन्हें पानी नहीं मिल पा रहा है।

किसान कांता प्रसाद, सुनील कुमार ,रमेश पाल, रामकुमार, डोरी लाल,वृंदावन, छेदा लाल आदि का कहना है कि जब जरूरत होती है तो नहर में पानी बिल्कुल नहीं आता है, जबकि किसानों को पानी की जरूरत नहीं होती है, तब नहर में पानी छोड़ा जाता है। बेमौसम पानी छोड़ जाने से फसलों को क्षति पहुंचती है।

शारदा नहर के रजबाहे नवदिया,कुंवरपुर तुलसी पट्टी, सिठौरा, नकटी नारायणपुर होते हुए निकलती हैं। दूसरा रजवाहा परतीतपुर, कटैया आत्मा राम, सरोरा, डडिया नजमुलनीशा, ढकिया बर्कली साहब होते हुए तिगरी निकलती है। लेकिन न तो नहर की सफाई हुई है न ही किसी नहर में अब तक पानी आया है।

फर्जी सिम जारी करने वालों पर शिकंजा

संवाददाता, बरेली

● गांव में जनसेवा केन्द्र और पीओएस संचालक पर पुलिस ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : एसएसपी के निर्देश पर साइबर फ्रॉड की रोकथाम को चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर सेल बरेली ने सिम विक्रेताओं की जांच की है। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों में जनसेवा केन्द्र और छतरी लगाकर सिम बेचने वाले लोगों द्वारा जारी सिम की ही शिकायतें आई है। अब इन पर शिंकजा कसा जा रहा है। फतेहगंज पूर्वी में कई फर्जी सिम जारी हुए हैं। आंवला, मीरगंज में एक एक और नवाबगंज में फर्जी सिम से साइबर ठगी के दो मामले सामने आए हैं। पुलिस ने सभी मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सिम बेचने वाले फरार है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

नवाबगंज में जांच के दौरान आदर्श नगर निवासी सिम विक्रेता विशाल राठौर द्वारा 19 जनवरी 2024 को जारी की गई एक सिम संदिग्ध पाई गई। यह सिम कटैया बलदेव सिंह थाना हाफिजगंज के मुकेश कुमार के नाम पर जारी की गई थी। समन्वय पोर्टल पर जांच करने पर इस सिम से साइबर ठगी की दो शिकायतें दर्ज हुईं। एक शिकायत बुलंदशहर निवासी वैशाली अग्रवाल द्वारा 27 हजार रुपये की ठगी को लेकर दर्ज कराई गई थी, जबकि दूसरी शिकायत बल्लभगढ़ (हरियाणा) निवासी बब्लू द्वारा 2 हजार रुपये की ठगी के संबंध में दर्ज कराई गई थी।एस आई अभिषेक नागर ने जांच की थी।

फतेहगंज पूर्वी में क्षेत्र के ग्राम टिसुआ में संचालित एक जनसेवा केंद्र पर रुपये का लेन देन करने को आने वाले ग्राहकों के आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल करते हुए जनसेवा केंद्र संचालक विकास पुत्र आदेश ने गांव में लोगों के आधार कार्ड पर सिम कार्ड जारी कर बेचने का धंधा शुरू कर दिया । उप निरीक्षक हेमंत कुमार की जांच में मामला सही पाया गया । विकास के द्वारा कई आधार कार्डों पर फर्जी सिम जारी किए गए थे ।**मीरगंज** में गांव गुगई निवासी आलोक कुमार पुत्र जगनलाल पीओएस एजेंट हैं। उनके द्वारा एक सिम बेची गई उस सिम पर एक लाख रुपये का फ्रॉड होने की शिकायत दर्ज है। आलोक सिम बेचने के साथ साथ बीटेक का छात्र भी है।

दो सिम विक्रेताओं पर रिपोर्ट दर्ज

आंवला : साइबर टीम प्रभारी उपनिरीक्षक अश्वनी शर्मा ने बताया कि जांच में पाया गया कि यश कम्युनिकेशन के सिम विक्रेता विशाल पुत्र कृष्ण निवासी ग्राम गुलेली द्वारा बेची गई सिम से 13,438 रुपये का फ्रॉड किया गया है। विजय कम्युनिकेशन के संचालक विजय सिंह पुत्र देवेंद्र सिंह निवासी ग्राम आसपुर थाना आंवला द्वारा बेची गई सिम से 20 हजार रुपये की ठगी की गई। दोनों प्रकरणों की शिकायत साइबर पोर्टल पर दर्ज है। पुलिस ने दुकानदारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मकान पर कब्जा कर सामान बाहर फेंका

मकान के बाहर लगी भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार :फर्जी चेक देकर बेशकीमती मकान पर कब्जा कर वास्तविक मालिक को बच्चे सहित धक्के देकर बाहर कर दिया। पीड़ित ने पुलिस की मदद लेनी चाही लेकिन उसे मदद नही मिली है। उल्टे पुलिस ने पीड़ित को लताड़ लगा दी।

थाना क्षेत्र के अंडरपास के निकट गुरुद्वारा निवासी हंसमुखी पत्नी राम निवास का एक मकान गुरुद्वारे के पास है जहां अपने परिवार के साथ रहती है। बताया कि उसी मकान की बिक्री करने के लिए फरीदपुर निवासी संध्या शर्मा के। हंसमुखी ने उस चेक को बैंक में लगाया तो चेक बाउंस हो गया। चेक बाउंस होने की बात संध्या को बताई तो रविवार को संध्या अपने साथ कुछ लोगों के साथ मौके पर पहुंच गई और हसमुखी का सामान मकान के बाहर फेंक कर बुजुर्ग मां बाप और बच्चों को बाहर कर चारपाई तोड़कर मकान पर अपना ताला डाल दिया।

पीड़ित हसमुखी ने पुलिस को फोन पर सूचना दी तो पुलिस ने बैनामा होने की बात कहते हुए हसमुख को ही हड़का दिया ।

ओवरलोडिंग की तैयारी

सिरौली में सिंगल रोड पर न कोई संकेत और न रिफ्लेक्टर। ऐसे में ओवरलोड गन्ना लदी ट्राली सड़क पर चलने के लिए तैयार हो रही है। ओवरलोड होकर भी ज्यादा माल भरने के लालच में ट्राली में ठसाठस वाली स्थिति में गन्ने को और ज्यादा लादा जा रहा है। पूरी तरह दुर्घटना को दावत देकर सड़क पर दौड़ने वाली यह ट्राली कई चौकियों के सामने से होकर गुजरेगी लेकिन कोई पुलिस कर्मी इसे नहीं रोकेगा। ट्रैक्टर मालिक ओवरलोड ट्राली पर रिफ्लेक्टर या संकेत लगाने का प्रयास करेंगे। अब राहगीरों को अपनी जान प्यारी है तो वह खुद बचकर निकले या ओवरलोड वाहन के गुजरने तक रास्ते में रुक जाएं।

पत्नी करती रहीं फोन नहीं उठा, पुलिस ने दी जानकारी

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : नगर पालिका में लेखाकार रहे रुपेश का रविवार को श्मसान भूमि पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनकी अंतिम यात्रा में पालिका अध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद थे। रूपेश की पत्नी ने आरोप लगाया हैकि पुलिस सर्तक होती तो उनके पति की जान बच सकती थी। वह खुद पुलिस को फोन करती रही लेकिन पुलिस ने फोन नहीं उठाया और मौके पर भी दो घंटे बाद पहुंची थी। यदि वह समय से पहुंच जाती या फोन ही उठा लेती तो पति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उन्हें बचाया जा सकता था।

पत्नी रूचि अग्रवाल ने बताया कि कार्यालय से पति समय पर निकले थे। तय समय पर वह घर नहीं पहुंचे तो पति को फोन करती रहीं लेकिन उनका फोन नहीं उठा। हादसे के दो घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो उसने फोन पर कई मिस कॉल देखकर फोन किया तो घटना के बारे में परिवार को जानकारी हुई। परिजन का मानना है कि उन्हें काफी देर से जानकारी मिली ।

मूल रूप से फरीदपुर के मोहल्ला साहूकारा निवासी रूपेश कुमार अग्रवाल (53) नगर पालिका परिषद में लेखाकार के पद पर कार्यरत थे। वह चार भाइयों में सबसे छोटे थे। इनके पिता भी नगर पालिका परिषद फरीदपुर में कर्मचारी थे उनके निधन के बाद रूपेश को नौकरी मिली थी। कुछ साल पहले उन्होंने बरेली के डोहरा रोड पर अशोक सम्राट नगर में आवास बनाकर रहने लगे थे। और प्रतिदिन बरेली से ही कार से ड्यूटी पर आते जाते थे। शनिवार की शाम वह ड्यूटी से वापस घर को लौट रहे थे तभी डोहरा रोड पर नवदिया झादा के समीप पुल के पास उनकी कार की सामने से आ रही दूसरी कार से भिड़ंत हो गई। जिसमें लेखाकार गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल भिजवाया जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मृतक रुपेश एक 18 वर्षीय पुत्री व 6 वर्षीय पुत्र हैं।

न्यूज डायरी

रोटरी क्लब ऑफ बरेली ने लगाए रिफ्लेक्टर

बरेली, अमृत विचार : रोटरी क्लब ऑफ बरेली ने भीषण ठंड और कोहरे के मौसम में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए देवचरा अनाज मंडी में रविवार को 200 से अधिक वाहनों, विशेष रूप से ट्रैक्टर ट्रालियों पर रिफ्लेक्टर लगाए। क्लब अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि भारत में प्रतिवर्ष साढ़े चार लाख सड़क दुर्घटनाओं में पौने दो लाख लोग मारे जाते हैं। ठंड में रिफ्लेक्टर रहित ट्रालियों से टकराने से होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या बहुत बढ़ जाती है। सचिव शेखर यादव ने यूएस नेशनल हाइवे ट्रेफिक सेफ्टी अथॉरिटी की रिपोर्ट को साझा करते हुए बताया कि रिफ्लेक्टर स्ट्रिप्स के उपयोग से विभिन्न देशों में अंधेरे में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है।

निबंध, काव्य और भाषण प्रतियोगिता में दिखा प्रतिभाओं का हुनर

बरेली, अमृत विचार : बहेड़ी के केसर इंटर कॉलेज में विद्यालय स्तरीय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई एवं सुशासन पर निबंध, भाषण और काव्य प्रतियोगिताएं हुईं। निबंध प्रतियोगिता में अंशिका प्रथम और निधि द्वितीय, काव्य प्रतियोगिता में आयुषी प्रथम, निशा द्वितीय और भाषण प्रतियोगिता में विनीता प्रथम और राहुल द्वितीय रहे। प्रधानाचार्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का जन्म शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। यह प्रतिभागी सोमवार को पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज बरेली में आयोजित जनपदीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसका संचालन शिक्षक इंद्रजीत सिंह करेंगे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सुरेंद्र ने किया।

शिविर में निशुल्क जांच कर चश्मे बांटे

बरेली, अमृत विचार : रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ एवं शुभम चैरिटेबल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में ज्योति उदय-प्रोजेक्ट दृष्टि शिविर का आयोजन रविवार को पंचायत भवन नरियावल में किया गया। शिविर में 600 लोगों की आंखों एवं दांतों की जांच की गई। इसके बाद 400 जरूरतमंद लोगों को चश्मे प्रदान किए। 40 मरीजों को नेत्र ऑपरेशन की आवश्यकता पाई गई, उनके नि:शुल्क ऑपरेशन क्लब द्वारा कराए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिथरी चैनपुर विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने किया। डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि नियमित नेत्र एवं दंत जांच अत्यंत आवश्यक हैं, कई रोग बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे-धीरे बढ़ जाते हैं। इस अवसर पर डॉ. आईएस तोमर, डॉ. रवि मेहरा, रवि प्रकाश अग्रवाल, क्लब अध्यक्ष संजीव खंडेलवाल, सचिव संजय गर्ग, कोषाध्यक्ष सुजीत जायसवाल, कम्युनिटी सर्विस डायरेक्टर राजीव बूबना, डॉ. विनोद पागरानी, ध्रुव तिलक, राकेश अग्रवाल, चंद्र प्रकाश, दिनेश प्रधान, नयन अग्रवाल, रमेश वार्ष्णेय, राजीव अग्रवाल, संचित अग्रवाल, राजीव खंडेलवाल, संजय अग्रवाल, उमेश तलवार, विभोर भरतिया, विभोर अग्रवाल, संदीप मेहरा, अनिल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

सामान आया, जगह चिह्नित दो साल से नहीं लगा टावर

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : ग्राम पंचायत स्तर पर संचार नेटवर्क का जाल बिछाने को सरकार की तैयारी पूरी है। उपकरण भी मौजूद है। गांव गांव में संचार का नेटवर्क भी बिछाया जा रह है। टावर खड़े किये जा रहे है लेकिन शेरगढ के गांव ब्योंधा में नेटवर्क की समस्या गांव के विकास में बाधा बन रही है। इस बाधा को दूर करने के लिए टावर लगाने का आदेश हुआ। स्टोर से सामान भी निकलकर गांव पहुंच गया। जगह चिहिंत हो गई। एग्रीमेंट भी हो गया लेकिन इतना होने के बाद भी टावर खड़ा नहीं किगया है। इससे डिजिटल इंडिया के दौर में बच्चों की आनलाइन पढ़ाई, ग्राम सचिवालय में काम भी प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि दो साल पहले गांव में टावर लगाने के उपकरण आ चुके हैं जो एक ग्रामीण के घर में रखकर बर्बाद हो रहा है।

खुले में रखा टावर के लिए आया सामान।

● शेरगढ़ के गांव ब्योंधा में टावर का सामान खुले में पड़ा हो रहा बर्बाद

लोगों का कहना है कि टावर लगाने के लिए कंपनी से एग्रीमेंट होने के साथ ही जगह का चिन्हांकन भी हो चुका है। लेकिन अभी तक टावर नहीं लगाया गया।

गांव के सुंदरलाल वर्मा ने बताया कि लंबे अरसे से गांव में नेटवर्क समस्या बनी हुई है। जिससे पंचायत सचिवालय समेत अन्य विभागों का कार्य भी प्रभावित हो रहा है।

गौटिया राजपुर संपर्क मार्ग बना तालाब

अलीगंज/राजपुरकलां

अमृत विचार: विकास खण्ड मझगवाँ ग्राम पंचायत राजपुर कला का मजरा राजपुर गौटिया का मुख्य संपर्क मार्ग पर बिना बरसात के हुआ जल भराव ग्रामीणों के लिए मुसीबत का कारण बना है। राजपुर कला से गौटिया मजरा को जोड़ने वाली यह सड़क जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण तालाब में तब्दील हो चुकी है। हालात यह हैं कि सड़क पर पिछले दो साल से घुटनों तक गंदा पानी भरा रहता है, जिससे आम लोगों का आवागमन लगभग ठप हो गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोगों ने गोबर कूड़े के ढेर डालकर रास्ते के दोनों ओर से अवैध कब्जा कर लिया है, जिससे नाले का निर्माण नहीं हो पा रहा है। नालियों के अभाव में तालाब का गंदा पानी सड़क पर ही भर जाता है। इससे न सिर्फ ग्रामीणों को परेशानी हो रही है, बल्कि स्कूल जाने वाले बच्चों को भी भारी दिक्कतों का सामना

संपर्क मार्ग में जलभराव से होकर गुजरते ग्रामीण। ● अमृत विचार

करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि राजस्व अभिलेखों में संपर्क मार्ग की चौड़ाई 16 मीटर दर्ज है, लेकिन मौके पर केवल लगभग 4 मीटर रास्ता ही बचा है। शेष हिस्से पर कब्जा होने के कारण सड़क और नाले का निर्माण संभव नहीं हो पा रहा है। गांव के ही राजवीर पुत्र झम्मन सिंह और लेखराज पुत्र हेमराज ने तहसील दिवस में इस समस्या को लेकर प्रार्थना पत्र भी दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

गांव के निहाल सिंह ने बताया कि गलियों में इतना कीचड़ है कि बच्चे गिर जाते हैं और बाइक फिसल जाती है। पिछले दो वर्षों से हालात ऐसे ही बने हुए हैं। पांच-छह दिन पहले एक टीम सर्वे के लिए आई थी लेकिन जल भराव की समस्या कोई समाधान नहीं हुआ टीम प्रधान के पेट्रोल पंप पर बैठकर सर्वे की खाना पूरी कर चली गई।

गांव के नन्हे ने बताया कि जलभराव के कारण ग्रामीण और स्कूल जाने वाले बच्चे उनके खेतों से होकर निकलते है, जिससे उनकी गेहूं आदि की फसल खराब हो रही है। खेतों में रास्ता बनने से किसानों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

बिसरा रिपोर्ट के इंतजार में कार्रवाई से बच रही पुलिस

संवाददाता फरीदपुर

● फैक्ट्री में पांच दिसंबर को मृत पाए गए थे ठेकेदार शिवनंदन

● परिजन ने फैक्ट्री मालिकों के खिलाफ दर्ज कराई थी रिपोर्ट

अमृत विचार : फैक्ट्री में जहर देकर वर्कर ठेकेदार की हत्या के आरोप के मामले में पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा है। पांच दिसंबर को ठेकेदार शिवनंदन का शव फैक्ट्री परिसर में मिलने के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक किसी आरोपी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस केवल बिसरा रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इस संबंध में इंस्पेक्टर का कहना है कि बिसरा रिपोर्ट आने में समय लगता

कोतवाली पर मृतक का परिवार।

है और रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। कानूनी जानकारों के अनुसार जहर से मौत के मामलों में बिसरा रिपोर्ट एक अहम वैज्ञानिक साक्ष्य जरूर है, लेकिन इसके अभाव में जांच को पूरी तरह रोक देना कानून की मंशा के अनुरूप नहीं है।

कानून के तहत एफआईआर में नामजद आरोपियों से पूछताछ, गवाहों के बयान, घटनास्थल के साक्ष्य और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर प्रारंभिक कार्रवाई की जा सकती है।

बता दें कि 5 दिसंबर को फरीदपुर थाना क्षेत्र के संतोष पॉलीफेब फैक्ट्री में थाना निगोही क्षेत्र के निवासी शिवनंदन कई वर्षों से फैक्ट्री में ठेकेदारी करते थे। फैक्ट्री पर उनकी मोटी रकम बकाया होने को चलते परिजनों का आरोप है कि रुपए मांगने पर 5 दिसंबर को ठेकेदार को फैक्ट्री कर्मचारी द्वारा जहर दे दिया गया था। सूचना पर पहुंचे शिवनंदन के भतीजे गुरपाल काफी देर गेट पर खड़े रहे, लेकिन गेट पर तैनात कर्मियों द्वारा गेट नहीं खोला गया। डायल 112 पुलिस के बुलाने के बाद गेट खुलने पर गुरपाल जब अंदर पहुंचे तब तक काफी देर हो चुकी थी। गंभीर अवस्था में शिवनंदन को गुरपाल अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। तब से अब तक पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा है।

शनिवार को एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा के फरीदपुर कोतवाली में आने की जानकारी के बाद मृतक शिवनंदन की पत्नी रेनू बच्चों के साथ उनसे मिलने की राह देखती रही लेकिन उनका दौरा टल गया तो उसे मायूस होकर लौटना पड़ा। रेनू का कहना हैकि पुलिस फैक्ट्री मालिक पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही। 35 लाख की जिस बकाया राशि को लेने के लिए पति फैक्ट्री जाकर मालिकों से बात करते थे। उन्हीं मालिकों ने उनके पति को जहर देकर मार दिया। अब पुलिस भी उन्हीं का साथ दे रही है। सोमवार को शिवनंदन की पत्नी रेनू पुलिस उपमहानिरीक्षक से भी मिलेगी और पति की जहर देकर हत्या के मामले में फरीदपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही न करने की शिकायत करते हुए न्याय की मांग करेगी।

> शिवनंदन ठेकेदार का कोई पेमेंट फैक्ट्री पर बकाया नहीं है बिसरा रिपोर्ट आने में समय लगता है।
> -प्रभारी निरीक्षक **राधेश्याम** फरीदपुर

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी मरौरी (पीलीभीत)

पत्रांक: 2523/आंकिक/क्षेत्र.पं./टेण्डर/2025-26 **अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक: 20.12.2025

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से विकास खण्ड मरौरी (पीलीभीत) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत पंचम राज्य वित्त आयोग/पंद्रहवां केन्द्र वित्त आयोग (टाइड एवं अनटाइड फन्डस) के अन्तर्गत निम्नलिखित विवरण के अनुसार निर्माण कार्य करवाने हेतु शासकीय कार्यालयों में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से सीलबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदायें (दिनांक 07.01.2026 से 10.01.2026 तक) कार्य दिवसों में निर्धारित शुल्क भुगतान कर विकास खण्ड कार्यालय पर कैशियर सह स्टोर कीपर से प्राप्त की जा सकती है एवं सीलबन्द निविदायें दिनांक 12.01.2026 को समय 02:00 बजे तक सीलबन्द बॉक्स में डाली जा सकती है, जो उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष अपरान्ह 03:00 बजे निर्धारित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी। प्रत्येक निर्माण कार्य कराये जाने हेतु पृथक-पृथक धरोहर धनराशि जमा करनी होगी, जिसकी जानकारी कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। निर्माण कार्यो का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की लं. (मी.)/सं.	अनुमानित लागत (रू.)	निविदा शुल्क (GST) अति.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	धरोहर धनराशि (रू.) 2 प्रतिशत
	पंचम राज्य वित्त नवनिर्माण					
1	विकास खण्ड मरौरी के आवासीय कॉलोनी में अवशेष आवासों की मरम्मत व रंगाई पुताई का कार्य।	01 No	998800	1000	03 माह	19976
2	विकास खण्ड मरौरी के आवासीय कॉलोनी में अवशेष इंटरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	160 M	998900	1000	03 माह	19978
3	राजकीय पशु चिकित्सालय पीलीभीत के डिस्पेशरी की मरम्मत कार्य	01 No	912300	1000	03 माह	18246
4	ग्राम पंचायत वाहनपुर में क्षेत्र पंचायत से घियोना की ओर खडंजा कार्य	530 M	993500	1000	03 माह	19870
5	ग्राम पंचायत पंचायत सिसैईया में नहर के दक्षिण साइड की पुलिय से सुकटिया मोड तक खडंजा कार्य	530 M	992000	1000	03 माह	19840
6	ग्राम बंजरिया जमुनिया में नहर से नत्थू लाल के खेत से हरि शंकर के खेत तक मिट्टी एवं खडंजा कार्य	190 M	787500	800	03 माह	15750
7	ग्राम पंचायत इग्रा में केशव राम के घर से श्मशान घाट होते हुये पूरन सिंह के खेत तक मिट्टी खडंजा कार्य	460 M	874800	900	03 माह	17496
8	ग्राम लौकहा में मेनरोड से देवस्थान तक इंटरलॉकिंग कार्य	150 M	946300	1000	03 माह	18926
9	ग्राम मेथी सैदुल्लागंज में खडंजा निर्माण कार्य	305 M	587000	600	03 माह	11740
10	ग्राम जमुनिया में नहर से बिठौरा कला हाइवे की ओर खडंजा निर्माण कार्य	530 M	992000	1000	03 माह	19840
11	ग्राम रिछोला के गोयल कॉलोनी में खडंजा कार्य	530 M	992000	1000	03 माह	19840
12	ग्राम संडा में शंकर लाल के खेत से नोनीरात के खेत तक खडंजा कार्य	530 M	992000	1000	03 माह	19840
13	ग्राम पंचायत करोड में छत्रपाल की चक्की से कन्हई लाल के खेत तक मिट्टी व खडंजा कार्य	530 M	992000	1000	03 माह	19840
14	ग्राम पंचायत पिपरिया नवदिया में पिपरिया कॉलोनी से माला कॉलोनी तक खडंजा निर्माण कार्य	530 M	992000	1000	03 माह	19840
15	ग्राम पंचायत पंडरी में लीलाधर के खेत से अनिल के घर तक इण्टरलॉकिंग पर नाली निर्माण कार्य	85 M	620800	700	03 माह	12416
16	दियूनी बहादुरगंज में अलीबक्श के खेत से लाल बहादुर के खेत से होते हुये श्मशान तक मिट्टी व खडंजा कार्य	530 M	992000	1000	03 माह	19840
17	ग्राम भरतापुर में बिलगवां मार्ग की ओर इण्टरलॉकिंग रोड निर्माण कार्य	170 M	997800	1000	03 माह	19956
18	न्यूरिया कालोनी में संतोष मालाकार के मकान से बलराम मंडल के मकान तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य।	155 M	932400	1000	03 माह	18648
19	ग्राम चाटडांग बलदेवपुर में संपर्क मार्ग से देवस्थान तक इण्टरलॉकिंग कार्य	160 M	998100	1000	03 माह	19962
20.	ग्राम पंचायत चौडा खेडा में राजीव गांधी सेवा केन्द्र/पंचायत घर से कुंआ खेडा की सरहद तक इंटरलॉकिंग रोड निर्माण कार्य	192 M	995700	1000	03 माह	19914
	15 वां वित्त आयोग टाइड फण्ड					
21	ग्राम भोरियाई में नाले पर पुलिया एवं टनकपुर रोड से संजीव प्रताप के प्लांट तक इंटरलॉकिंग निर्माण	65 M	485500	500	03 माह	9710
22	ग्राम पंचायत चाटडांग में लोकेश वर्मा के ढावे से पंडित जी के खेत की ओर नाला निर्माण कार्य	100 M	866300	900	03 माह	17326
23	ग्राम पंचायत घियोना में शीतल पेयजल की स्थापना कार्य	1 No.	351800	400	03 माह	7036
24	ग्राम पंचायत रिछोला में गोयल कॉलोनी में शिव मन्दिर प्रांगण में शीतल पेयजल की स्थापना कार्य।	1 No.	351800	400	03 माह	7036
25	ग्राम पंचायत बस्थना में मढ़ी पर शीतल पेयजल की स्थापना कार्य	1 No.	351800	400	03 माह	7036
26	ग्राम करोड में पुलिस चौकी के पास मढ़ी पर शीतल पेयजल की स्थापना कार्य।	1 No.	351800	400	03 माह	7036
27	ग्राम मैदना में मन्दिर पर शीतल पेयजल की स्थापना कार्य	1 No.	351800	400	03 माह	7036
28	ग्राम मकतूल में मढी पर शीतल पेयजल की स्थापना कार्य	1 No.	351800	400	03 माह	7036
29	ग्राम जैतपुर में मढी पर शीतल पेयजल की स्थापना कार्य	1 No.	351800	400	03 माह	7036
30	ग्राम खाग में मढ़ी पर शीतल पेयजल की स्थापना कार्य	1 No.	351800	400	03 माह	7036
31	ग्राम पंचायत हटुआ बिजलई में कुथिया मढ़ी पर शीतल पेयजल टंकी का निर्माण कार्य	1 No.	351800	400	03 माह	7036
32	ग्राम दियूनी केसरपुर के ग्राम मोमिगंज में शिव मन्दिर पर शीतल पेयजल टंकी का निर्माण कार्य।	1 No.	351800	400	03 माह	7036
33	ग्राम पंचायत मैदना में धर्मपाल के खेत के पास आरसीसी पुलिया निर्माण	1 No.	986700	1000	03 माह	19734
	15 वां वित्त आयोग अनटाइड फण्ड					
34.	ग्राम पंचायत कल्लीया के ग्राम किशनपुर में नहर से माया स्वरूप के घर की ओर इण्टरलॉकिंग कार्य	192 M	995700	1000	03 माह	19914
35.	ग्राम बेहरी में दुर्गा देवी मन्दिर से लालजी के घर तक इंटरलॉकिंग रोड व नाली निर्माण	150 M	995600	1000	03 माह	19912
36.	आराजी दहगला में मेन हाईवे से महेश चन्द्र के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य।	192 M	995700	1000	03 माह	19914

नियम व शर्तें:- 1. ठेकेदार को संविदा से पूर्व खण्ड विकास अधिकारी मरौरी कार्यालय में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

2. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर राशि का दो प्रतिशत राष्ट्रीयकृत बैंक का डी.डी. अथवा एन.एस.सी. जो कि खण्ड विकास अधिकारी मरौरी के नाम पृथक-पृथक बन्धक कराकर देनी होगी शेष धरोहर / जमानत राशि 8 प्रतिशत धनराशि की एन.एस.सी. अनुबन्ध गठन के समय प्रस्तुत करनी होगी।

3. निविदा शुल्क का बैंक ड्राफ्ट जो खण्ड विकास अधिकारी, मरौरी के पक्ष में होगा, निविदा क्रय के समय प्रस्तुत करना होगा।

4. निविदादाता को निविदा के साथ अद्यतन हैसियत प्रमाण-पत्र, आयकर, चरित्र प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, लेवर पंजीकरण जी.एस.टी. पंजीकरण एवं विकास खण्ड मरौरी का पंजीकरण प्रमाण पत्र की छायाप्रति की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

5. निविदादाता को निविदा के साथ 100 रू. के स्टांप पर स्वघोषणा-पत्र/शपथ-पत्र/संलग्न करना होगा तथा निविदा स्वीकृति उपरान्त स्वयं के व्यय पर निर्धारित स्टांप पर अनुबन्ध गठित करना होगा। निविदादाताओं को 100 रूप के स्टांप पर फोटो युक्त घोषण-पत्र इन शर्तो के साथ कि वह किसी भी संस्था से ब्लैक लिस्टेड नहीं हुए है।

6. ठेकेदार/फर्म को निर्माण कार्य को नियत समय सीमा के अन्दर एवं लो.नि.वि. की विस्तृत विशिष्टियों/मानके के अनुरूप पूर्ण करना होगा।

7. समस्त निविदादाताओं को उक्त सभी निविदाओं के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी विभिन्न शासनादेशों/नियमों/आदेशों का अनुपालन करना अनिवार्य होगा।

8. किसी भी वाद विवाद की दशा में निस्तारण माननीय जनपद न्यायाल, पीलीभीत में ही मान्य होगा।

9. सशर्त निविदा/डाक से प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

10. निविदादाता किसी भी जनप्रतिनिधि या कार्यालय स्टाफ से पारिवारिक सम्बन्ध नहीं रखता हो।

11. निविदा के स्वीकार्य करने अथवा निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी (खण्ड विकास अधिकारी) मरौरी में निहित होगा।

12. नियम व शर्तो के अधीन विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, मरौरी से सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रमुख
क्षेत्र पंचायत मरौरी

खण्ड विकास अधिकारी
मरौरी

चीनी बेचकर भुगतान करने की तैयारी

एसडीएम ने जब्त चीनी सील खुलवाकर निकालने और एक माह में बेचने का दिया आदेश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- नवाबगंज तहसीलदार की देखरेख में सील खुलेगी, किसानों का करोड़ों का भुगतान है बकाया

अमृत विचार: ओसवाल ओवरसीज चीनी मिल के गोदाम में सील की गई 8900 क्विंटल चीनी और अन्य संपत्तियों को बेचकर किसानों का 70.34 करोड़ रुपये भुगतान करने की तैयारी शुरू कर दी गयी है। एसडीएम नवाबगंज उदित पवार ने गोदाम की सील खोलकर चीनी बेचने और धनराशि जिला गन्ना अधिकारी एवं मिल प्रबंधक के संयुक्त खाते में जमा करने का आदेश दिया है। तहसीलदार को मिल की अन्य संपत्तियां चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं।

एसडीएम उदित पवार ने आदेश में कहा है कि पेराई सत्र 2023-24 एवं 2024-25 के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान की वसूली के लिए गन्ना आयुक्त की ओर से जारी वसूली प्रमाण पत्र के क्रम में ओसवाल ओवरसीज नवाबगंज के गोदाम में 8900 क्विंटल चीनी कुर्क की गई थी। गोदाम में रखी चीनी बिकी के लिए महाप्रबंधक ने अनुमति मांगी, जिससे किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान किया जाएगा।

ओसवाल ओवरसीज के विरुद्ध गन्ना आयुक्त ने गन्ना अवशेष मूल्य भुगतान देय का 7034 लाख का वसूली प्रमाण पत्र जारी किया था। भू-राजस्व के बकाया की भांति वसूली करने को पत्र भेजा, जिस पर नियमानुसार राजस्व वसूली प्रक्रिया के अन्तर्गत आरसी प्रपत्र जारी किए गए, लेकिन ओसवाल ओवरसीज ने आरसी प्रपत्रों के सापेक्ष कोई भी धनराशि जमा नहीं कराई, जिस पर संग्रह वसूली टीम ने चल संपत्ति की कुर्की और गोदाम को सील करने की कार्रवाई की। सील गोदाम के अंदर बंद चीनी समय से बाजार में बेचना आवश्यक है। ऐसी स्थिति में सील किये चीनी गोदाम को खोलने के आदेश दिये हैं। जिला गन्ना अधिकारी यह सुनिश्चित कराएंगे कि चीनी विक्रय से प्राप्त संपूर्ण धनराशि को जिला गन्ना अधिकारी एवं मिल प्रबंधक के संयुक्त खाते में जमा कराएं। इसके बाद चीनी की निकासी कराएं।

गोदाम से प्रति दिन कितनी चीनी निकाली गयी, बेची चीनी से प्राप्त संपूर्ण धनराशि की सूचना तहसीलदार नवाबगंज को उपलब्ध कराएंगे। तहसीलदार नवाबगंज स्वयं समय-समय पर स्थलीय निरीक्षण करेंगे। चीनी गोदाम के अतिरिक्त अन्य सभी ऐसे संसाधनों, जिससे वसूली प्रमाण पत्र की संपूर्ण धनराशि की वसूली हो सके, उन्हें तहसीलदार नवाबगंज चिन्हित करेंगे, ताकि उन संपत्तियों की नियमानुसार कुर्की व नीलामी की कार्रवाई अमल में लाई जा सके।

पुलिस परामर्श केंद्र ने जोड़े 100 बिछड़े परिवार

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : बिछुड़ने की कगार पर पहुंच चुके सौ जोडों को समझा कर पुनः एक साथ रहने के लिए तैयार करने वाले मध्यस्थता परामर्श केन्द्र समिति और सभी जोडों को पुलिस 24 दिसंबर को सम्मानित करेगी। पुलिस ने थाना परिसर में एक बैठक आयोजित कर सम्मान समारोह की जानकारी दी।

थाना आंवला में 12 मार्च 2025 से संचालित मध्यस्थता परामर्श केंद्र ने 9 माह 9 दिन में 100 बिछड़े दंपतियों को पुनः मिलाकर उनके जीवन में खुशहाली लौटाई है। इन जोड़ों को 24 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। इसी दिन पुलिसकर्मियों के लिए बनाए गए नए बैरक का उद्घाटन भी किया जाएगा। इंस्पेक्टर आंवला कुंवरबहादुर सिंह ने बताया कि परामर्श केंद्र की टीम ने सराहनीय कार्य किया है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पाण्डेय, एडीजी बरेली, एसएसपी बरेली और एसपी दक्षिणी बरेली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा, महिला शिक्षक, छात्राएं, प्रबुद्ध महिलाएं और जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। बैठक में एसआई बिहारी लाल और परामर्श केंद्र समिति अध्यक्ष जय गोविंद सिंह (राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित) सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर 24 लाख की ठगी, 5 पर रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार: इंगेजमेंट के बाद लड़का पक्ष ने लड़की पक्ष से करीब 24 लाख रुपये ठग लिए और बाद में शादी करने से इनकार कर दिया। लडकी के पिता ने लडका समेत 5 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी हरदोई निवासी शिवम पुत्र रविंद्र सिंह से तय की थी। जनवरी 2025 में रिश्ता तय होने के बाद सगाई के दौरान उन्होंने सोने-चांदी के गहने, कपड़े और नकद मिलाकर करीब 11 लाख रुपये खर्च किए। इसके बाद लड़के समेत उसके परिजनों में मां मनोकामिनी, बहनें गरिमा और वैशाली और ममेरा भाई विशाल ने शादी के लिए 25 लाख रुपये दहेज के रूप में मांग लिए। उन्होंने जुलाई में क्रमशः 14 लाख और 10 लाख रुपये नगद देकर कुल 24 लाख रुपये दिए, लेकिन इसके बाद भी लड़के वालों ने शादी से इनकार कर दिया और सम्पर्क तोड़ लिया। पीडित का कहना है कि सभी ने शादी का झांसा देकर उनके साथ धोखाधड़ी की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी

सड़क हादसे में रिटायर्ड पुलिस कर्मी गंभीर घायल

मीरगंज, अमृत विचार : रविवार को क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

घायल की पहचान रामपुर जनपद के थाना मिलक क्षेत्र स्थित जालिम नगला निवासी रिफाकत अली के रूप में हुई है। रिफाकत अली बाइक से मीरगंज जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घटना की सूचना जिला पंचायत सदस्य निरंजन यदुवंशी ने पुलिस को दी। पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है।

रास्ते के विवाद में महिला से मारपीट, दी तहरीर

नवाबगंज, अमृत विचार : ग्राम खंजनपुर में रास्ते के विवाद में दबंगों ने महिला को पीटकर घायल कर दिया। घायल महिला को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पीड़िता नीलम गंगवार खंजनपुर में परिवार के साथ रहती हैं। बताया कि रविवार को उनके पति खेत पर थे। इसी दौरान पड़ोसी जिनसे पहले से रंजिश चली आ रही है, अपने पशुओं को रास्ते में नहला रहे थे। जब नीलम ने रास्ता बाधित करने का विरोध किया तो आरोपी पक्ष ने हमला कर दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत सिकटारा विकास खण्ड पसगवां-खीरी

पत्रांक- मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2025- 26

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिकटारा में वर्ष 2025-26 मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य कराए जाने हेतु कार्य सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो,से मोहर बंद निविदा दिनांक 22.12.2025 से 05.01.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत सिकटारा के पंचायत कार्यालय में निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती है , प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में 05.01.2026 अपरान्ह 4.00 बजे खोली जायेगी

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	फक्कापुरवा होली से विजेंद्र के खेत तक मिटटी खड़ंजा निर्माण कार्य	399943.00

मोनी देवी (ग्राम प्रधान) **कौशल किशोर (सचिव)**

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत

पत्रांक : 98/न.पं.गु.भि./2025-26 दिनांक : 19.12.2025

(ई-निविदा सूचना)

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के अन्तर्गत शासनादेश सं.-1940/9-8-2025-1681633 नगर विकास अनुभाग-8 लखनऊ दिनांक 28 अगस्त 2025 के रूप में नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा पीलीभीत को वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु प्राप्त धनराशि से अवस्थापना सुविधाओं तथा पेयजल, सैपटेज मैनेजमेन्ट, सड़क साइड पटरी, जल निकासी, फुटपाथ, सार्वजनिक शौचालयों, तालाब संरक्षण एवं सन्दर्यकरण, चौराहे का निर्माण, खेल मैदान का निर्माण/सुधार सामुदायिक केन्द्र, गौशाला का निर्माण आदि सार्वजनिक सुविधाओं का सृजन कर नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं को प्रदान करने तथा नगर को समेकित एवं नियोजक विकास को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना हेतु निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके लिये ई-निविदा प्रपत्र/कार्य का विवरण/शर्ते उ.प्र. की ई-प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाइट http://etendar.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(हरिपाल)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत।

(निशांत प्रताप सिंह)
अध्यक्ष
नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 9166/7 निविदा (पी0डी0)(ई-टेण्डर)-08/2025-26 दिनांक 10.12.2025

ई0-निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ-पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आम जनमानस को सुगम यातायात उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई-निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र साईट/पोर्टल पर दिनांक 26.12.25 से दिनांक 09.01.2026 मध्यान्ह 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगे एवं तकनीकी बिड दिनांक 09.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत (रू0 लाख मे)	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह)	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (Bridge Work)
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा के अर्न्तगत विकास खण्ड दातागंज के ग्राम बसेला से बेनी नगला होते हुये अभयपुर मार्ग पर बेनी नगला से अभयपुर के बीच नरहा पर 3×6 मी0 स्पॉन के लघु सेतु, पहुँच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।	225.00	13.25	2714.00	12	A

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 242763 दिनांक: 19/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि, बदायूँ

(के0के0 सिंह)
अधीक्षण अभियंता
बदायूँ/पीलीभीत वृत, लोनिवि, बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांकः 12150/413सी0(ई0टेण्डर)-3/2025-26 दिनांक 16.12.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय बार)

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरो पर में ई-निविदा दिनांक 23.12.2025 से दिनांक 30.12.2025 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 30.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लगत			धरोहर धनराशि (रू0लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
			सिविल कार्य की लागत (रू0लाख में)	05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0लाख में)	कुल अनुमानित लागत (4+5) (रू0लाख में)				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	वित्तीय वर्ष 2025-26 में धर्मार्थ योजनान्तर्गत (05 वर्ष के अनुरक्षण सहित)								
1	जनपद बरेली में नबावगंज शहरी भाग अन्य जिला मार्ग के आबादी भाग में सी0सी0 नाली व इण्टरलॉकिंग टाइल का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	398.00	9.85	407.85	22.39	2725.00	08 माह	ए (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 242820 दिनांक: 19/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

न्यूज ब्रीफ

यात्री से मारपीट मामले में पायलट को नोटिस

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस शुक्रवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उसके एक कैप्टन द्वारा एक यात्री पर कथित रूप से हमला किए जाने की घटना की जांच के लिए अगले सप्ताह एक बाहरी समिति का गठन करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। घटना के समय उक्त कैप्टन ड्यूटी पर नहीं थे। सूत्रों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद टाटा समूह की इस एयरलाइन ने पायलट को निलंबित कर दिया और उनसे स्पष्टीकरण मांगते हुए एक कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। पायलट श्रमिक श्रेणी में आते हैं, इसलिए यह कार्यवाही श्रम कानूनों के तहत की जा रही है।

ईरानी महिला के चुराए 1600 अमेरिकी डॉलर

नई दिल्ली। ईरानी महिला के पर्स से 1600 अमेरिकी डॉलर चुराने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने एक निजी बस में सहायक के तौर पर तैनात व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से चोरी की रकम बरामद कर ली गयी है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि महिला अपना पर्स आईएसबीटी कश्मीरी गेट पर एक निजी बस में भूल गई थी। पुलिस ने बताया कि घटना 15 दिसंबर की है।

तेंदुए के हमले में पांच वर्षीय बच्चे की मौत

अमरेली। गुजरात के अमरेली जिले में रविवार सुबह एक तेंदुए ने एक खेती मजदूर के पांच वर्षीय बेटे पर हमला कर उसे मार डाला। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि धारी कस्बे के गोपालग्राम गांव में बच्चे पर हमला करने वाले तेंदुए को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। सहायक वन संरक्षक प्रताप चंदू ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे एक बच्चा अपनी मां के पीछे-पीछे चल रहा था कि तभी खेत में छिपकर बैठे तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया और उसे घसीटते हुए ले गया।

यात्री से दुर्व्यवहार में कैब चालक गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम में एक कैब चालक को वाहन में एक महिला यात्री के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद गुरुग्राम पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के वाहन को भी जब्त कर लिया है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने को इन स्पेस ने की पहल, विद्यार्थियों को मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष अनुभव

देश के सात शिक्षण संस्थानों में स्थापित की जाएंगी अंतरिक्ष प्रयोगशाला

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के संवर्धक भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने देशभर के सात शैक्षणिक संस्थानों में अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।

इन-स्पेस के अनुसार, अंतरिक्ष प्रयोगशाला अपनी तरह की पहली पहल है, जिसका उद्देश्य भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित करना है ताकि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष अनुभव मिल सके।

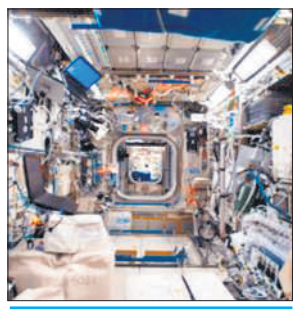

● देश में अंतरिक्ष प्रयोगशाला की स्थापना की पहली बार पहल

इन-स्पेस ने भारत के चुनिंदा शैक्षणिक संस्थानों में अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रण (आरएफपी) जारी किया है। देश के कई उच्च शिक्षण संस्थानों में पहले ही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू किए जा चुके हैं और ऐसी प्रयोगशालाएं छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के साथ-साथ देश में उभर रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने में मदद करेंगी।

इन-स्पेस के संवर्धन निदेशालय के निदेशक विनोद कुमार ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सार्थक सहयोग को बढ़ावा देना और भारत के अग्रणी वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था बनने के दीर्घकालिक लक्ष्य का समर्थन करना है।

योजना के तहत देश के सात अलग-अलग क्षेत्रों से चरणबद्ध तरीके से अधिकतम सात शैक्षणिक संस्थानों का चयन किया जाएगा। इन-स्पेस परियोजना की कुल लागत का अधिकतम 75 प्रतिशत तक वित्तीय सहयोग देगा, जिसकी सीमा प्रति संस्थान पांच करोड़ रुपये होगी। यह राशि परियोजना के विभिन्न चरणों और लक्ष्यों से जुड़ी प्रगति के आधार पर जारी की जाएगी। इन-स्पेस द्वारा जारी आरएफपी के अनुसार, कम से कम पांच वर्ष पुराने, राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 200 के भीतर रैंक वाले और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान इस योजना के तहत आवेदन करने के पात्र होंगे।

दिगांतारा करेगा अंतरिक्ष से मिसाइलों की निगरानी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष क्षेत्र में सक्रिय भारतीय स्टार्टअप कंपनी दिगंतारा ने उपग्रहों के जरिए मिसाइलों का पता लगाने और उनकी निगरानी करने के क्षेत्र में कदम रखा है। अंतरिक्ष मलबे और अंतरिक्ष यातायात की निगरानी वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरी है। कंपनियां उच्च गति वाले इंटरनेट और पृथ्वी अवलोकन अनुप्रयोगों के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में अधिक उपग्रहों का प्रक्षेपण कर रही हैं। दिगंतारा इंडस्ट्रीज के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनिरुद्ध शर्मा ने कहा कि हम अंतरिक्ष में तेजी से गतिमान वस्तुओं पर नजर रख रहे थे। इसी अनुभव और सीख का उपयोग हम मिसाइलों का पता लगाने और अंतरिक्ष से उनकी निगरानी के लिए करने वाले हैं।

जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास को बढ़ावा देंगी

निदेशक ने कहा कि छात्रों, शोधकर्ताओं और उद्योग के लिए साझा कार्यस्थल उपलब्ध कराकर ये प्रयोगशालाएं अनुप्रयुक्त अनुसंधान, प्रारंभिक चरण के नवाचार और उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास को बढ़ावा देंगी। इन संस्थानों से प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं के लिए उद्योग जगत के सहयोग को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में लगभग आठ अरब अमेरिकी डॉलर की भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के 2033 तक बढ़कर 44 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। इस तेज वृद्धि को बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी।

सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों के कर्मचारी बने सूक्ष्म पर्यवेक्षक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल ने केंद्रीय सरकारी एजेंसियों और राष्ट्रीयकृत बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय समन्वय बैठक की, ताकि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की सुनवाई के दौरान सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती की जा सके। सीईओ कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी चर्चा के दौरान उपस्थित थे।

अधिकारियों के अनुसार, सभी 16 प्रतिभागी एजेंसियों एवं बैंकों ने इस अभ्यास के लिए अपने अधिकारियों को भेजने की इच्छा व्यक्त की है। एजेंसियों से रविवार तक मनोनीत अधिकारियों के नाम जमा करने की अपेक्षा है, जिसके बाद सोमवार को नियुक्ति पत्र जारी होंगे। चयनित अधिकारियों को बुधवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होना होगा। चुनाव आयोग राज्य में 3,500 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती करेगा।

पड़ोसी देशों से हथियार लेने की फिराक में था पीएफआई

एनआईए की अदालत में 20 आरोपियों के खिलाफ हुई सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने दिल्ली की अदालत को बताया कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पड़ोसी देशों से हथियार खरीदने और अपने सदस्यों को हथियार प्रशिक्षण देने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी के एक विशेष लोक अभियोजक ने यह जानकारी दी। ये दलीलें एनआईए के विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के समक्ष पेश की गईं।

शर्मा पीएफआई के 20 आरोपी नेताओं के खिलाफ आरोपों पर दलीलें सुन रहे थे। मीडियाकर्मियों को बंद कमरे में हुई अदालती कार्यवाही को कवर करने की अनुमति नहीं थी। एनआईए के विशेष लोक अभियोजक राहुल त्यागी ने अदालत के बाहर पत्रकारों से कहा कि उन्होंने अदालत के समक्ष यह तर्क दिया कि पीएफआई

● एनआईए ने कहा- पीएफआई अपने सदस्यों को देना चाहता था हथियारों का प्रशिक्षण

नेता पड़ोसी देशों से हथियार खरीदने और अपने सदस्यों को हथियार प्रशिक्षण देने की कोशिश कर रहे थे।

पीएफआई नेताओं पर लगे आरोपों पर त्यागी ने कहा कि वे अपने कार्यकर्ताओं को आईएसआईएस से रणनीति सीखने के लिए सीरिया भेज रहे थे ताकि इन्हें भारत में लागू किया जा सके। उन्होंने विशेष दस्ते बनाये थे जो भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) नेताओं की सूची तैयार रखते थे और उन पर नजर रखते थे।

अभियोजक ने आरोप लगाया कि इस समूह का गठन युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के मकसद से किया गया था। त्यागी ने कहा कि पीएफआई और उसके नेतृत्व के खिलाफ मामला यह है कि उन्होंने भारत में खिलाफत स्थापित करने और शरिया कानून लागू करने के उद्देश्य से मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के लिए संगठन का गठन किया। अभियोजक ने कहा कि वे शिविर आयोजित कर रहे थे, उन्हें हथियार चलाने का प्रशिक्षण दे रहे थे, उन्हें कट्टरपंथी बना रहे थे और भारत के खिलाफ जिहाद छेड़ने के लिए उन्हें प्रशिक्षित कर रहे थे, जिसके लिए वे धन इकट्ठा कर रहे थे। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 23 दिसंबर की तारीख तय की है।

असम में ट्रेन से मरने वाले हाथियों की संख्या 8 हुई

नगांव। असम के होजाई जिले में ट्रेन से मरने वाले हाथियों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि हाथी के गंभीर रूप से घायल बच्चे की रविवार को मौत होने से इस हादसे में मरने वाले हाथियों की संख्या आठ हो गई है। असम में होजाई जिले के चांगजुराई गांव में शनिवार तड़के हाथियों के झुंड के सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से सात हाथी मारे गए थे और एक घायल हो गया था।

नगांव उपमंडल के वन रेंजर शमीम अख्तर ने कहा कि इस दुर्घटना में हाथी के घायल हुए बच्चे की काजीरंगा स्थित वन्यजीव पुनर्वास एवं संरक्षण केंद्र में इलाज के दौरान आज सुबह मौत हो गई। हादसे में मौके पर मारे गए सातों हाथियों के शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद शनिवार को दुर्घटनास्थल के पास ही दफना दिया गया। वहीं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को कहा कि केंद्र ने असम में ट्रेन से सात हाथियों की मौत के मामले में रिपोर्ट मांगी है। यादव ने कहा कि सभी राज्यों को रेल पटरियों के किनारे हाथियों की आवाजाही पर नजर रखने को कहा गया है।

खराब मौसम के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे पर 11 उड़ानें रद्द

श्रीनगर, एजेंसी

कश्मीर घाटी के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश के कारण रविवार को श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 11 उड़ानें रद्द कर दी गईं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के कारण आज श्रीनगर हवाई अड्डे पर 11 उड़ानों को रद्द करना पड़ा।

जम्मू और दिल्ली हवाई अड्डों पर खराब मौसम की स्थिति के कारण श्रीनगर आने वाली दो अन्य उड़ानें भी रद्द रहीं। घाटी के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में मध्यम बारिश की वजह से यह स्थिति पैदा हुई है। उन्होंने बताया कि चार उड़ानें रवानगी के लिए श्रीनगर हवाई अड्डे के एप्रन पर इंतजार कर रही थीं, जबकि दो उड़ानें दिन में बाद में पहुंचने वाली थीं। हिमपात के कारण मुगल मार्ग और सिंथन टॉप मार्ग पर आवाजाही रोक दी गई। जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश होने के बावजूद गाड़ियों की आवाजाही जारी रही। यह राजमार्ग कश्मीर को देश के शेष हिस्सों से जोड़ता है।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बर्फबारी के बाद सड़क पर रेंगते चले वाहन।

दिल्ली में हालत गंभीर, एक्यूआई 377 के पार

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता अत्यंत खराब श्रेणी में रही और समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 377 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, शहर के 40 केंद्रों में से 16 ने गंभीर, जबकि शेष ने बहुत खराब बताया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि हल्के कोहरे से दृश्यता बढ़कर 600 मीटर हो गई लेकिन पूर्व-दक्षिणपूर्वी दिशा से सात किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के कारण फिर से 350 मीटर तक गिर गई। मौसम विभाग के मुताबिक, सफदरजंग में देर रात डेढ़ बजे से ढाई बजे के बीच मध्यम कोहरे से दृश्यता सबसे कम 200 मीटर तक गिर गई। सुबह साढ़े पांच बजे तक यह धीरे-धीरे बढ़कर 500 मीटर तक पहुंच गई। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि अधिकतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ट्रंप, अडाणी के लिए जल्दबाजी में पारित हुआ शांति विधेयक : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने शांति विधेयक को लेकर रविवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इसे संसद में न केवल ट्रंप, बल्कि अडाणी के लिए जल्दबाजी में पारित कराया गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि निजी कंपनियों को इस क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति मिलने के बाद अडाणी समूह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखने की योजना बना रहा है।

शुक्रवार को संपन्न हुए संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान दोनों सदनों द्वारा भारत के रूपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 को मंजूरी दी गई। रमेश ने दावा किया कि शांति विधेयक को संसद में न केवल ट्रंप (द रिएक्टर यूज मैनेजमेंट प्रोग्राम) के लिए, बल्कि अडाणी (एक्सेलेरेटेड डेमेजिंग अधिनियम फोर न्यूक्लियर इंडिया) के लिए जल्दबाजी में पारित कराया गया। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक वार्षिक रक्षा नीति विधेयक पर हस्ताक्षर किए जाने का हवाला देते हुए शनिवार को दावा किया था कि शांति विधेयक का मकसद मोदी और ट्रंप के बीच शांति बहाल करना था।

संघ सांख्यिकी संस्थानों पर कर रहा कब्जा : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय सांख्यिकी संस्थान को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा धीरे-धीरे संस्थागत रूप से अपने कब्जे में लिया जा रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने जोर देकर कहा कि संस्थानों का संचालन किसी विचारधारा द्वारा नहीं, बल्कि ज्ञान और विज्ञान द्वारा किया जाएगा। राहुल गांधी ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में स्थित अपने कार्यालय में, भारतीय सांख्यिकी संस्थान के छात्रों के साथ हुई हालिया बातचीत का एक वीडियो अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया। गांधी ने वीडियो के साथ किए अपने पोस्ट में कहा कि मैंने जन संसद में भारतीय सांख्यिकी संस्थान के छात्रों से मुलाकात की।

● कांग्रेस ने विधेयक को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

उधमपुर में घर से भोजन लेकर भागे आतंकी, तलाश जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक घर से आतंकियों के भोजन लेकर पास के जंगल में भागने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाश अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पुलिस और अर्द्धसैनिक बल, मजालता क्षेत्र के चोरे मोटू गांव और उससे सटे वन क्षेत्रों में संयुक्त तलाश अभियान चला रहे हैं।

उन्होंने बताया कि यह इलाका उस स्थान से पांच किलोमीटर पश्चिम में है, जहां पहले हुई एक मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी। शनिवार देर शाम खुफिया सूचना मिली थी कि दो अज्ञात आतंकवादी चोरे मोटू गांव में शाम करीब साढ़े छह बजे मंगतू राम के घर पहुंचे और भोजन लेकर चले गए। सूचना मिलते ही पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों को मौके पर भेजा गया, लेकिन आतंकवादी तब तक भाग चुके थे।

महिला श्रमिकों के लिए क्रेच खोले श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

संसदीय समिति ने केवल मध्य प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेशों दादरा एवं नगर हवेली और दमन-दीव में ही महिला निर्माण श्रमिकों के लिए 'क्रेच' (शिशु सदन) सुविधाएं उपलब्ध होने का जिक्र करते हुए श्रम मंत्रालय से अनुशंसा की कि वह महिलाओं के लिए 'क्रेच' खोलने के क्रम में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की सेवाएं लेने पर विचार करे।

असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण शीर्षक वाली संसद में पेश की गई रिपोर्ट में महिला सशक्तीकरण से जुड़ी संसदीय समिति ने यह अनुशंसा भी की है कि क्रेच की कार्य समयावधि को महिलाओं के कामकाजी समय (आठ घंटे) के अनुरूप बढ़ाया जाए, ताकि काम के साथ-साथ बच्चों की देखभाल भी हो सके। संसदीय समिति की अध्यक्ष भाजपा की सांसद डी. पुरंदेश्वरी हैं। रिपोर्ट में यह अनुशंसा की गई है कि असंगठित क्षेत्र में बच्चों की देखभाल और माताओं की मदद के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरादायित्व (सीएसआर) निधि की एक निश्चित धनराशि निर्धारित की जाए।

रिपोर्ट के अनुसार, भवन एवं अन्य निर्माण कर्मचारी (रोजगार नियमन एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 199 के तहत महिला निर्माण श्रमिकों के लिए समग्र कल्याण उपायों का प्रावधान किया गया है। इन उपायों में महिला निर्माण श्रमिकों के लिए स्वच्छ, सुलभ और अलग-अलग शौचालय, कैंटीन, क्रेच और विश्राम स्थल जैसी सुविधाएं शामिल हैं। समिति ने कहा कि केवल मध्य प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेशों दादरा एवं नगर हवेली और दमन-दीव ने ही यह जानकारी दी है कि वहां महिला निर्माण श्रमिकों के लिए 'क्रेच' सुविधाएं उपलब्ध हैं, ऐसे में श्रम मंत्रालय से यह अनुशंसा की जाती है कि वह महिलाओं के लिए 'क्रेच' खोलने के सिलसिले में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की सेवाएं लेने पर विचार करे।

● असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण शीर्षक वाली रिपोर्ट संसद में समिति ने की पेश

ट्रेन संचालन में चालक दल की कमी बड़ा मुद्दा : समिति

नई दिल्ली। संसदीय समिति ने आगाह किया कि यदि रेलवे के पूरी तरह से विद्युतकृत समर्पित माल ढुलाई गलियारों की योजना में चालक दल की कमी जैसी संचालन संबंधी समस्याएं समय पर हल नहीं की गईं, तो माल ढुलाई क्षमता को बढ़ाने का इसका लक्ष्य पूरा नहीं हो सकेगा और योजना को अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। समिति की यह टिप्पणी रेल मंत्रालय के यह स्वीकार करने के बाद आई है कि समर्पित माल ढुलाई गलियारा निगम (डीएफसीसीआईएल) के सामने ट्रेन संचालन में सबसे बड़ी चुनौती चालक दल की उपलब्धता है। मंत्रालय ने समिति को दी गई जानकारी में एक जून 2025 तक भारतीय रेलवे में ट्रेन संचालन से जुड़े विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों की संख्या के बारे में विवरण प्रस्तुत किया। मंत्रालय के अनुसार, लोको पायलटों के लिए स्वीकृत पदों की संख्या 1,42,814 है, जबकि फिलहाल केवल 1,07,928 पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं। इसी प्रकार, मालगाड़ी प्रबंधकों (गाइर्स) के लिए 22,082 स्वीकृत पदों में से केवल 12,345 पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं। स्टेशन मास्टर और स्टेशन अधीक्षक समेत सभी श्रेणियों के लिए कुल स्वीकृत पदों की संख्या 2,06,495 है, जबकि कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 1,59,219 है।

अध्ययन | **सौ साल पुरानी कोडाइकोनाल वेधशाला में एकत्रित हैं दैनिक सौर प्रेक्षणों से संबंधित आंकड़े**

सूर्य के रहस्यों को सुलझाने में सहायक होगी वेधशाला

चेन्नई, एजेंसी

सौ साल पुरानी कोडाइकनाल सौर वेधशाला में वर्षों से एकत्रित दैनिक सौर प्रेक्षणों से सूर्य की चुंबकीय गतिविधि में अक्षांशों के अनुसार होने वाले परिवर्तनों के बारे में नई जानकारी मिली है।

इस खोज से अंतरिक्ष-मौसम पूर्वानुमान और जलवायु मॉडल में भी मदद मिल सकती है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अधीन स्वायत्त निकाय भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में सूर्य के प्रकाश की कैल्शियम-के रेखा में कैप्चर किए गए 11 वर्षों (2015-2025) के स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा का विश्लेषण किया गया। यह स्पेक्ट्रल सिग्नेचर सूर्य के क्रोमोस्फीयर में बहुत ऊपर बनता है और चुंबकीय गतिविधि के संवेदनशील मार्कर के रूप में कार्य करता है। शोध के लेखकों में शामिल अपूर्व श्रीनिवास ने बताया कि सूर्य पर किए गए सभी अध्ययन अंततः अंतरिक्ष मौसम को समझने के लिए आवश्यक हैं, जिसका पृथ्वी पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए, जितना अधिक हम समझेंगे, संभावित व्यवधानों और आपदाओं के लिए हम उतनी ही बेहतर तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हाल में निरंतर अवलोकन के 125 वर्ष पूरे करने वाली कोडाइकनाल सौर वेधशाला में दुनिया का सबसे वृहद सौर डेटासेट उपलब्ध है। श्रीनिवास के अनुसार, शोध टीम ने इस समृद्ध संग्रह का इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए किया कि सूर्य की चुंबकीय तीव्रता अक्षांशों में कैसे बदलती है - जिससे उच्च गतिविधि के लगातार क्षेत्र सामने आए, जो सूर्य के 11-वर्षीय सनस्पॉट शिखर चक्र के अनुरूप हैं।

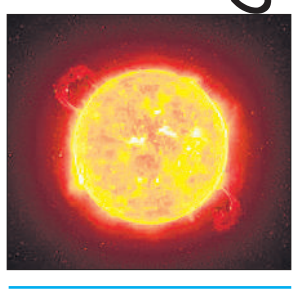

● सूर्य की चुंबकीय गतिविधि में होने वाले बदलावों की जानकारी मिली

वेधशाला में आंकड़ों की निरंतरता दुर्लभ

टीम ने पाया कि अधिकांश चुंबकीय गतिविधि 40 डिग्री उत्तरी और दक्षिणी अक्षांश के बीच केंद्रित होती है, जिसमें 15 डिग्री से 20 डिग्री के आसपास स्पष्ट शिखर होते हैं, जो उन क्षेत्रों से मेल खाते हैं, जहां सूर्य के धब्बे सबसे अधिक बार होते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि आंकड़ों की ऐसी निरंतरता दुर्लभ है और इससे वैश्विक सौर अनुसंधान में भारत के वैज्ञानिक समुदाय को असाधारण बढ़त मिलती है। 1899 में स्थापित कोडाइकनाल सौर वेधशाला सूर्य के बदलते स्वरूप को प्रतिदिन दर्ज करती है और दुनिया के सबसे लंबे और सुसंगत सौर अभिलेखों में से एक को संरक्षित करती है।

चुंबकीय रूप से सक्रिय तारा है सूर्य

अध्ययन के प्रमुख लेखक केपी राजू ने कहा, सूर्य आग का स्थिर गोला नहीं है, बल्कि चुंबकीय रूप से सक्रिय तारा है, जो गतिविधि के व्यापक चक्रों का अनुसरण करता है। आईआईए के पूर्व प्रोफेसर ने कहा, सूर्य को अक्षांशीय पट्टियों में विभाजित करके और प्रत्येक से आने वाले एकीकृत प्रकाश का विश्लेषण करके, हम उन पैटर्न को उजागर कर सकते हैं, जो सूर्य के धब्बों जैसी अलग-अलग विशेषताओं का अध्ययन करते समय अदृश्य होते हैं।

ले. कर्नल दीपक ने दो लोगों के साथ रची आपराधिक साजिश : सीबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

तीन लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार रक्षा मंत्रालय के लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक शर्मा ने दुबई स्थित लॉजिस्टिक्स कंपनी के खेप को संयुक्त अरब अमीरात भेजने के वास्ते विदेश मंत्रालय से मंजूरी दिलवाने को कंपनी के दो कर्मियों के साथ साजिश रची थी। सीबीआई ने प्राथमिकी में यह जानकारी दी है।

सीबीआई के अनुसार शर्मा के परिसर की तलाशी के बाद रविवार को दस्तावेजों का विवरण सार्वजनिक किया गया। तलाशी में शर्मा के परिसर से 2.36 करोड़ रुपये नकद मिले। शर्मा रक्षा मंत्रालय के संवेदनशील रक्षा उत्पादन विभाग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निर्यात के उपनियोजन अधिकारी थे। सीबीआई ने रिश्वत में शर्मा के कार्यालय की तलाशी भी ली थी।

सीबीआई ने दावा किया है कि उसे जानकारी मिली थी कि रक्षा मंत्रालय के अधिकारी शर्मा रक्षा उत्पादों के निर्माण, निर्यात आदि से जुड़ी विभिन्न निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आपराधिक साजिश रचकर 'लगातार भ्रष्ट और अवैध गतिविधियों में लिप्त' रहते हैं। सीबीआई ऐसी सूचनाएं मिलने मिलने के बाद दुबई स्थित लॉजिस्टिक्स कंपनी 'डीपी वर्ल्ड' पर नजर रखने लगी। 'डीपी वर्ल्ड' संयुक्त अरब अमीरात स्थित एक वैश्विक कंपनी मानी जाती है। कंपनी ने इस संबंध में प्रतिक्रिया के लिए ई-मेल भेजे जाने पर कोई जवाब नहीं दिया। सीबीआई के मुताबिक दो व्यक्ति नियमित रूप से शर्मा के संपर्क में थे, जिनकी पत्नी कर्नल काजल बाली राजस्थान के श्री गंगानगर में 16वें इन्फैंट्री डिवीजन आयुध इकाई की कमांडिंग अधिकारी हैं और इस मामले में सह-आरोपी हैं। पहला व्यक्ति राजीव यादव है जिसकी सार्वजनिक प्रोफ़ाइल के अनुसार वह कंपनी में निदेशक है। दूसरा व्यक्ति रवजीत सिंह है जो कंपनी के भारत संचालन की देखभाल कर रहा है। दोनों बेंगलुरु में रहते हैं।

● तलाशी के बाद विवरण केंद्रीय जांच एजेंसी ने किया सार्वजनिक

● तलाशी के दौरान शर्मा के परिसर से मिले 2.36 करोड़ रुपये नकद

अमृत विचार

सोमवार, 22 दिसंबर 2025

इस देश में जो जिसके लिए प्रतिबद्ध है, वही उसे नष्ट कर रहा है।

हरिशंकर परसाई, साहित्यकार

समयोचित हस्तक्षेप

उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय संकट बन चुकी हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सड़क सुरक्षा पर दिखाई गई सख्ती न केवल सामयिक है, बल्कि अत्यंत आवश्यक भी। एक जनवरी से 31 जनवरी तक प्रदेशव्यापी 'सड़क सुरक्षा माह' आयोजित करने का निर्णय इस बात का संकेत है कि सरकार अब इस समस्या को केवल यातायात उल्लंघन नहीं, बल्कि जीवन-सुरक्षा और व्यवहार परिवर्तन के मुद्दे के बतौर देख रही है। वर्ष 2025 में नवंबर तक प्रदेश में 46,223 सड़क दुर्घटनाएं और 24,776 मौतें हुईं, ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या कितनी विकराल है। इसके लिए वर्ष व्यापी अभियान की आवश्यकता है। फिलहाल महीने भर का अभियान भी व्यापक स्तर पर चलकर लक्ष्य की प्राप्ति करेगा तथा औपचारिकता से आगे बढ़कर वास्तविक बदलाव लाने में सफल होगा, इसकी उम्मीद है।

सरकार ने सड़क दुर्घटना के जिन कारकों की बात की है, उसमें सड़क की दुर्दशा में सुधार, चालकों की स्थिति, प्रशिक्षण, यात्रियों का व्यवहार, वाहन फिटनेस और दुर्घटना के बाद की व्यवस्था को भी जोड़ना उचित रहेगा। ये सभी दुर्घटनाओं की श्रृंखला में निर्णायक कड़ियां हैं। इनका समेकित दृष्टिकोण ही, यथोचित परिणाम देगा। दुर्घटनाओं पर ब्रेक लगाने के लिए 4-ई मॉडल-शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी केयर पर फोकस बिल्कुल सही दिशा है। शिक्षा के बिना व्यवहार परिवर्तन संभव नहीं। केवल नियम बताना पर्याप्त नहीं; यह समझाना जरूरी है कि हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा और लेन ड्राइविंग का पालन सीधे व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार और समाज की सुरक्षा से जुड़ा है। स्कूलों, कॉलेजों, परिवहन केंद्रों और ग्राम सभाओं में निरंतर जागरूकता अभियान इसीलिए महत्वपूर्ण हैं। अव्यवस्थित पार्किंग, सड़क किनारे स्टैंड, डग्गामार वाहन, कतारबद्ध खड़े ट्रक और स्टंटबाजी पर सख्त कार्रवाई अपरिहार्य है। केवल चालान समाधान नहीं। आदतन नियम तोड़ने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस जब्त करना, वाहन सीज करना और ओवरस्पीडिंग व लेन उल्लंघन पर कठोर दंड ही निवारक प्रभाव डाल सकता है। एक्सप्रेसवे पर पेट्रोलिंग बढ़ाने, क्रेन और एंबुलेंस की संख्या बढ़ाने के निर्देशों से दुर्घटना के बाद का समय घटेगा, इमरजेंसी केयर में गोल्डन आवर की महत्ता निर्विवाद है। 108 और एएलएस एंबुलेंस का रिस्पांस टाइम घटाना, निजी ट्रॉमा सेंटरों को नेटवर्क से जोड़ना और जिला स्तर पर ट्रॉमा सुविधाएं मजबूत करना जान बचाने में निर्णायक होंगी।

इंजीनियरिंग सुधार भी बहुत जरूरी हैं। ब्लैक स्पॉट और क्रिटिकल प्वाइंट की पहचान कर समयबद्ध सुधार, खराब साइनेज, अव्यवस्थित कट, अंधे मोड़ और अवैज्ञानिक स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं के बड़े कारण हैं। केवल टेबल-टॉप स्पीड ब्रेकर बनाना पर्याप्त नहीं; सड़कें गड्ढामुक्त, समतल और वैज्ञानिक डिजाइन वाली हों। नियमित रोड सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि जोखिम पहले ही पकड़े जा सकें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक उपयोग कर यह संदेश देना कि सड़क सुरक्षा 'किसी और' की नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जिम्मेदारी है, जनभागीदारी बढ़ा सकता है।

प्रसंगवश

पगड़ी का टुकड़ा फाड़ते ही पत्नी से रिश्ता हुआ खत्म

हाल ही में राजस्थान में भील जनजाति के 'छेड़ा फाड़ना प्रथा' के कुछ मामले सामने आए हैं। भील समाज की छेड़ा फाड़ना परंपरा तलाक की वह प्रक्रिया है, जो सामाजिक मान्यता रखती है। भील जनजाति मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में फैली हुई है। राजस्थान में उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों में भील समुदाय की बड़ी आबादी निवास करती है, जिनमें बांसवाड़ा सबसे प्रमुख है। इस समाज की जीवन शैली, रीति-रिवाज और पारिवारिक ढांचा आज भी काफी हद तक परंपरागत है।

विवाह, संबंध और अलगाव इन सभी के लिए समाज ने अपने नियम बनाए हैं। छेड़ा फाड़ना इसी सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है,

देवेंद्र सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

जिसे विवाह विच्छेद की स्वीकृत प्रक्रिया माना जाता है। जब किसी भील पुरुष को यह लगता है कि वह अब अपनी पत्नी के साथ नहीं रह सकता, तब वह अकेले निर्णय नहीं लेता। वह अपने समाज के पंचों और ग्राम मुखिया गमेती को बुलाकर पंचायत बैठाता है। यह पंचायत खुले तौर पर होती है, जहां समाज के लोग साक्षी बनते हैं। पंचायत के सामने पति अपनी पगड़ी या कभी-कभी नई साड़ी के पल्लू का एक चौड़ा टुकड़ा फाड़ता है। उस कपड़े में कुछ रुपये बांधकर वह पत्नी को थमा देता है। यही क्षण इस रिश्ते के औपचारिक अंत की घोषणा माना जाता है। यह सिर्फ कपड़ा फाड़ना नहीं, बल्कि वर्षों के वैवाहिक संबंध को सार्वजनिक रूप से समाप्त करने का प्रतीक है।

इसके बाद पत्नी उस फटे कपड़े को लेकर अपने मायके जाती है और अपने पिता के घर की छत पर उसे एक महीने तक लटकाए रखती है। यह समाज के लिए स्पष्ट संकेत होता है कि अब उसका अपने पति से कोई संबंध नहीं रहा और वह पुनर्विवाह के लिए स्वतंत्र है। इस प्रक्रिया के पूरा होते ही विवाह विच्छेद मान्य हो जाता है। न कोई कागजी कार्रवाई, न कोई अदालती लड़ाई और न ही वर्षों तक चलने वाली कानूनी प्रक्रिया। सब कुछ समाज के सामने, समाज के निर्णय से और समाज की स्वीकृति के साथ संपन्न हो जाता है। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अदालतों तक पहुंचना, वकीलों की फीस देना और वर्षों तक मुकदमे झेलना संभव नहीं होता। ऐसे में छेड़ा फाड़ना इस जाति को आसान समाधान प्रदान करता है। छेड़ा फाड़ना प्रथा पूरी होने के बाद महिला को पुनर्विवाह का अधिकार तुरंत मिल जाता है। मुख्यधारा के समाज में तलाक के बाद महिला को सामाजिक दृष्टि से संदेह और तिरस्कार का सामना करना पड़ता है, लेकिन भील समाज में फटा कपड़ा ही यह घोषणा कर देता है कि महिला स्वतंत्र है और नया जीवन शुरू कर सकती है।

हर परंपरा की तरह इस प्रथा के स्याह पक्ष भी है। तलाक की पहल लगभग हमेशा पुरुष की ओर से होती है। पंचायत में निर्णय लेने वाले अधिकांश पुरुष बुजुर्ग होते हैं, जिससे महिला की बात कमजोर पड़ जाती है। अकसर तलाक महिला की इच्छा के विरुद्ध भी होता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण वह विरोध नहीं कर पाती। सार्वजनिक रूप से पगड़ी फाड़कर त्याग की घोषणा करना महिला के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है और मानसिक पीड़ा भी देता है। आधुनिक कानून, जहां तलाक के मामलों में महिला को भरण-पोषण, संपत्ति में हिस्सा और बच्चों की जिम्मेदारी जैसे अधिकार देता है, वहीं छेड़ा फाड़ना प्रथा में इन पहलुओं का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। तलाक के बाद महिला आर्थिक रूप से असुरक्षित हो जाती है, खासकर तब जब उसके पास आजीविका का साधन न हो। इस दृष्टि से यह प्रथा स्त्री अधिकारों के खिलाफ है।

नार्को टेस्ट का अधिकार, न्याय और नैतिकता

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनैच्छिक नार्को-विश्लेषण परीक्षणों को पुनः असंवैधानिक करार देना भारतीय लोकतंत्र में संविधान की सर्वोच्चता की एक महत्वपूर्ण पुनः घोषणा है। यह निर्णय केवल आपराधिक जांच की किसी एक तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य की दंडात्मक शक्ति, व्यक्ति की गरिमा और न्याय व्यवस्था की नैतिक दिशा पर गहरा प्रश्न उठाता है। आधुनिक आपराधिक न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत यह है कि अपराध नियंत्रण के नाम पर भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों से समझौता नहीं किया जा सकता।

नार्को टेस्ट एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें आरोपी या संदिग्ध को विशेष रासायनिक दवाएं देकर उसकी चेतन अवस्था को कमजोर किया जाता है, ताकि वह बिना प्रतिरोध के प्रश्नों के उत्तर दे सके। इसे अक्सर 'सत्य निकालने' की तकनीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, किंतु सत्य तक पहुंचने का कोई भी मार्ग यदि असंवैधानिक, अमानवीय और अवैज्ञानिक है, तो वह न्याय का मार्ग नहीं हो सकता। भारतीय संविधान ने राज्य और नागरिक के संबंधों को संतुलित करने के लिए स्पष्ट सीमाएं तय की हैं, जिनका उल्लंघन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

संविधान का अनुच्छेद 20(3) आत्म-अभिशंसा से संरक्षण का अधिकार प्रदान करता है। इसका आशय यह है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध साक्ष्य देने के लिए विवश नहीं किया जा सकता। अनैच्छिक नार्को टेस्ट इस अधिकार का सीधा उल्लंघन है, क्योंकि इसमें व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध उससे जानकारी उगलवाने का प्रयास किया जाता है। सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य (2010) के ऐतिहासिक निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि नार्को टेस्ट, ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ जैसी तकनीकें यदि बिना सहमति के कराई जाती हैं, तो वे असंवैधानिक हैं। यह निर्णय केवल विधिक व्याख्या नहीं, बल्कि संवैधानिक नैतिकता की रक्षा का घोषणापत्र है।

अनुच्छेद 21, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है, नार्को टेस्ट के संदर्भ में और भी व्यापक अर्थ ग्रहण करता है। जीवन का अधिकार केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें गरिमा, मानसिक स्वायत्तता और निजता भी सम्मिलित हैं। किसी व्यक्ति के शरीर में रासायनिक पदार्थ डालकर उसकी चेतना पर नियंत्रण करना, उसकी शारीरिक और मानसिक स्वतंत्रता का गंभीर अतिक्रमण है। सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर अनुच्छेद 21 की व्याख्या करते हुए कहा है कि राज्य की प्रत्येक कार्रवाई 'न्यायसंगत, उचित और तर्कसंगत' होनी चाहिए। नार्को टेस्ट इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता।

न्यायिक प्रक्रिया के दृष्टिकोण से भी नार्को टेस्ट अनेक प्रश्न खड़े करता है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत वही साक्ष्य स्वीकार्य होते हैं, जो स्वेच्छा से और विश्वसनीय तरीके से प्राप्त किए गए हों। नार्को टेस्ट के दौरान दिए गए कथन न तो पूर्णतः स्वैच्छिक होते हैं और न ही वैज्ञानिक रूप से विश्वसनीय। दवाओं के प्रभाव में व्यक्ति की स्मृति, कल्पना और बाहरी सुझाव आपस में घुल-मिल जाते हैं। ऐसी स्थिति में प्राप्त जानकारी को सत्य मान लेना न्यायिक त्रुटि को आमंत्रित करना है। इसी कारण सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे परीक्षणों के परिणामों को साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने से इंकार किया है।

एक और गंभीर संवैधानिक समस्या 'सहमति' की अवधारणा से जुड़ी है। समर्थक यह तर्क देते हैं कि यदि आरोपी सहमति दे, तो नार्को टेस्ट कराया जा सकता है। किंतु हिरासत की स्थिति में दी गई सहमति, कितनी स्वतंत्र और स्वैच्छिक होती है, यह एक जटिल प्रश्न है। पुलिस हिरासत में शक्ति का असंतुलन स्वाभाविक होता है। भय, दबाव और भविष्य की अनिश्चितता के बीच दी गई सहमति को वास्तविक सहमति नहीं कहा जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने भी माना है कि हिरासत में प्राप्त सहमति की विश्वसनीयता संदिग्ध होती है।

संवैधानिक पहलुओं के साथ-साथ नार्को टेस्ट गहरे नैतिक प्रश्न भी उठाता है। मानव गरिमा आधुनिक मानवाधिकार विमर्श का केंद्रीय तत्व है। किसी व्यक्ति को उसकी चेतन अवस्था से वंचित कर, रासायनिक रूप से नियंत्रित कर उससे जानकारी प्राप्त करना उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाता है। यह दृष्टिकोण व्यक्ति को एक 'साधन' में बदल देता है, जबकि संविधान व्यक्ति को 'लक्ष्य' मानता है। दार्शनिक दृष्टि से भी यह प्रक्रिया मानव को उसकी इच्छा और विवेक से अलग कर देती है, जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

वैज्ञानिक दृष्टि से नार्को टेस्ट की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्न चिह्न हैं। यह धारणा कि दवाओं के प्रभाव में व्यक्ति केवल सत्य ही बोलेगा, एक मिथक है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार ऐसी दवाएं व्यक्ति की निर्णय क्षमता को कमजोर कर देती हैं, जिससे वह काल्पनिक घटनाओं को भी वास्तविक समझकर बयान कर सकता है। कई बार पूछताछ करने वाले के प्रश्नों का प्रभाव उत्तरों को दिशा देता है, जिससे 'सत्य' नहीं बल्कि जांचकर्ता की अपेक्षा सामने आती है। इस प्रकार नार्को टेस्ट सत्य की खोज के बजाय भ्रम की सृष्टि कर सकता है।

चिकित्सीय नैतिकता के संदर्भ में भी नार्को टेस्ट गंभीर चिंता का विषय है। चिकित्सा पेशा 'हानि न पहुंचाने' के सिद्धांत पर आधारित है। जब कोई चिकित्सक बिना किसी उपचारात्मक उद्देश्य के, केवल जांच के लिए, किसी व्यक्ति को दवाएं देता है, तो वह इस सिद्धांत का उल्लंघन करता है। इसके अतिरिक्त, नार्को टेस्ट के दौरान स्वास्थ्य जोखिम भी मौजूद रहते हैं, विशेषकर यदि व्यक्ति पहले से किसी शारीरिक या मानसिक रोग से ग्रस्त हो। ऐसे में चिकित्सकों की भूमिका और जिम्मेदारी पर भी प्रश्न उठते हैं।

> सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनैच्छिक नार्को-विश्लेषण परीक्षणों को पुनः असंवैधानिक करार देना भारतीय लोकतंत्र में संविधान की सर्वोच्चता की एक महत्वपूर्ण पुनः घोषणा है।

आमने

अरावली कोई मामूली पहाड़ नहीं, बल्कि प्रकृति की बनाई हुई 'ग्रीन वॉल' है। यह थार रेगिस्तान की रेत और गर्म हवाओं को दिल्ली, हरियाणा और यूपी के उपजाऊ मैदानों की ओर बढ़ने से रोकती हैं। ये पहाड़ियां और यहां के जंगल एनसीआर के शहरों के लिए 'फेफड़ों' का काम करती हैं।

-अशोक गहलोत

पूर्व सीएम, राजस्थान

सामने

अरावली को नुकसान पहुंचाने का काम कांग्रेस शासन में हुआ, जबकि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार इसके संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गहलोत ने 'सेव अरावली' की डीपी तो लगाई, लेकिन राहुल गांधी, प्रदेश अध्यक्ष सहित कांग्रेस के बड़े नेताओं ने साथ नहीं दिया।

-राजेंद्र सिंह राठौड़

बीजेपी नेता

इंडिया में एआईः चमकती स्क्रीनें, छूटती जिंदगियां

सत्य प्रकाश नायक

एक्टिविस्ट

एआई आज सिर्फ़ एक तकनीक नहीं रहा। वह हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस तरह घुल चुका है कि अक्सर हमें एहसास भी नहीं होता कि हमारे कितने फैसले अब एल्गोरिदम की सलाह से प्रभावित हो रहे हैं। सुबह का अलार्म कब बजे, रास्ते में कौन-सा गाना बजे, मोबाइल खोलते ही कौन-सा वीडियो हमें रोक ले, यह सब किसी न किसी रूप में एआई दिशा देने लगा है। दफ़्तरों में रिपोर्ट लिखने से लेकर रिज़्यूमे छांटने तक और शिक्षा में यह तय करने से लेकर कि किस विद्यार्थी को कौन-सा कंटेंट 'उपयुक्त' माना जाए, एआई अब सोचने की प्रक्रिया के बीच आ चुका है।

इसी तेज़ रफ्तार के बीच एक असहज सवाल उभरता है- क्या भारत का हर नागरिक इस एआई-दुनिया में बराबरी से शामिल है? या फिर हम एक ऐसे देश की ओर बढ़ रहे हैं, जहां तकनीक कुछ हाथों में शक्ति बन रही है और बहुत-से लोग केवल उसके परिणाम झेलने वाले दर्शक बनते जा रहे हैं?

आज का भारत एक गहरा विरोधाभास उजागर करता है। एक तरफ़ शहरों में लोग कुछ सेकंड में एआई से प्रेज़ेंटेशन, रिपोर्ट और कोड तैयार कर रहे हैं। दूसरी तरफ़ ग्रामीण इलाक़ों में लोग अब भी स्थिर इंटरनेट सिग्नल पाने के लिए जगह बदल-बदलकर कोशिश कर रहे हैं।

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IAMAI) और कंटार की इंडिया इंटरनेट रिपोर्ट-2024 बताती है कि जहां शहरी भारत में इंटरनेट पहुंच लगभग 72% तक है, वहीं ग्रामीण भारत में यह 38–40% के बीच सिमटी हुई है। यह आंकड़ा केवल कनेक्टिविटी की कमी नहीं दर्शाता, बल्कि यह संकेत करता है कि देश की एक बड़ी आबादी डिजिटल भविष्य की तैयारी से ही बाहर रह जा रही है। जब सरकारें, संस्थान और बाज़ार शिक्षा, रोज़गार, स्वास्थ्य और कल्याण सेवाओं में एआई को तेज़ी से शामिल कर रहे हैं, तब यह डिजिटल अंतर केवल सुविधा का सवाल नहीं रहता। यह धीरे-धीरे अवसर, क्षमता और निर्णय लेने की शक्ति के अंतर में बदलने लगता है।

पहुंच से आगे की असमानता डिजिटल पहुंच को केवल 'नेटवर्क है या नहीं' के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। कई परिवारों में डिजिटल उपकरण और इंटरनेट साझा होते हैं। डेटा की लागत, उपकरण की गुणवत्ता, डिजिटल साक्षरता, भाषा की समझ और साइबर सुरक्षा का ज्ञान- ये सभी मिलकर यह तय करते हैं कि कोई व्यक्ति एआई जैसी तकनीकों से कितना और कैसे जुड़ पाएगा। इसका अर्थ यह है कि एआई का लाभ केवल इंटरनेट होने से नहीं, बल्कि उसे समझने और नियंत्रित ढंग से उपयोग करने की वास्तविक क्षमता से तय होता है। जहां यह क्षमता सीमित है, वहां एआई सुविधा से अधिक दबाव और निर्भरता भी पैदा कर सकता है।

समाज से आता पक्षपात एआई की एक गहरी और अक्सर अनदेखी समस्या यह है कि वह वही सीखता है, जो समाज पहले से करता आया है। यदि समाज में किसी समूह के प्रति असमानता या पक्षपात मौजूद है, तो वही पैटर्न डेटा के ज़रिए एआई प्रणालियों में भी पहुंच जाते हैं। कुछ अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों में यह सामने आया है कि चेहरे पहचानने वाली तकनीकों में कुछ वर्गों के लिए सटीकता अधिक रही, जबकि अन्य के लिए गलतियां कहीं ज़्यादा पाई गईं। इससे यह स्पष्ट होता है कि तकनीक अपने-आप निष्पक्ष नहीं होती। वह उसी सामाजिक संरचना की छाया होती है, जिसमें उसे प्रशिक्षित किया गया है।

भारत जैसे विविध समाज में यह चुनौती और जटिल हो जाती है। यहां जाति, भाषा, क्षेत्र, पेशा और सामाजिक हैसियत डिजिटल दुनिया में समान रूप से दर्ज नहीं होतीं। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मज़दूर, प्रवासी समुदाय और हाशिए पर खड़े समूह अक्सर डेटा में अदृश्य रह जाते हैं। नतीजतन, एआई आधारित प्रणालियां उनके जीवन और ज़रूरतों को समझने में कम सक्षम होती हैं। निगरानी बनाम सेवा एआई को अक्सर सेवा और सुविधा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन यह सवाल भी उतना ही ज़रूरी है कि वह किस हद तक निगरानी का औज़ार बनता जा रहा है। कल्याण योजनाओं, पहचान प्रणालियों और मूल्यांकन प्रक्रियाओं में एआई का इस्तेमाल कई बार उन समुदायों पर अधिक सख्ती से लागू होता है, जिनके पास अपील करने की ताक़त कम होती है। इस असमान शक्ति-संबंध को नज़रअंदाज़ करना तकनीक की सामाजिक भूमिका को अधूरा समझना होगा।

तकनीक का चिंताजनक चेहरा इसी संदर्भ में 'मॉर्फ' और 'डीपफेक' जैसे शब्द केवल तकनीकी शब्द नहीं रह जाते, बल्कि सामाजिक चिंता बन जाते हैं। मॉर्फिंग में तस्वीरों को इस तरह बदला जाता है कि उनका अर्थ ही बदल जाए, जबकि डीपफेक एआई की मदद से नकली वीडियो या आवाज़ तैयार करता है। भारत जैसे समाज में, जहां व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और पारिवारिक सम्मान गहराई से जुड़े होते हैं, ऐसी डिजिटल छेड़छाड़ के प्रभाव केवल ऑनलाइन नहीं रहते। वे मानसिक, सामाजिक और कानूनी संकट का रूप ले सकते हैं। एआई ने इस चुनौती को इसलिए और गंभीर बना दिया है, क्योंकि अब नकली और असली के बीच अंतर करना आम लोगों के लिए आसान नहीं रहा।

> क्या भारत का हर नागरिक एआई-दुनिया में बराबरी से शामिल है? या फिर हम एक ऐसे देश की ओर बढ़ रहे हैं, जहां तकनीक कुछ हाथों में शक्ति बन रही है, और बहुत से लोग केवल दर्शक बनते जा रहे हैं?

सोशल फोरम

प्यार के लिए एक शहंशाह ने छोड़ दिया तख्तो-ताज

मुहब्बत के लिए एक शहंशाह ने तख़्त छोड़ दिया। वो भी तलाक़शुदा प्रेमिका के लिए, उस जमाने में जब ये समाज में अकल्पनीय और अक्षम्य दोनों था। शहंशाह थे किंग एडवर्ड आठवें। 20 जनवरी 1936 से 10 दिसंबर 1936 तक यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन, उत्तरी आयरलैंड और भारत के शहंशाह, साथ-साथ दुनिया भर में फैले तमाम और ब्रिटिश डोमिनियन्स के भी। किंग जॉर्ज पांचवे के सबसे बड़े बेटे एडवर्ड। उनका महल, जिसे एडवर्ड द फोर्ट कहते थे, में उनके साथियों का जमावड़ा लगा रहता। सब पढ़े लिखे, ज़हीन, शानदार।

एक थीं वॉलिस सिंपसन- अमेरिकी नौसेना के एक पायलट अर्ल डब्लू स्पेंसर की तलाक़शुदा। वो घूमने इंग्लैंड आईं और उन्हें एर्नेस्ट ए सिंपसन से प्रेम हो गया। शादी भी कर ली और उन्हीं के साथ मिलीं एडवर्ड से। दोस्ती हुई। गहरी हुई। धीरे-धीरे प्यार हो गया। 1934 तक इतना गहरा कि पिता किंग जॉर्ज से बात करने की सोची पर अचानक पिता का देहांत हो गया और इनकी ताजपोशी।

समर अनार्य

ब्लॉगर

प्रेम चलता रहा और सामने भी आया। पर दो बार की तलाक़शुदा महिला से ब्याह के सवाल पर चर्च ऑफ इंग्लैंड, जिसके मुखिया वे ख़ुद थे, क्योंकि इंग्लैंड का राजा ही पदेन होता था, भी ख़िलाफ़ था, पार्लियामेंट भी और यहां तक कि राजपरिवार भी। आश्चर्य कि इकलौता आदमी जो साथ था वह थे चर्चिल और तमाम मामलों में एकदम खड़स! उन्होंने एडवर्ड को समझाया कि 'मोरगैनेटिक मैरिज' कर लें- अर्थात वह शादी जो क़ानूनी तो है, पर उसमें न तो पत्नी को शाही पद मिलते हैं न संतानों को कोई अधिकार।

ख़ैर, तब तक बात खुल गई थी और फिर एडवर्ड ने स्वेच्छा से राजपाट त्याग दिया, संतानों के लिए किसी हक़ के दावे के साथ। शाम को राष्ट्र के नाम संदेश में कहा, 'मेरे लिए राजा के भारी उत्तरदायित्व और कर्तव्य का निर्वहन जैसा मैं करना चाहता हूं, वह जिस स्त्री से मैं प्यार करता हूं, उसकी मदद और साथ के बिना असंभव है'।

प्रेम के लिए राजपाट छोड़ देने वाले इकलौते अंग्रेज़ शहंशाह को सलाम। महा कवि निराला ने प्रेम के लिए इस त्याग पर एक कविता भी लिखी थी।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

पासपोर्ट की गिरती साख सच्चाई या साजिश

भारतीय पासपोर्ट की गिरती साख? सच्चाई है या फिर हवा-हवाई और साजिशपूर्ण अफवाह है, जो भारत विरोधी विश्व शक्तियां समय-समय पर फैलाती रहती हैं और प्रत्यारोपित करती रहती हैं। आमतौर पर अवधारणा यह है कि जिस देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती हैं, निवेश की संभावनाएं ज्यादा होती हैं, राजनीतिक स्थिरता होती है, रोजगार की संभावनाएं मजबूत होती हैं और जिनकी सामरिक शक्ति विश्व स्तर की होती है, जिनकी कूटनीति तेज और प्रहारक होती है, उनकी दुनिया में साख ज्यादा होती है। ऐसे देशों द्वारा जारी पासपोर्ट बहुत ज्यादा विश्वसनीय और सम्मानित होते हैं। भारत के पासपोर्ट की कसौटी पर विशेषताएं क्या-क्या हैं?

आचार्य श्रीहरि

लेखक

भारत की आबादी दुनिया की सबसे बडी आबादी है। चीन को परास्त कर भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक हो गई है और भारत की यह आबादी कोई बूढ़ी नहीं बल्कि जवान है। कहने का अर्थ यह है कि भारत की आबादी मेहनत और विकास की सहयोगी होने की पात्रता रखती है। भारत की आबादी, बोझ किसी भी स्थिति में नहीं है। भारत दुनिया के निवेशकों के लिए पसंदीदा जगह बनी हुई है, चीन से परेशान निवेशक भारत की ओर देख रहे हैं। भारत में विदेशी निवेशकों की धमक को रोकने के लिए डोनाल्ड ट्रंप जैसे विदेशी शासक सकिय हैं, फिर भी दुनिया के निवेशकों के लिए भारत पहली पसंद बन रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर नहीं है और न ही अस्थिर है, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर है और गतिमान है। समृद्ध है और रोजगारपरक है। सूचना क्रांति का हब और आधुनिक शिक्षा की अद्वितीय समृद्धि भी भारत के पास है। दुनिया भर के आईटी क्षेत्र की समृद्धि भारतीय सूचना क्रांति के वीरों पर निर्भर है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एक्स, फेसबुक सहित सभी नामी-गिरामी कंपनियों में भारत के सूचना और प्रबंधकीय क्षेत्र के वीरों का वर्चस्व और नियंत्रण भी उल्लेखनीय है। टाटा, अडानी और अंबानी जैसी भारतीय कंपनियां यूरोप और अमेरिका में अपनी सक्रियता और दखल खोज रही हैं।

फिर भी भारतीय पासपोर्ट को कमजोर और कम विश्वसनीय बताने वाले लोग कौन हैं? और इनकी नीयत और साजिश क्या है? हेनले पासपोर्ट इंडेक्स नामक संस्थान दुनिया के देशों के पासपोर्ट की प्रशंसा और विश्वसनीयता पर नजर रखती है और इस संबंध में प्रति वर्ष रिपोर्ट जारी करती है और तिमाही रैंकिंग भी देती है। वर्तमान में भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग 85 है। दुनिया के 199 देशों में भारतीय पासपोर्ट का स्थान 85 है। यानी कि भारत से 109 देशों का पासपोर्ट अधिक मान्यता, विश्वसनीयता और प्रशंसा रखता है। भारत की पासपोर्ट रैंकिंग पिछले साल की तुलना में इस वर्ष पांच स्थान नीचे गया है।

पिछले साल दुनिया में भारतीय पासपोर्ट की वरीयता स्थान 80 था। एशिया भू-भाग में भी भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग चिंताजनक है। जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देश टॉप पर बैठे हुए हैं। सिंगापुर के लोगों को इस साल दुनिया के 199 देशों में से 193 देशों में बिना वीजा के जाने की अनुमति मिली, दक्षिण कोरिया के लोगों को 190 देशों और जापान के लोगों को 189 देशों में बिना वीजा जाने की अनुमति रही है। जापान, के टॉप पर रहने की बात तो समझ आती है, क्योंकि ये बड़े देश हैं और अपनी खूबियों के लिए विख्यात हैं, पर दक्षिण कोरिया और सिंगापुर की आंतरिक समृद्धि भारत को पछाड़ने वाली भी नहीं कही जा सकती है। सबसे बडी बात यह है कि श्रीलंका और भूटान जैसे दक्षिण एशियाई देश इस मामले में भारत से आगे कैसे हो सकते हैं?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

शान : जो शोले न बन सकी

बड़े सितारों और भारी बजट के साथ बनी फिल्म 'शान' 12 दिसंबर 1980 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म उस दौर की सबसे चर्चित परियोजनाओं में से एक थी, क्योंकि इसके निर्देशक रमेश सिप्पी थे, जिन्होंने इससे पहले हिंदी सिनेमा को कालजयी फिल्म 'शोले' दी थी। शोले की ऐतिहासिक सफलता के बाद लगभग तीन वर्षों की मेहनत से 'शान' को तैयार किया गया और इससे दर्शकों व फिल्म इंडस्ट्री को काफी उम्मीदें थीं। 'शान' अपने समय की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल थी। इसका बजट लगभग 6 करोड़ रुपये था, जो उस दौर में किसी भी हिंदी फिल्म के लिए असाधारण माना जाता था। खास बात यह थी कि यह बजट शोले के मुकाबले लगभग दोगुना था। भव्य सेट, शानदार लोकेशन, बड़े सितारों की मौजूदगी और तकनीकी भव्यता के कारण इसे एक भव्य सिनेमाई अनुभव बनाने की पूरी कोशिश की गई।

दीपक नौगाई
लेखक, हल्द्वानी

फिल्म को कल्ट क्लासिक का टैग

शान फिल्म के निर्माता को उम्मीद थी कि यह फिल्म शोले की तरह सुपरहिट साबित होगी, लेकिन बड़े नाम, बड़े बजट और भव्य सेट से सजी यह फिल्म अपना जलवा न दिखा सकी। नेगेटिव रिव्यूज के चलते फिल्म दर्शकों के समकक्ष सफलता न प्राप्त कर सकी। हालांकि बाद में फिल्म को कल्ट क्लासिक का टैग मिला और टेलीविजन में बहुत देखी गई। भले ही शान बॉक्स ऑफिस पर कमाल न दिखा सकी हो, पर यह फिल्म के किरदार के लिए ज्यादा याद की जाती है। गंजे शाकाल की क्रूर लोगों के जेहन में है। खलनायक 'शाकाल' के अदाकारी आज भी

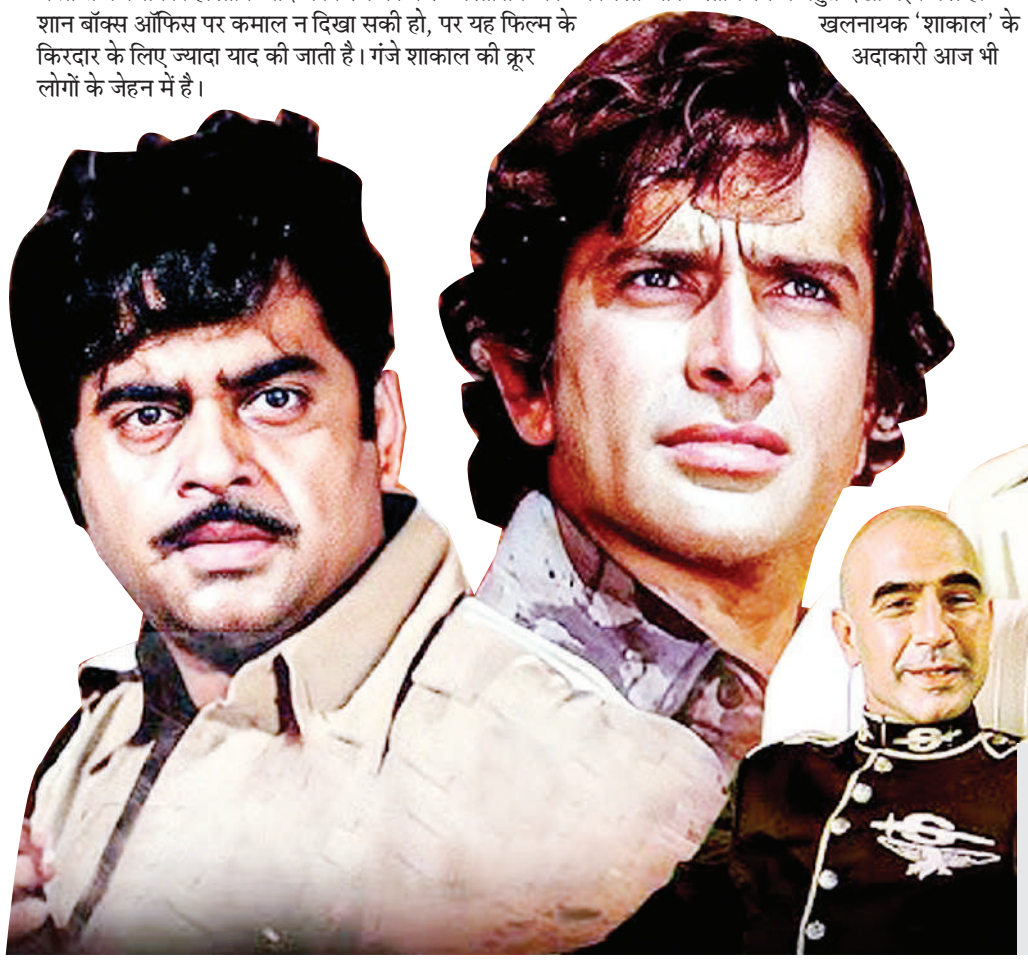

फिल्म में थे बड़े सितारे

रमेश सिप्पी निर्देशित इस फिल्म के लेखक भी शोले के सलीम खान और जावेद अख्तर थे। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा, सुनील दत्त, शशि कपूर, राखी गुलजार, परवीन बॉबी, बिंदिया गोस्वामी, जॉनी लीवर, मजहर खान आदि ने काम किया था। विलेन की भूमिका नए कलाकार कुलभूषण खरबंदा ने निभाई थी और उन्हें भी शोले के गब्बर की तरह पापुलैरिटी मिली। शाकाल की भूमिका के लिए रमेश सिप्पी पहले संजीव कुमार को लेना चाहते थे, लेकिन उनके पास डेट्स की कमी थी, क्योंकि वह अन्य फिल्मों में व्यस्त थे। गौरतलब है कि शोले के गब्बर सिंह के किरदार के लिए भी पहली पसंद संजीव कुमार ही थे। संजीव कुमार से डेट्स नहीं मिली तो नए कलाकार कुलभूषण खरबंदा को खलनायक के रूप में लेने का निर्णय लिया गया। वे धर्मेंद्र और हेमा मालिनी को भी इस फिल्म में लेना चाहते थे, लेकिन उन दोनों के पास भी समय नहीं था, इसलिए उनकी जगह शशि कपूर और बिंदिया गोस्वामी को लिया गया।

खलनायक किरदार 'शाकाल' अमर हो गया

इस फिल्म को बनाने में निर्माता ने काफी खर्च किया था यानी शोले की कमाई इस फिल्म को बनाने में लगाई गई। समुद्र के बीच में एक द्वीप पर भव्य आधुनिक सेट बनाकर फिल्म की अधिकांश शूटिंग की गई थी। भले ही यह फिल्म न चली हो, लेकिन आरडी बर्मन के संगीत से सजी इस फिल्म का गाना 'यम्मा यम्मा', जिसे आरडी बर्मन और मोहम्मद रफी ने गाया था, बहुत हिट हुआ था। इस फिल्म को बने 46 साल हो गए हैं, लेकिन जब भी बॉलीवुड सिनेमा के खलनायकों की बात होती है, तो उसमें शाकाल का नाम भी जरूर शामिल होता है।

राजकुमार हिरानी की फिल्म में होंगे फोर ईडियट्स!

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। उनकी निजी जिंदगी हो या फिर प्रोफेशनल फ्रंट, हर गतिविधि पर फैंस और मीडिया की पैनी नजर बनी हुई है। पिछले कुछ समय से उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर लगातार खबरें सामने आ रही हैं, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। आमिर खान को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उनके प्रशंसक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं और अब ऐसा लग रहा है कि यह इंतजार जल्द खत्म हो सकता है।

इसी बीच आमिर खान की सुपरहिट और यादगार फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर एक बड़ी और दिलचस्प जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर अब आधिकारिक रूप से काम शुरू हो चुका है। एक अंदरूनी सूत्र ने पुष्टि की है कि फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग पूरी हो चुकी है और फिलहाल इसे '4 इडियट्स' नाम के एक टेम्पररी वर्किंग टाइटल के तहत विकसित किया जा रहा है। हालांकि मेकर्स बाद में इस टाइटल को बदल भी सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी और इसका निर्देशन एक बार फिर राजकुमार हिरानी करेंगे, जिनकी जोड़ी आमिर खान के साथ पहले भी कई बार सफल साबित हो चुकी है। मेकर्स इस बार कहानी को वहीं से आगे बढ़ाने की तैयारी में हैं, जहां पहले पार्ट का अंत हुआ था। हालांकि यह फिल्म सिर्फ एक साधारण सीक्वल नहीं होगी। दर्शकों को कुछ नए और ताजा एलिमेंट्स देखने को मिलेंगे, जो कहानी को और ज्यादा रोचक बनाएंगे। सबसे अहम बदलाव होगा एक नए मुख्य किरदार यानी 'चौथे इडियट' की एंट्री। इस किरदार के लिए किसी बड़े और लोकप्रिय सुपरस्टार को कास्ट करने की योजना बनाई जा रही है, जिसे लेकर फिल्म प्रेमियों के बीच काफी चर्चा और उत्सुकता है। फिल्म की ओरिजिनल स्टारकास्ट आमिर खान, आर. माधवन, शरमन जोशी और करीना कपूर खान के भी सीक्वल में नजर आने की पूरी संभावना जताई जा रही है। अगर ऐसा होता है, तो यह दर्शकों के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं होगा।

गौरतलब है कि साल 2009 में रिलीज़ हुई '3 इडियट्स' न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक सफलता साबित हुई थी, बल्कि इसने भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर एक नई बहस को भी जन्म दिया था। यह फिल्म 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी और उसने बॉलीवुड में नए मानक स्थापित किए। ऐसे में इसके सीक्वल से भी दर्शकों की उम्मीदें स्वाभाविक रूप से काफी ऊंची हैं।

जिंदगी का सफर

'जॉनी' राजकुमार

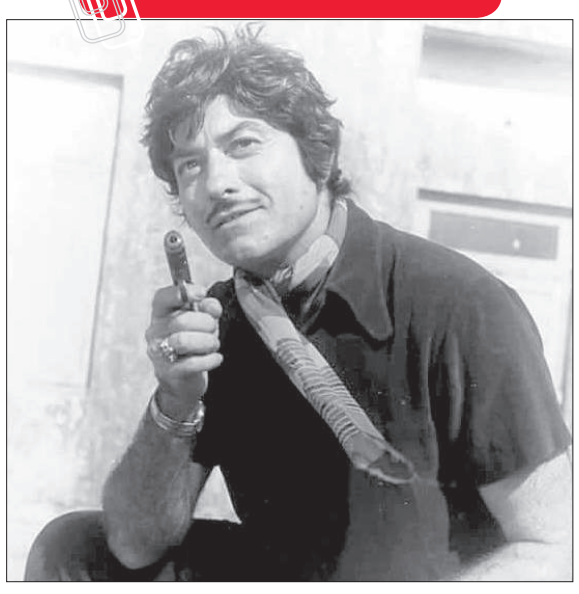

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कई महान अभिनेता हुए, लेकिन 'जॉनी' संवाद के साथ दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले राजकुमार (कुलभूषण पंडित) जैसा व्यक्तित्व शायद ही किसी का रहा हो। 8 अक्टूबर 1926 को बलूचिस्तान (अब पाकिस्तान में) में जन्मे राजकुमार अपनी कड़क आवाज, अनूठे अंदाज और बेबाक व्यक्तित्व के लिए आज भी याद किए जाते हैं। राजकुमार को बॉलीवुड का 'स्टाइल आइकन' माना जाता था। उनके संवाद बोलने का तरीका इतना प्रभावशाली था कि सिनेमाघरों में उनके मुंह खोलते ही तालियां बजने लगती थीं। 'जॉनी, हम तुम्हें मारेंगे और जरूर मारेंगे, लेकिन वह बंदूक भी हमारी होगी, गोली भी हमारी होगी और वक्त भी हमारा होगा' जैसे संवाद आज भी लोगों की जुबान पर हैं। 'वक्त', 'पाकीजा', 'हीर रांझा', 'सौदागर' और 'तिरंगा' जैसी फिल्मों ने उन्हें अभिनय के शिखर पर पहुंचाया।

फिल्मी दुनिया की चकाचौंध में आने से पहले राजकुमार मुंबई पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। उनके व्यक्तित्व में जो अनुशासन और रौब दिखता था, उसकी जड़ें उनके पुलिसिया जीवन में थीं। 1952 में फिल्म 'रंगीली' से उन्होंने अभिनय की शुरुआत की, लेकिन सफलता का स्वाद उन्हें 1957 की ऐतिहासिक फिल्म 'मदर इंडिया' से मिला। इस फिल्म में उन्होंने नरगिस के पति 'शामू' का छोटा, लेकिन अत्यंत प्रभावशाली किरदार निभाया, जिसने उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया।

राजकुमार की सबसे बड़ी पहचान उनकी संवाद अदायगी (डायलॉग डिलीवरी) थी। वे जब भी कोई संवाद बोलते, तो ऐसा लगता मानो शब्द सीधे दर्शकों के दिल पर प्रहार कर रहे हों। उनकी फिल्म 'वक्त' (1965) का डायलॉग- 'चिनॉय सेठ, जिनके घर शीशे के होते हैं, वो दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते' आज भी भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय संवादों में से एक है। इसके बाद 'पाकीजा', 'हीर रांझा', 'सौदागर' और 'तिरंगा' जैसी फिल्मों ने उन्हें एक 'लेजेंड' का दर्जा दिलाया। फिल्म 'सौदागर' में जब वे एक लंबे अरसे के बाद दिलीप कुमार के सामने आए, तो दोनों महानायकों के बीच का मुकाबला देखने लायक था। राजकुमार अपनी बेबाकी और स्पष्टवादिता के लिए मशहूर थे। वे किसी फिल्म को साइन करने से पहले पटकथा को बहुत बारीकी से परखते थे और यदि उन्हें कुछ पसंद न आता, तो वे बड़े से बड़े निर्देशक को मना करने में संकोच नहीं करते थे। उनका पहनावा अक्सर पाइप हाथ में लिए, रंगीन कोट और विशेष प्रकार के जूतों के साथ उन्हें भीड़ से अलग दिखाता था।

इंडस्ट्री में उनके कई किस्से मशहूर हैं, जैसे किसी बड़े कलाकार के सूट की तुलना पर्दे के कपड़े से कर देना या अपनी शर्तों पर शूटिंग करना। उनके भीतर एक ऐसा आत्मविश्वास था कि वे कभी किसी से प्रभावित नहीं हुए, बल्कि लोग उनसे प्रभावित होते थे। श्रीधर की फिल्म दिल एक मंदिर में राजकुमार ने कैंसर रोगी की भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें दिल एक मंदिर और वक्त दोनों फिल्मों के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। राजकुमार का फिल्मी करियर चार दशकों तक चला, जिसमें उन्होंने लगभग 70 फिल्मों में काम किया। 1990 के दशक में वे गले के कैंसर (Throat Cancer) से पीड़ित हो गए। दुखद बात यह थी कि जिस आवाज के दम पर उन्होंने दुनिया जीती थी, उसी गले में समस्या पैदा हो गई। 3 जुलाई 1996 को इस महान कलाकार ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार उनका अंतिम संस्कार बहुत ही निजी तरीके से किया गया, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उनकी मृत्यु का तमाशा बने।

मॉडल आफ द वीक

नाम: कंचन गुप्ता
टाउन: कानपुर
एजुकेशन: बीकॉम
अचीवमेंट: विशिष्ट उद्यमी सम्मान
ड्रीम: मॉडलिंग, एक्टिंग

टाइटन के घड़ी की बिक्री 1 अरब डॉलर के होगी पार

नई दिल्ली। घड़ी और आभूषण निर्माता टाइटन ने घड़ी व्यवसाय को लेकर उम्मीद जताई कि दो वर्षों में इसकी बिक्री एक अरब डॉलर होगी। कंपनी ने कहा कि प्रीमियम उत्पादों को प्रोत्साहन, खुदरा नेटवर्क के विस्तार और अंतर्राष्ट्रीय कारोबार के बल पर यह लक्ष्य हासिल करने की तैयारी है। घड़ी प्रभाग के सीईओ कुरुविल्ला मार्कोस ने बताया कि पिछले चार-पांच वर्षों में कंपनी ने 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आगे की वृद्धि के लिए कंपनी प्रीमियम खंड पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 22 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8000-8800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7400, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 7800, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

डॉलर और व्यापक आंकड़े बदलेंगे बाजार की चाल

विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों पर भी होगी घरेलू निवेशकों की नजर

- छुट्टियों के कारण छोटे सप्ताह में बाजार सीमित दायरे में कर सकता है कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां, डॉलर की चाल और वैश्विक व्यापक आर्थिक आंकड़ों से इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि छुट्टियों के कारण छोटे सप्ताह में शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर सकते हैं।

विशेषज्ञ ने कहा कि क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के कारण कई वैश्विक बाजारों में सुस्त गतिविधि देखने को मिल सकती है। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को क्रिसमस के अवसर पर बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह साल के अंत के त्योहारी दौर से कारोबार सीमित रह सकता है। घरेलू स्तर पर बाजार अवसंरचना क्षेत्र के आंकड़ों के साथ ही बैंक ऋण वृद्धि, जमा वृद्धि और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े आंकड़ों पर नजर रखेंगे। मुद्रा की चाल और कच्चे तेल की कीमतें भी अहम कारक बनी रहेंगी। वैश्विक स्तर पर प्रमुख बाजारों, विशेषकर अमेरिका के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुदी आर ने कहा कि मजबूत घरेलू नकदी गहरे नकारात्मक जोखिमों से बचाव का काम कर रही है, वहीं अगर विदेशी निवेशकों की वापसी होती है तो बाजार में तेजी का अगला दौर देखा जा सकता है। अपेक्षा से कम अमेरिकी महंगाई के बाद बाजार की धारणा सकारात्मक हुई है, और यह माहौल भारत सहित उभरते बाजारों के लिए अनुकूल रहा है।

एफपीआई ने बाजार से निकाले 23,377 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बीते सप्ताह भारतीय पूंजी बाजार से 23,377 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। सीडीएसएल के मुताबिक एफपीआई ने 14,185 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है। डेट में भी वे शुद्ध रूप से बिकवाल रहे हैं। वहीं, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में उन्होंने लिवाली की। डेट से उन्होंने कुल 9,682 करोड़ रुपये निकाले। वहीं म्यूचुअल फंड में उन्होंने 77 करोड़ रुपये और 420 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। दो महीने के अंतराल के बाद एफपीआई दिसंबर में शुद्ध रूप से बिकवाल रहने की तरफ बढ़ रहे हैं। उन्होंने जितनी पूंजी लगाई है उससे ज्यादा निकाली है। इससे पहले नवंबर में उन्होंने 4,114 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 35,246 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। इस कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने कुल 68,628 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इस दौरान इक्विटी से उन्होंने 1,51,677 करोड़ रुपये निकाले हैं। वहीं, डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में उनका निवेश सकारात्मक रहा है।

शीर्ष 6 मूल्यवान कंपनियों की पूंजी 75,257 करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में छह का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 75,256.97 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टीसीएस और इन्फोसिस को अधिक लाभ हुआ। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस और लार्सन एंड टुब्रो लाभ में रहे। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

ऊर्जा खपत में 2047 तक कोयले का हिस्सा घटकर 30-35% होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- भविष्य में वृद्धि के लिए जीवाश्म ईंधन का जिम्मेदारी से और संतुलित उपयोग बेहद जरूरी

विशेषज्ञों ने देश की ऊर्जा खपत में कोयले की हिस्सेदारी 2047 तक घटकर 30-35 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। उनका कहना है कि भविष्य में वृद्धि के लिए जीवाश्म ईंधन का जिम्मेदारी से और संतुलित उपयोग बेहद जरूरी है।

इस समय भारत के बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने एक अरब टन से अधिक कोयला उत्पादन किया, जबकि कुल बिजली उत्पादन में कोयला आधारित बिजली का योगदान 72 प्रतिशत रहा। कोल इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पीएम प्रसाद ने कहा कि आने वाले तीन से चार दशकों में प्राथमिकता उत्सर्जन को कम करने और जहां संभव हो, बेहतर और स्वच्छ तकनीकों को अपनाने की होनी चाहिए। 2047 तक कोयले की हिस्सेदारी मौजूदा स्तर से घटकर 30-35% रह जाएगी। इसे देखते हुए जब तक कोयले का उपयोग होता रहेगा, तब तक इसका जिम्मेदारी से और पर्यावरण अनुकूल तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है। प्रसाद वर्तमान में टिकाऊ कोयले के लिए वैश्विक गठबंधन फ्यूचरकोल की भारत इकाई के चेयरमैन हैं। कोल इंडिया लिमिटेड और गेनवेल इंजीनियरिंग के सहयोग से शुरू की गई फ्यूचरकोल की भारत इकाई टिकाऊ कोयले को बढ़ावा दे रही है।

प्रमुख खनिजों की खोज के लिए बजट दे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसदीय समिति ने सरकारी कंपनी आईआरईएल इंडिया का किया बजटीय समर्थन

वैश्विक स्तर पर दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की बढ़ती मांग के बीच एक संसदीय समिति ने सरकार से कहा है कि वह महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और खनन को प्राथमिकता देने के लिए सरकारी कंपनी आईआरईएल इंडिया को बजटीय समर्थन बढ़ाए। परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत आने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईआरईएल इंडिया देश की एकमात्र कंपनी है, जो दुर्लभ पृथ्वी अयस्कों के खनन और उन्हें परिष्कृत करने का काम करती है।

कोयला, खान और इस्पात संबंधी स्थायी समिति ने अपनी ताजा रिपोर्ट में सरकार से इस क्षेत्र में घरेलू उपलब्धता, पहचान, खोज और आर्थिक व्यवहार्यता के लिए रणनीति तैयार करने को भी कहा है, ताकि देश की आयात पर निर्भरता कम की जा सके। दुर्लभ पृथ्वी खनिज सामान्य रूप से धात्विक तत्वों का एक समूह होते हैं, जिन्हें निकालना और प्रसंस्करण करना कठिन और महंगा होता है। इनका उपयोग पवन ऊर्जा टरबाइन, हाइब्रिड कार बैटरियां, इलेक्ट्रिक मोटर, सौर ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में किया जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार को आईआरईएल जैसी मौजूदा संस्थाओं को लक्षित बजटीय आवंटन के माध्यम से मजबूत करने पर विचार करना चाहिए, ताकि दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की खोज और खनन को प्राथमिकता दी जा सके। समिति ने सुझाव दिया कि खान मंत्रालय को दुर्लभ पृथ्वी खनिज क्षेत्र में तकनीकी जानकारी और खनिज प्रसंस्करण क्षमताओं के हस्तांतरण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी विचार करना चाहिए।

बायोगैस क्षेत्र में 5,000 करोड़ के निवेश की उम्मीद : आईबीए

नई दिल्ली। भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने कहा कि निवेशकों और हितधारकों की मजबूत रुचि से 2026-27 में बायोगैस क्षेत्र में 5,000 करोड़ से अधिक का निवेश होने की उम्मीद है। उद्योग निकाय ने कहा कि अब तक 100 से अधिक कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र शुरू हो चुके हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार 94 सीबीजी संयंत्रों ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 31,400 टन से अधिक सीबीजी की बिक्री की। इससे वृद्धि और बाजार में स्वीकार्यता का ठोस प्रमाण मिलता है। वहीं, छोटे पैमाने के पारंपरिक बायोगैस उपक्रमों में दक्षता सुधार और क्षमता उपयोग की पर्याप्त गुंजाइश है। आईबीए को सीबीजी सुविधाओं के बड़े पैमाने पर चालू होने, कच्चे माल की प्रभावी आपूर्ति और बायोगैस को तेजी से अपनाने के लिए समन्वित नीति ढांचे की उम्मीद है।

सर्किट लिमिट : शेयर बाजार पर नियंत्रण की व्यवस्था

सर्किट लिमिट शेयर बाजार की एक अहम व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य अचानक होने वाले तेज उतार-चढ़ाव से निवेशकों को बचाना और बाजार में स्थिरता बनाए रखना है। जब किसी शेयर या पूरे बाजार में तय सीमा से अधिक तेजी या गिरावट आती है, तो सर्किट लिमिट लागू हो जाती है और ट्रेडिंग अस्थायी रूप से रोक दी जाती है। समय-समय पर सर्किट लिमिट में बदलाव किए जाते हैं ताकि बाजार की बदलती परिस्थितियों, निवेशकों की संख्या और तकनीकी विकास के अनुरूप नियमों को प्रभावी बनाया जा सके। सर्किट लिमिट बदलाव का सीधा असर निवेशकों की रणनीति, बाजार की तरलता और जोखिम प्रबंधन पर पड़ता है, इसलिए इस विषय को समझना हर निवेशक के लिए जरूरी है।

खरीद-फरोख्त पर रोक

शेयर बाजार में सर्किट लिमिट का मतलब उस अधिकतम सीमा से है, जिसके भीतर किसी शेयर या सूचकांक की कीमत एक दिन में ऊपर या नीचे जा सकती है। यदि कीमत इस सीमा को छू लेती है, तो उस शेयर में आगे की ट्रेडिंग रोक दी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य घबराहट में होने वाली खरीद-फरोख्त को नियंत्रित करना और निवेशकों को सोचने का समय देना है।

पुराने नियमों में बदलाव

सर्किट लिमिट बदलाव बाजार नियामक संस्थाओं द्वारा किया जाता है। जब बाजार में भागीदारी बढ़ती है, नई तकनीक आती है या अस्थिरता ज्यादा होती है, तब पुराने नियम पर्याप्त नहीं रह जाते। ऐसे में सर्किट लिमिट की प्रतिशत, समय या दायरे में बदलाव जरूरी होता है। उदाहरण के लिए कुछ शेयरों में पहले 5% की सर्किट लिमिट थी, जिसे बाद में 10 या 20% तक बढ़ाया गया, ताकि ट्रेडिंग लचीली हो सके।

जोखिम प्रबंधन

सर्किट लिमिट में बदलाव का सबसे बड़ा प्रभाव निवेशकों की रणनीति पर पड़ता है। कम सर्किट लिमिट होने पर शेयर जल्दी फंस सकता है, जिससे निवेशक चाहकर भी खरीद या बिक्री नहीं कर पाते। वहीं अधिक सर्किट लिमिट होने से कीमतें तेजी से ऊपर-नीचे जा सकती हैं, जिससे जोखिम भी बढ़ता है। इसलिए निवेशकों को ऐसे बदलावों के बाद अपने जोखिम प्रबंधन पर खास ध्यान देना चाहिए।

मूवमेंट की संभावना

बाजार के नजरिए से देखा जाए तो सर्किट लिमिट बदलाव से तरलता प्रभावित होती है। ज्यादा लचीली सर्किट लिमिट से ट्रेडिंग वॉल्यूम बढ़ सकता है, क्योंकि निवेशकों को कीमतों में ज्यादा मूवमेंट की संभावना दिखती है। दूसरी ओर, बहुत सख्त सर्किट लिमिट बाजार को सुस्त बना सकती है। संतुलन बनाना यहां सबसे अहम होता है।

बदलाव को समझना जरूरी

छोटे निवेशकों के लिए सर्किट लिमिट बदलाव को समझना जरूरी है। कई बार अफवाहों या अचानक खबरों के कारण शेयर तेजी से सर्किट में पहुंच जाते हैं। ऐसे में बिना जानकारी के निवेश करना नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर है कि निवेशक कंपनी के मूलभूत आंकड़ों, बाजार की स्थिति और सर्किट लिमिट नियमों को ध्यान में रखकर फैसला लें।

बिजनेस ब्रीफ

एनएचपीसी जल्द शुरू करेगी दूसरी इकाई

नई दिल्ली। बिजली कंपनी एनएचपीसी मंगलवार को 2,000 मेगावाट क्षमता वाली सुबनसिरी निचली जलविद्युत परियोजना की दूसरी इकाई का वाणिज्यिक संचालन शुरू करेगी। इसकी लागत 27,000 करोड़ है। एनएचपीसी अरुणाचल और असम की सीमा पर उत्तरी लखीमपुर के पास आठ गुणा 250 मेगावाट क्षमता वाली इस परियोजना का निर्माण कर रही है। यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना है और यह एक रन-ऑफ-रिवर परियोजना है।

जेम नीलामी से 2200 करोड़ की संपत्तियां बिकीं

नई दिल्ली। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक बाजार मंच (जेम) के वायदा नीलामी माड्यूल से 2021 से 2025 के बीच 2,200 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी संपत्तियों का निपटान किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार जेम के वायदा नीलामी से 13,000 से अधिक नीलामियां आयोजित हुईं, जिनमें 23,000 से अधिक बोलीदाताओं ने भाग लिया। जेम के माध्यम से मंत्रालय, विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाएं वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करती हैं।

आईनॉक्स ने वाइब्रेंट का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। आईनॉक्स क्लीन एनर्जी लिमिटेड ने ऑस्ट्रेलिया की मैक्वेरी कॉर्पोरेट होल्डिंग्स और अन्य शेयरधारकों के साथ वाइब्रेंट एनर्जी के अधिग्रहण के लिए अंतिम समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। वाइब्रेंट एनर्जी की कुल स्थापित क्षमता 1,337 मेगावाट है। नोएडा स्थित आईनॉक्सजीएफएल समूह की इस कंपनी ने लेनदेन की राशि सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन उद्योग सूत्रों के अनुसार यह सौदा 5,000 करोड़ में हुआ है।

भारत ने 50 गीगावॉट नवीकरणीय क्षमता जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दो लाख करोड़ का निवेश कर पेरिस समझौते के तहत तय 2030 की समयसीमा से पांच साल पहले हासिल किया लक्ष्य

2026 में भी गति बनी रहने की उम्मीद

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री जोशी ने कहा कि भविष्य उज्ज्वल है और नवीकरणीय ऊर्जा से सभी संयंत्र संचालित होंगे। 2026 में भी यह गति बनी रहने की उम्मीद है। उद्योग के अनुमान के मुताबिक प्रति मेगावॉट निवेश आवश्यकता लगभग चार करोड़ रुपये है। इस तरह 50 गीगावॉट क्षमता जोड़ने के लिए दो लाख करोड़ का निवेश किया गया। प्रीमियर एनर्जीज के मुख्य व्यवसाय अधिकारी विनय रुस्तगी ने कहा कि 2025 नवीकरणीय ऊर्जा के लिए बेहद सक्रिय साल रहा है। नई परियोजनाओं को चालू करने की रफ्तार पिछले साल की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी, जिसमें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और प्रधानमंत्री कुसुम योजना से बड़ा प्रोत्साहन मिला।

2025 में प्रमुख वैश्विक शक्तियों ने नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर कम किया, जबकि इस दौरान भारत ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया। भारत की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आने लगा है। उसने यह लक्ष्य पेरिस समझौते के तहत तय 2030 की समयसीमा से पांच साल पहले हासिल कर लिया।

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता अब करीब 510 गीगावॉट हो गई है, जिसमें 247 गीगावॉट जीवाश्म ईंधन आधारित और 262 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से है। गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों में 254 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा से है। भारत ने 2025 में लगभग 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी, जिसके लिए करीब दो लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया। इससे देश की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता लगभग 262 गीगावॉट तक पहुंच गई।

सरकार को उम्मीद है कि 2026 में भी इसी रफ्तार से क्षमता जोड़ी जाएगी। हालांकि भूमि अधिग्रहण, मार्ग अधिकार और बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) पर हस्ताक्षर में देरी जैसी चुनौतियां नई परियोजनाओं को सीमित कर रही हैं, जिससे लक्ष्य को हासिल करने में कुछ बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। लेकिन सरकार को उम्मीद है कि वह 2026 तक इसे हासिल कर लेगी।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में 2025 में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें जनवरी से नवंबर के बीच करीब 45 गीगावॉट नवीकरणीय क्षमता जोड़ी गई। इसमें लगभग 35 गीगावॉट सौर ऊर्जा का योगदान रहा। दिसंबर के अंत तक हम करीब 48-50 गीगावॉट पर पहुंच जाएंगे।

व्यवसायिक प्रक्रियाओं का संचालन 2026 तक करेगी स्वायत्त एआई : विप्रो सीटीओ

नई दिल्ली, एजेंसी

- संध्या अरुण बोलीं- कंपनियां अब छोटे प्रयोगों से निकलकर संगठन में एआई के प्रयोग पर दे रहीं ध्यान

विप्रो की मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी संध्या अरुण ने कहा कि 2026 तक वैश्विक प्रौद्योगिकी में बड़ा बदलाव आएगा। अरुण के अनुसार कंपनियां अब अलग-अलग कृत्रिम मेधा (एआई) प्रयोगों से आगे बढ़कर स्वायत्त एआई के युग में प्रवेश करेंगी, जिसमें स्वतंत्र एआई एजेंट जटिल व्यावसायिक प्रक्रियाओं का संचालन करेंगे।

अरुण ने बताया कि 2025 में सृजनात्मक एआई का आधार तैयार हुआ, लेकिन 2026 में इसका मुख्य ध्यान बड़े पैमाने पर व्यवसायिक कार्यों में एआई के उपयोग पर होगा। कंपनियां अब छोटे प्रयोगों से निकलकर पूरे संगठन में एआई के प्रयोग पर ध्यान दे रही हैं। एआई 2026 तक एजेंट आईटी, मानव संसाधन, वित्त, विपणन और आपूर्ति श्रृंखला जैसे कार्यों को संभालेंगे। अरुण ने कहा कि एआई के अधिक स्वायत्त होने से मानव कर्मचारियों की भूमिका बदल जाएगी। अब उनका काम केवल कार्य निष्पादन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे एआई के संचालन और समन्वय की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि उद्योग-विशेष एआई मॉडल सामान्य प्रयोजन मॉडल से अधिक सटीक और कम खर्चीले होंगे। प्रोग्राम योग्य मुद्रा और क्वांटम प्रौद्योगिकी भी भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

अरुण ने चेतावनी दी कि एआई-प्रधान दुनिया में कंपनियों की सफलता कार्यबल की तत्परता पर निर्भर करेगी। लगातार प्रशिक्षण, मानव-मशीन सहयोग और नई क्षमताओं का प्रयोग करने वाले कर्मचारी सबसे अधिक सफल होंगे। जो कंपनियां अपने कर्मचारियों में निवेश करेंगी, नवाचार में नियंत्रण लागू करेंगी और अपने संचालन को एआई के अनुसार बदलेंगी, वे भविष्य में सबसे सफल होंगी।

2026-27 में होगा आवास ऋण बही 10 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

- 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बढ़ रही एसबीआई

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का आवास ऋण पोर्टफोलियो मजबूत मांग और कम ब्याज दर व्यवस्था के कारण अगले वित्त वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी ने कहा कि इस वक्त बैंक की आवास ऋण बही नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह बैंक की सबसे बड़ी एकल व्यावसायिक इकाई है और कुल परिसंपत्तियों का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ एसबीआई अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 10 लाख करोड़ रुपये के आवास ऋण पोर्टफोलियो के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है। एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में बैंक की आवास ऋण बही 8.31 लाख करोड़ रुपये की थी। इस दौरान सालाना आधार पर 14.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एसबीआई ने पिछले कई वर्षों के दौरान स्थिर तरीके से अपना आवास ऋण पोर्टफोलियो तैयार किया है। यह आंकड़ा मार्च 2011 में एक लाख करोड़ रुपये से बढ़कर नवंबर 2025 में नौ लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा। इसके अलावा बैंक लगातार सक्रिय निगरानी के कारण इस खंड में गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को एक प्रतिशत से कम रखने में सफल रहा है।

एसएमसी का मकसद नियामकीय अनिश्चितता को खत्म करना : सेबी

नई दिल्ली। प्रतिभूति बाजार संहिता (एसएमसी) विधेयक पूंजी बाजार नियामक सेबी की प्रवर्तन सीमा को तय करता है और निरीक्षण तथा जांच पर आठ साल की वैधानिक सीमा लगाता है। इसका मकसद बाजार भागीदारों पर रहने वाले नियामकीय दबाव को रोकना है। समयसीमा उन मामलों पर लागू नहीं होगी, जिनका प्रतिभूति बाजार पर प्रभाव है।

समय सीमा तय करने के अलावा यह विधेयक समयबद्ध प्रवर्तन ढांचा भी पेश करता है। इसके तहत सेबी को 180 दिनों के भीतर जांच पूरी करनी होगी। साथ ही निवेशक संरक्षण को मजबूत करते हुए लोकपाल आधारित शिकायत निवारण तंत्र की शुरुआत की गई है। पिछले सप्ताह लोकसभा में पेश किए गए विधेयक के अनुसार सेबी को वार्षिक अधिशेष का 25 प्रतिशत खर्चों के लिए एक रिजर्व कोष में रखना होगा।

जिंक बाजार ऊंचे दाम होने से सरसों में लिवाली कमजोर, कारोबारी धारणा हुई प्रभावित

सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल व पाम-पामोलीन में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

- बड़ी मिलों के दामों में उतार-चढ़ाव पैदा करने से छोटी मिलों का कामकाज प्रभावित

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में ऊंचे भाव के कारण मांग प्रभावित रहने की वजह से सरसों तेल-तिलहन तथा लागत से कम दाम पर बिकवाली होने से सोयाबीन तेल तथा सर्दी में मांग प्रभावित रहने से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम में गिरावट रही। दूसरी ओर, सर्दी में सोयाबीन के डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन तथा अच्छी गुणवत्ता वाले मूंगफली की मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में सुधार दर्ज हुआ।

बाजार सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम होने के कारण सरसों में लिवाली कमजोर है। इससे कारोबारी धारणा भी प्रभावित हुई है। सरसों की बड़ी मिलें दामों में उतार-चढ़ाव पैदा करने में लगी हैं जिससे तेल की छोटी मिलों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। सरकार को सरसों की आगामी फसल की खरीद करने के मकसद से अपने पहले के स्टॉक को खाली करने की ओर ध्यान देना होगा। सूत्रों ने कहा कि कमजोर हाजिर दाम होने की वजह से किसान बाजार में आवक कम ला रहे हैं। दूसरा, सर्दियों में सोयाबीन डीओसी की मांग सामान्य तौर पर बढ़ जाती है। इन वजहों से समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तिलहन के दामों में सुधार आया उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, आयातकों द्वारा निरंतर लागत से कम दाम पर बिकवाली करने से सामान्य कारोबारी धारणा प्रभावित रहने के कारण बीते सप्ताह सोयाबीन तेल के दाम में गिरावट रही। वैसे सोयाबीन के हाजिर दाम एमएसपी से लगभग 14-15 प्रतिशत नीचे हैं और हल्के तेलों (साफ्ट आयल) में यह सबसे सस्ता है।

घाटे के कारोबार के लंबे सिलसिले के कारण दिसंबर में सोयाबीन तेल का आयात कम हुआ है और आने वाले महीनों में यह और कम होने की संभावना है। यह एक अजीब बिडंबना है कि जिस देश में खाद्यतेलों की लगभग 60 प्रतिशत की कमी हो, वहां आयातकों को काफी लंबे समय तक लागत से नीचे दाम पर खाद्यतेल बेचना पड़े। इस पहेली को सुलझाने में ही खाद्यतेल-तिलहन कारोबार का बेहतर भविष्य का रास्ता प्रशस्त हो सकता है।

सर्दी में मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार

सूत्रों ने कहा कि मूंगफली का हाजिर दाम एमएसपी से 15-16 प्रतिशत नीचे है। लेकिन अच्छी गुणवत्ता के मूंगफली की सर्दी में मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में सुधार है। उन्होंने कहा कि पाम-पामोलीन तेल के मामले में सट्टेबाज बाजार में सक्रिय हैं। इससे पहले ये सट्टेबाज बाजार में पाम-पामोलीन का दाम ऊंचा बोल रहे थे। सर्दी में पाम पामोलीन की मांग वैसे भी कमजोर रहती है। मांग प्रभावित रहने से बीते सप्ताह पाम-पामोलीन के दाम में गिरावट आई। सुस्त कामकाज के बीच बिनौलातेल के दाम स्थिर बने रहे। सूत्रों ने कहा कि समीक्षकों को पाम-पामोलीन में तेजी की संभावना व्यक्त करते पाया जाता था। लेकिन हकीकत में पाम-पामोलीन के दाम टूट रहे हैं। जब तथ्य अनुमान के उलट हों तो इन समीक्षकों का मौन संदेह पैदा करता है कि इनके हित कहां जुड़े हैं। बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,925-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 25 रुपये की गिरावट के साथ 14,475 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,430-2,530 रुपये और 2,430-2,575 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

जिनेवा स्थित भारत के स्थायी मिशन में की गई दो करोड़ रुपये की हेराफेरी

- सीबीआई ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर शुरू की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जिनेवा स्थित भारत के स्थायी मिशन में तैनात एक पूर्व लेखा अधिकारी द्वारा दो लाख स्विस फ्रैंक (लगभग दो करोड़ रुपये) से अधिक की धोखाधड़ी की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि उसने इस राशि का इस्तेमाल अपने क्रिप्टो-जुआ कारोबार को वित्तपोषित करने के लिए किया।

अधिकारियों ने बताया कि मोहित ने 17 दिसंबर, 2024 को जिनेवा स्थित स्थायी मिशन में सहायक अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला था और उन्हें यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड में भुगतान निर्देशों को व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जहां मिशन के खाते में राशि अमेरिकी डॉलर और स्विस फ्रैंक में जमा की जाती है। उन्होंने बताया कि यह विसंगति सीएचएफ खाते में पाई गई। मिशन ने स्विस वेंडर को उनके चालानों के आधार पर सीएचएफ में भुगतान किया, जिन पर वेंडर के बैंक और चालान विवरण को कोडित करने वाले पूर्व-मुद्रित क्यूआर कोड थे। अधिकारियों के मुताबिक क्यूआर कोड की भौतिक प्रति, डीडीओ तुषार लकरा द्वारा हस्ताक्षरित भुगतान निर्देश पर्चियां, आवश्यक भुगतान करने के लिए यूबीएस को जमा की जाती हैं। उन्होंने बताया कि एक ही बैंक भुगतान निर्देश पर्ची के अंतर्गत कई क्यूआर कोड संकलित करना एक सामान्य प्रक्रिया थी और मोहित को क्यूआर कोड और भुगतान निर्देश पर्चियों को स्वयं यूबीएस ले जाने का कार्य सौंपा गया था।

व्हाट्सएप पर भी हैकर्स की निगाह

मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप का इस्तेमाल कर रहे उपभोक्ताओं को अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है। आपके व्हाट्सएप पर हैकर्स की निगाह है जो जरा सी लापरवाही पर आपके एप को हैक कर आपकी निजी वीडियो, फोटो और चैट आदि को चुराकर सार्वजनिक कर सकते हैं। उनका आपराधिक दुरुपयोग कर आपको ब्लैकमेल भी कर सकते हैं। इस संकट की ओर भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-आईएएन ने आगाह किया है। एजेंसी का कहना है कि आपके व्हाट्सएप में एक डिवाइस लिंकिंग फीचर है जिसकी खामियों का बेजा इस्तेमाल कर हैकर्स आपकी व्यक्तिगत जानकारी हासिल कर सकते हैं। एजेंसी का कहना है कि उक्त खामी का फायदा उठाकर हैकर्स किसी भी व्हाट्सएप अकाउंट पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर सकते हैं। ऐसे में इस ओर बहुत सतर्कता बरतने की जरूरत है।

यूजर्स बरतें सावधानी

व्हाट्सएप को ऐसे रखें सुरक्षित

- अपने मोबाइल को दो-फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्षम करें, यह आपके अकाउंट को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा अपने फोन के पिन नंबर को सुरक्षित रखें और उसे किसी के साथ साझा न करें। फिशिंग लिंक और अज्ञात नंबरों से सावधान रहें। अपने डिवाइस को अपडेट रखें और मालवेयर स्कैन करें। व्हाट्सएप को आधिकारिक वेबसाइट से ही डाउनलोड करें। अज्ञात डिवाइस से लॉगिन न करें और अपने अकाउंट को सुरक्षित रखें। अपने मोबाइल के पासवर्ड को नियमित रूप से बदलते रहें।

इस तरह से हो सकती है हैकिंग

- फिशिंग अटैक : हैकर्स आपको एक फिशिंग लिंक भेज सकते हैं जो आपके व्हाट्सएप अकाउंट की जानकारी चोरी कर सकता है।
- एसएमएस हैकिंग : हैकर्स आपके फोन नंबर को हैक करके व्हाट्सएप का वेरिफिकेशन कोड प्राप्त कर सकते हैं।
- मालवेयर : हैकर्स आपके डिवाइस में मालवेयर इंस्टॉल कर सकते हैं जो आपके व्हाट्सएप अकाउंट की जानकारी चोरी कर सकता है।

क्या है डिवाइस लिंकिंग

- व्हाट्सएप का डिवाइस लिंकिंग फीचर आपको अपने व्हाट्सएप अकाउंट को एक से अधिक डिवाइस में इस्तेमाल करने की अनुमति देता है। इसके माध्यम से आप अपने फोन के अलावा टैबलेट, डेस्कटॉप या दूसरे फोन में भी व्हाट्सएप चला सकते हैं। इस फीचर से आप अपने अकाउंट को एक प्राइमरी डिवाइस (फोन) से लिंक कर सकते हैं और फिर अन्य डिवाइस में व्हाट्सएप वेब या डेस्कटॉप एप के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। जब आप किसी नए डिवाइस में लॉगिन करते हैं, तो आपको क्यूआर कोड स्कैन करना होता है जो आपके प्राइमरी फोन पर दिखाई देता है।

घोस्ट पेयरिंग

- डिवाइस लिंकिंग के माध्यम से किए जाने वाले हैकिंग को घोस्ट पेयरिंग भी कहते हैं। पेयरिंग के लिए प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है लेकिन दुर्भावनापूर्ण तत्व प्रमाणीकरण के बिना ही पेयरिंग कोड का उपयोग करके व्हाट्सएप अकाउंट कर ले रहे हैं। इसके लिए वे व्हाट्सएप की डिवाइस लिंकिंग सुविधा का ही फायदा उठा रहे हैं। इसमें साइबर अपराधी को पासवर्ड या सिम स्वैप की भी जरूरत नहीं पड़ती है।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंकाई रेडियो सेवा के पूरे हुए 100 वर्ष

कोलंबो। हिंदी फिल्म संगीत को बिनाका गीतमाला जैसे अनूठे साप्ताहिक कार्यक्रम के जरिये लोकप्रिय बनाने वाली श्रीलंका की रेडियो सेवा ने इस हफ्ते अपने सौ वर्ष पूरे कर लिए। श्रीलंका की यह रेडियो सेवा पूरे भारत में कभी रेडियो सीलोन के नाम से लोकप्रिय थी। श्रीलंका की रेडियो सेवा आधिकारिक तौर पर 16 दिसंबर, 1925 को शुरू की गई थी। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, यह एशिया का पहला व्यावसायिक शॉर्ट-वेव स्टेशन था। श्रीलंका ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ने कहा कि राष्ट्रीय रेडियो के पास एशिया में रिकॉर्ड किए गए गानों का सबसे बड़ा संग्रह है।

तुर्किए में सड़क हादसे में पांच मरे, एक घायल

इस्तांबुल। तुर्किए के पश्चिमी प्रांत कैनाक्कले में रविवार तड़के पुलिस की रूकने की चेतावनी को नजरअंदाज कर वाहन गलत दिशा में ले जाने के मामले में सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गयी और एक अन्य घायल हो गया। यह दुर्घटना लैपसेकी जिले और कैनाक्कले शहर के केंद्र को जोड़ने वाले एक राजमार्ग पर हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक ड्राइवर ने रुकने के पुलिस आदेश का पालन नहीं किया और भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसका पीछा किया।

जापान के अमोरी प्रांत में 5.5 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो। उत्तरी जापान के अमोरी प्रान्त के तट पर रविवार को 5 .5 की तीव्रता वाला भूकंप आया। जापान मौसम एजेंसी के अनुसार भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 10 :29 बजे अमोरी के प्रशांत तट पर 50 किमी की गहराई में आया। भूकंपीय पैमाने पर इसकी तीव्रता 4 मापी गई। भूकंप का केंद्र 40 .7 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142 .3 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। इसे लेकर सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

वेस्ट बैंक में 19 यहूदी बस्तियों को मंजूरी

तेल अवीव। इजराइल के धुर दक्षिणपंथी वित्त मंत्री ने बताया कि उनके देश के मंत्रिमंडल ने रविवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 19 नयी बस्तियों की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री बेत्जालेल स्मोट्रिच के अनुसार, इन बस्तियों में दो ऐसी बस्तियां भी शामिल हैं जिन्हें 2005 की सैन्य वापसी योजना के दौरान खाली कराया गया था। स्मोट्रिच वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।

उच्चायोग की सुरक्षा में चूक नहीं दुष्प्रचार न करे बांग्लादेशी मीडिया

विदेश मंत्रालय ने कहा-भारत विदेशी मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध

- बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों पर जताई कड़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा के बारे में बांग्लादेशी मीडिया में किए जा रहे दुष्प्रचार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि उच्चायोग की सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई है और लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के सामने शनिवार को हुए प्रदर्शन के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में रविवार को कहा कि भारत वियना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी मीडिया इस बारे में दुष्प्रचार कर लोगों को गुमराह कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि हमने इस घटना पर बांग्लादेशी मीडिया के कुछ हिस्सों में गुमराह करने वाला दुष्प्रचार देखा है। सच यह है कि 20 दिसंबर को नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने लगभग 20-25 युवा इकट्ठा हुए और उहोंने मैमनसिंह में दीपू चंद्र दास की भयानक हत्या के विरोध में नारे लगाए, साथ ही बांग्लादेश में सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की भी मांग की। किसी भी समय बाड़ तोड़ने या सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने कुछ ही मिनटों में ग्रुप को तितर-बितर कर दिया। इन घटनाओं के विजुअल सबूत सभी के देखने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। भारत वियना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों/पोस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश में बदलती स्थिति पर कड़ी नज़र रखे हुए है। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकारी बांग्लादेशी अधिकारियों के संपर्क में हैं और हमने अल्पसंख्यकों पर हमलों पर कड़ी चिंता जताई है। हमने यह भी आग्रह किया है कि दास की बर्बर हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। कुछ लोगों ने शनिवार रात बांग्लादेश उच्चायोग के सामने प्रदर्शन किया और वहां की अंतरिम सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

बंगबंधु हॉस्टल का नाम उस्मान हादी किया गया

ढाका। ढाका विश्वविद्यालय के बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान छात्रावास का नाम बदलकर शरीफ उस्मान हादी के नाम पर रख दिया गया है। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, छात्रावास (हॉल) में रहने वाले छात्रों के संगठन हॉल यूनियन ने शनिवार को मुख्य द्वार पर लगी नामपट्टिका को हटाकर उसकी जगह शहीद शरीफ उस्मान हादी हॉल की नई नामपट्टिका लगा दी। उन्हें 12 दिसंबर को ढाका के बिजयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। सिंगापुर में इलाज के दौरान गुरुवार को उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद पूरे बांग्लादेश में हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। छात्रों ने छात्रावास की मुख्य इमारत पर बने बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के भित्तिचित्र पर पेंट कर दिया। हॉल काउंसिल के उपाध्यक्ष मुस्लिमुर रहमान ने कहा कि हमने छात्रों के फैसले के आधार पर नाम बदला है।

हिंदू युवक की हत्या मामले में दो और गिरफ्तार, अब तक 12 पकड़े गए

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर की गई हत्या के मामले में रविवार को दो और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। डेली स्टार समाचारपत्र ने पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन के सूत्रों के हवाले से बताया कि हालिया गिरफ्तारियों के साथ ही, हत्या में संलिप्तता के आरोप में अब तक 12 लोगों को पकड़ा गया है। कारखाने में श्रमिक के तौर पर कार्यरत दास को गुरुवार को पहले एक भीड़ ने ईशनिंदा के आरोपों में पीटकर मार डाला था और उसके शव को मैमेनसिंह में आग लगा दी थी। पीड़ित के भाई अपू चंद्र दास ने शुक्रवार को भालुका पुलिस थाने में 140-150 अज्ञात लोगों के खिलाफ एक मामला दर्ज कराया। आरोप है कि दास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा था जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची थी। हालांकि, मैमेनसिंह में आरएबी-14 के कंपनी कमांडर मोहम्मद शम्सुज्जमान ने शनिवार को बताया कि ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह संकेत मिले कि दास ने सोशल मीडिया पर ऐसा कुछ पोस्ट किया था जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची हो। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय लोग या कपड़ा कारखाने के अन्य कर्मचारी भी ऐसी किसी गतिविधि की ओर इशारा नहीं कर सके। शम्सुज्जमान ने कहा कि अब हर कोई कह रहा है कि निजी रूप से उसे ऐसा कुछ कहते हुए नहीं सुना।

बाइक पर निकले सेंटा...

क्रिसमस की खुशियां देशभर में शुरू हो गई हैं। लोग अपने-अपने तरीके से खुशी का इजहार कर रहे हैं। रविवार को बेंगलुरु में एक रैली में लोग सेंटा क्लाज की पोशाक पहन बाइक पर निकले और प्रभु यीशु का संदेश दिया।

700 अरब डॉलर से ज्यादा हुई एलन मस्क की संपत्ति

वॉशिंगटन। अमेरिका के उद्योगपति एलन मस्क 700 अरब डॉलर से ज्यादा की सम्पति वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए है। फोर्ब्स मैगज़ीन ने यह जानकारी दी है। डेलावेयर शीर्ष अदालत के मस्क के 2018 टेस्ला स्टॉक विकल्प पैकेज को अमान्य करने वाले निचली अदालत के फैसले को पलटने के बाद मस्क की दौलत बढ़ गई, जिसकी अब कीमत 139 अरब डॉलर है। फोर्ब्स ने कहा कि मस्क की कुल सम्पति 749 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। जो पहले 600 अरब अमरीकी डॉलर से ज्यादा थी।

दक्षिण अफ्रीका के पब में गोलीबारी में नौ की मौत

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

- बेकर्सडेल कस्बे में हुई घटना में 10 लोग घायल

दक्षिण अफ्रीका के एक पब में शनिवार देर रात बंदूकधारियों के एक समूह द्वारा की गई गोलीबारी में नौ लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार देर रात एक बजे से ठीक पहले बेकर्सडेल कस्बे में हुई, जो जोहानिसबर्ग से 46 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। दक्षिण अफ्रीका में तीन सप्ताह में गोलीबारी की यह दूसरी घटना है। पुलिस के अनुसार, एक सफेद मिनी-बस और एक सिल्वर रंग की कार में सवार लगभग 12 अज्ञात संदिग्धों ने बेकर्सडेल के टैम्बो इलाके में स्थित क्वानोक्सोलो पब में ग्राहकों पर गोलियां चलाईं। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और 10 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। बंदूकधारियों ने सड़कों पर कुछ लोगों को निशाना बना अंधाधुंध गोलीबारी की। प्रांतीय पुलिस आयुक्त फ्रेड केकाना ने बताया कि मृतकों में से एक ऑनलाइन कार-हाइलिंग सेवा का चालक था, जो पब के बाहर खड़ा था।

इमरान ने किया देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान

इस्लामाबाद, एजेंसी

- तोशखाना केस में खान दंपती को मिली है 17-17 वर्ष की सजा

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भ्रष्टाचार के एक मामले में उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17 साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद अपने समर्थकों से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

तोशाखाना 2 भ्रष्टाचार मामले में खान और उनकी पत्नी बुशरा को शनिवार को एक अदालत ने 17-17 साल जेल की सजा सुनाई। तिहत्तर वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। अप्रैल 2022 में सत्ता से बाहर होने के बाद से उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं। खान के एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, सैन्य शैली में आए मुकदमे के फैसले के बाद खान ने अपने समर्थकों से विरोध प्रदर्शन करने का आग्रह किया। यह पता नहीं चल पाया है कि खान के सोशल मीडिया हैंडल तक पहुंच न होने के चलते बातचीत को उनके खाते पर किसने पोस्ट किया।

अमेरिकी सेनाओं ने तेल टैंकर रोका

वाशिंगटन। अमेरिकी सेनाओं ने शनिवार को वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर को रोक लिया। इस प्रकार की कार्रवाई दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार की गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ाने के लिए तेल टैंकरों को जब्त किए जाने का हाल में संकल्प लिया था। ट्रंप ने वेनेजुएला में आने-जाने वाले सभी प्रतिबंधित तेल टैंकर को रोकने की घोषणा की थी। अमेरिकी सेनाओं ने 10 दिसंबर को भी वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर को जब्त किया था।

अमेरिकी वेबसाइट से 16 एप्स्टीन फाइलें गायब

- गायब फाइलों में राष्ट्रपति ट्रंप व उनकी पत्नी की तस्वीरें भी थीं

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी विधि विभाग की वेबसाइट के उस विभाग से कम से कम 16 फाइलें गायब हो गई हैं, जहाँ फाइनेंसर जेफरी एप्स्टीन के मामले से संबंधित दस्तावेज प्रकाशित किए गए थे।

अमेरिकी विधि विभाग ने शनिवार को कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी और कई रिपब्लिकन सांसदों के समर्थन से पारित एक कानून के तहत एप्स्टीन मामले की कुछ सामग्री जारी की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

डोनाल्ड ट्रंप के एप्स्टीन के साथ संबंध होने का संदेह है, हालांकि अभी तक कोई विशिष्ट सबूत पेश नहीं किया गया है कि अमेरिकी नेता बच्चों के यौन शोषण में शामिल थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, गायब फाइलों में नग्न महिलाओं की पेंटिंग की तस्वीरें शामिल थीं। साथ ही एक ऐसी तस्वीर भी गायब है जिसमें एक ड्रेसर और दराजों पर रखी तस्वीरों की एक श्रृंखला दिखाई गई थी, जिसमें एप्स्टीन, मेलानिया ट्रंप और एप्स्टीन की लंबे समय तक सहयोगी रही घिसलेन मैक्सवेल के साथ ट्रंप की एक तस्वीर भी शामिल थी। जुलाई 2019 की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर की एक मैनहट्टन अदालत ने एप्स्टीन को हिरासत में रखने का आदेश दिया था। उसी वर्ष जुलाई के अंत में एप्स्टीन जेल की एक सेल में बेहोशी की हालत में पाया गया था, बाद में उसकी मौत हो गयी थी।

सेक्स ट्रैफिकिंग का अरोपी था एप्स्टीन

एप्स्टीन पर 2019 में संयुक्त राज्य अमेरिका में सेक्स ट्रैफिकिंग और अपराध करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, जिसमें उसे 40 वर्षों से अधिक की जेल का सामना करना पड़ सकता था। अभियोजकों के अनुसार 2002 और 2005 के बीच एपस्टीन ने दर्जनों नाबालिग लड़कियों के साथ यौन संबंध बनाए, जिन्हें उसने न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में अपने आवासों पर बुलाया था। वह उन्हें नकद भुगतान करता था और फिर कुछ पीड़ितों को और लड़कियों को लाने के लिए रिक्रूटर्स के रूप में नियुक्त करता।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 10 .51 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

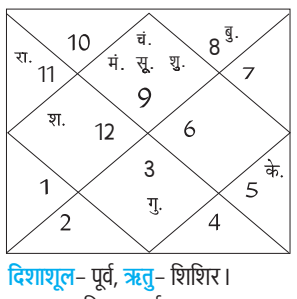

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 23 दिसंबर 05 .32 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष - आज व्यवसाय में धन कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ने वाली है। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। संतान को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे।

वृष - आज अपनी प्रतिभा को निखारने का प्रयास करेंगे। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रेम संबंधों में कड़वाहट बढ़ सकती है। संपत्ति को लेकर परेशानियों का सामना कर पड़ सकता है। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध न करें।

मिथुन - आज बेरोजगार लोग जॉब को लेकर थोड़े चिंता में रहेंगे। सोशल मीडिया पर आप काफी सक्रिय रहेंगे। राजनीतिक बहसबाजी के कारण आपके नजदीकी संबंध खराब हो सकते हैं। यात्रा के दौरान असुविधा होने की संभावना बन रही है।

कर्क - आज व्यापारिक डील के लिए समय बहुत अच्छा है। आपकी तार्किक क्षमता में वृद्धि होगी। बुद्धिमान लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। दूसरे शहरों की यात्रा कर सकते हैं। नजदीकी मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें।

सिंह - आज आप मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। बोलते समय अपने शब्दों में नियंत्रण रखें। वैवाहिक जीवन काफी अच्छा रहेगा। संपत्ति से जुड़े मामलों के लिए दिन शुभ रहेगा। भोजन में शुद्धता और पौष्टिकता का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या - आज कारोबार में नया प्रयोग करने के लिए दिन शानदार है। विवादित मामलों के सुलझने के योग बन रहे हैं। सुख-सुविधाओं में आप काफी धन खर्च कर सकते हैं। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

तुला - आज नजदीकी लोग आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं। छोटी-छोटी बातों को लेकर थोड़ा परेशान होना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति को लेकर थोड़ा तनाव रहेगा, लेकिन आपको गलत मार्गों का चयन करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक - आज आपके व्यवहार से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे। आयात-निर्यात संबंधी व्यवसाय से बड़ा लाभ अर्जित कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। जोड़ों में दर्द और गठिया से पीड़ित जातकों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

धनु - आज मध्यस्थता के जरिए अनेक समस्याओं का समाधान कर लेंगे। आपकी बौद्धिकता दूसरों की समस्याओं का समाधान करने में मदद करेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। व्यावसायिक अनुबंधों के लिए दिन बेहद शुभ है।

मकर - आज धार्मिक कार्यों में आप काफी रुचि लेंगे। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर काफी सावधान रहेंगे। आपकी अधूरी इच्छाओं को पूरा करने का अवसर प्राप्त होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव हो सकता है। दूसरों के साथ अपनी तुलना न करें।

कुंभ - आज अधिक सोच-विचार करने के कारण तनाव में आ सकते हैं। मार्केटिंग से जुड़े कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। यदि आपका वजन बढ़ा हुआ है तो योग्य चिकित्सक या न्यूट्रीशन विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें।

मीन - आज काम को आगे बढ़ाने को लेकर बेहतरीन अवसर मिलेंगे। अविवाहितों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं। रुका हुआ काम पूरा होने से आपका मन शांत रहेगा। समय से पहले महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण कर लेने से मन उत्साहित होगा।

सुडोकू - 9

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			4			5	3	
4			8					1
9	2		1		6			4
		2	3			9		
	8	7				3	4	
		1			2	6		
8			9		5		2	3
1					8			7
	3	6			4			

सुडोकू - 8 का हल

2	8	6	1	4	3	9	5	7
9	7	1	5	2	6	3	4	8
3	5	4	7	8	9	1	2	6
7	1	8	3	6	4	2	9	5
6	2	3	9	7	5	4	8	1
4	9	5	2	1	8	7	6	3
5	3	2	8	9	7	6	1	4
1	6	7	4	5	2	8	3	9
8	4	9	6	3	1	5	7	2

पहले तीन टेस्ट मैचों में उनकी टीम ऑस्ट्रेलिया के जबरदस्त हमले को झेल नहीं सकी। यह वाकई बहुत खराब लगता है। अब यह जानना कि हम यहां जो हासिल करने आए थे, वह नहीं कर सकते यह स्पष्ट तौर पर बहुत निराशाजनक है।

-बेन स्टोक्स, इंग्लैंड के कप्तान

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 22 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

खेल को राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए : भूटिया

कोलकाता। भारत के पूर्व फुटबॉल कप्तान बाइचुंग भूटिया ने रविवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में लियोनेल मेस्सी के सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हुई अव्यवस्था को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि खेल आयोजनों को राजनीतिक और नौकरशाही औपचारिकताओं से ज्यादा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कोलकाता में एक कार्यक्रम के बाद भूटिया ने कहा कि प्रशंसक राजनीतिक भाषणों या औपचारिक देरी के लिए नहीं बल्कि खेल और खिलाड़ियों को देखने आते हैं। उन्होंने कहा मेरा मानना है कि जब कोई खेल आयोजन होता है तो खेल को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

एमबाप्पे ने रोनाल्डो की बराबरी की

बार्सिलोना। स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे ने अपने 27वें जन्मदिन पर साल 2025 में रियल मैड्रिड के लिए अपना 59वां गोल करके एक साल में सबसे अधिक गोल करने के क्लब रिकॉर्ड की बराबरी की, जो कि अब तक क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज था। फ्रांस के स्ट्राइकर एमबाप्पे के लिए यह उपलब्धि हासिल करना लगभग असंभव रहा था, क्योंकि रियाल मैड्रिड का यह इस साल का आखिरी मैच था। एमबाप्पे ने हालांकि मैच खत्म होने से चार मिनट पहले पेनल्टी किक को गोल में बदलकर रोनाल्डो की बराबरी की जिससे रियाल मैड्रिड ने सेविला पर 2-0 से जीत दर्ज की। रोनाल्डो ने 2013 में यह रिकॉर्ड बनाया था।

मॉरीशस ओपन में 32वें स्थान पर रहे शुभंकर

पोर्ट लुई (मॉरीशस)। शुभंकर शर्मा अफ्रएशिया बैंक मॉरीशस ओपन के अंतिम दिन रविवार को यहां तीन अंडर 69 का स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से 32वें स्थान पर रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में 74-69-71-69 के कार्ड के साथ कुल पांच अंडर का स्कोर बनाया।

भारत का चैंपियन बनने का सपना लगातार दूसरी बार टूटा

अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान ने 191 रनों से हराया

दुबई, एजेंसी

समीर मिन्हास की तूफानी बल्लेबाजी के बाद तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने रविवार को यहां अंडर-19 वनडे एशिया कप के एकतरफा फाइनल में भारत को 191 रन के बड़े अंतर से शिकस्त दी। भारतीय टीम का लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का सपना टूट गया। पिछली बार 2024 में बांग्लादेश ने भारत को हराकर फाइनल जीता था।

पाकिस्तान ने इस तरह अपना दूसरा अंडर-19 एशिया कप खिताब जीता। पिछले कुछ समय से चले आ रहे रिवाज को आगे बढ़ते हुए दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैच के बाद एक-दूसरे का अभिवादन (हाथ मिलाने) करने से परहेज किया।

मिन्हास की 113 गेंद में 17 चौके और नौ छक्के की मदद से बनाये 172 रन के बूते पाकिस्तान ने आठ विकेट पर 347 रन का स्कोर खड़ा करने के बाद भारत को 26.2 ओवर में 156 रन पर आउट कर दिया।

अली रजा (42 रन पर चार विकेट), मोहम्मद सय्याम (38 रन पर दो विकेट) और अब्दुल सुभान (29 रन पर दो विकेट) की पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों तिकड़ी ने आठ विकेट साझा कर भारत के बल्लेबाजों को क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं दिया।

मिन्हास को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा यह एक अच्छी पारी थी। मेरे मन में बड़ा स्कोर बनाने का इरादा था और मैं अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था। पिच को देखते हुए हम पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे। यह मेरे लिए बहुत यादगार है। म्हात्रे (दो) के जल्दी आउट होने के बावजूद भारत की पारी की शुरुआत धमाकेदार रही।

वैभव सूर्यवंशी (26) ने रजा की गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर पहले ओवर में 21 रन बनाए। आरोन जॉर्ज (16) ने भी अच्छी शुरुआत की और चौथे ओवर में सय्याम की गेंदों पर लगातार तीन चौके लगाये जिससे टीम चार ओवर के अंदर ही 49 रन तक पहुंच गयी। मैच का रूख चौथे ओवर की आखिरी गेंद पर जॉर्ज के आउट होते ही बदल गया।

सय्याम की शॉट गेंद पर जॉर्ज ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हवा में लहराकर मोहम्मद शयान के हाथों में चली गई। पांचवें ओवर की पहली गेंद पर सूर्यवंशी के आउट होने से भारत को बड़ा झटका लगा। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रजा की गेंद पर जोरदार शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन अतिरिक्त उछाल के कारण गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर जहूर हमजा के दस्तानों में जा गिरी। रजा और पाकिस्तान के क्षेत्ररक्षकों ने इस विकेट का जमकर जश्न मनाया। इस दौरान पाकिस्तान के खिलाड़ियों और सूर्यवंशी के बीच कुछ कहा-सुनी भी हुई लेकिन वह निराश मन से मैदान से बाहर चले गए। भारत का स्कोर दो गेंदों के अंतराल में एक विकेट पर 49 रन से तीन विकेट पर 49 रन हो गया। भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआती झटकों के बावजूद गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलने हुए विकेट गंवाना जारी रखा। वेदांत त्रिवेदी (नौ) और कनिष्क चौहान (सात) भी शॉर्ट गेंद पर चलते बने और अभिज्ञान कुंडू (13) के आउट होते ही भारत की उम्मीद खत्म हो गई। टूर्नामेंट में दोहरा शतक जड़ने वाले कुंडू 12 रन मिले जीवनदान का फायदा उठाने में नाकाम रहे।

ट्रॉफी के साथ पाकिस्तान की टीम।

- पाकिस्तानी बल्लेबाज समीर मिन्हास के तूफानी शतक के बाद तेज गेंदबाजों ने दिखाया दम
- सूर्यवंशी (26) ने पहले ओवर में 21 रन बनाकर तेज शुरुआत की पर वह जल्द आउट हो गए

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान	347/8	(50 ओवर)
भारत	156/10	(26.2 ओवर)

1989 में शुरू हुए टूर्नामेंट में भारत ने रिकॉर्ड आठ बार यह खिताब जीता है। भारत 2012 में पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता रहा था, क्योंकि तब मैच टाई हो गया था।

खराब गेंदबाजी का भुगतना पड़ा खामियाजा : म्हात्रे

भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि उनकी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन खिताबी मुकाबले में टीम को खराब गेंदबाजी का खामियाजा उठाना पड़ा। हमने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन गेंदबाजी में कुछ अनियमितताएं थीं। हमारी योजना पूरे 50 ओवर खेलने की थी। टीम के खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ ने कहा कि लीग चरण में भारत से हार के बावजूद टीम के हौसले बुलंद थे। हम सामूहिक प्रदर्शन से बहुत खुश हैं। हम भारत के खिलाफ पहला मैच हार गए थे, लेकिन हमारे प्रबंधन ने हमसे अच्छी बातचीत की और हम फाइनल मुकाबले को जीतने में कामयाब रहे।

विकेट लेने पर दीप्ति शर्मा को बधाई देतीं कप्तान हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

महिला टीम ने श्रीलंका को 8 विकेट से रौंदा

विशाखापत्तनम, एजेंसी

- जेमिमा रॉड्रिग्स ने ताबड़तोड़ नाबाद 69 रनों की पारी खेली

गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमिमा रॉड्रिग्स 44 गेंदों में (नाबाद 69) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार पहले टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 32 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

122 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला टीम को पहला झटका दूसरे ही ओवर में शेफाली वर्मा (नौ) के रूप में लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने जेमिमा रॉड्रिग्स ने स्मृति मंधाना के साथ पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़े। नौवें ओवर में इनोका रणावीरा ने स्मृति मंधाना 25 गेंदों में (25) रन को आउटकर पवेलियन भेज दिया। भारतीय टीम ने 14.4 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया। जेमिमा रॉड्रिग्स ने 44 गेंदों में 10 चौके लगाकर 69 रनों की नाबाद पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर 15 रन बनाकर कर नाबाद रही। श्रीलंका के लिए इनको राणावीरा और काव्या कविंदी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में कप्तान चामरी अटापट्टू (15) का विकेट गंवा दिया। उन्हें क्रांति गौड ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हसिनी परेरा ने विष्मी गुणरत्ने के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने हसिनी परेरा (20) आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। श्रीलंका का तीसरा विकेट हर्षिता समाराविक्रमा (21) के रूप में गिरा। उन्हें श्री चारणी ने बोल्ड आउट किया। नीलाक्षी डिसिल्वा (आठ) और कविशा दिलहारी (छह) रनआउट हुई।

श्रीलंका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 121 रनों का स्कोर खड़ा किया था। भारत के लिए क्रांति गौड, दीप्ति शर्मा और श्रीचारणी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जेमिमा रॉड्रिग्स। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट भी जीता

एडिलेड, एजेंसी

- रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को 82 रनों से हराया
- दो टेस्ट शेष रहते हुए ही एशेज बरकरार रखी

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें और अंतिम दिन रविवार को यहां आखिरी चार विकेटों में से तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने 82 रनों से जीत दर्ज करके दो टेस्ट शेष रहते हुए एशेज बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की। इंग्लैंड ने 435 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 207 रन से आगे बढ़ाई। उसे तब जीत के लिए 228 रन चाहिए थे, जबकि आस्ट्रेलिया को एशेज को बरकरार रखने के लिए चार विकेट की जरूरत थी। इंग्लैंड की टीम हालांकि लंच के बाद 352 रन पर आउट हो गई और इस तरह से उसकी अप्रत्याशित जीत दर्ज करके विश्व रिकॉर्ड बनाने और एशेज में बने रहने की उम्मीदों पर तुषारापात हो गया।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मैच के बाद कहा बहुत अच्छा लग रहा है। हमने कर दिखाया। ऑस्ट्रेलिया में आप कुछ भी चीज को हासिल करने के लिए जल्दबाजी नहीं कर सकते। इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होती है और मुझे खुशी है कि हमारे सभी खिलाड़ियों ने मेहनत की। मैंने नहीं सोचा था कि मैच इतना करीबी हो जाएगा लेकिन मैं परिणाम से बहुत खुश हूं।

इंग्लैंड ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जनवरी 2011 में जीता था, जिसके बाद से 5,462 दिन बीत चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने उसके बाद से अपनी धरती पर 5-0, 4-0, 4-0 से सीरीज जीती है और अब वह 3-0 से आगे है।

जीत का जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

(ऑस्ट्रेलिया) (प्रथम पारी)	371/10
(इंग्लैंड) (प्रथम पारी)	286/10
(ऑस्ट्रेलिया) (दूसरी पारी)	349/10
(इंग्लैंड) (दूसरी पारी जारी)	352/10

ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम का सम्मान किया गया

मुंबई : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्व कप जीतने वाली भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को 19 दिसंबर को मुख्यालय में गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए सम्मानित किया। बीसीसीआई की ओर से रविवार को बताया गया कि भारतीय ब्लाइंड महिला जो पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही।

बीसीसीआई के मानद कोषाध्यक्ष रघुराम भट्ट ने उन्हें सम्मानित किया, खिलाड़ियों से बातचीत की और बोर्ड की ओर से हार्दिक बधाई दी। यह दौरा भारत में ब्लाइंड महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जो राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल के लिए बढ़ती पहचान और समर्थन को रेखांकित करता है।

भारत ने नेपाल के खिलाफ फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। भारतीय टीम ने 115 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 12.1 ओवर में सात विकेट से जीत दर्ज की।

2025 भारतीय फुटबॉल के लिए रहा निराशा भरा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल के लिए वर्ष 2025 निराशा से भरा रहा, जिसमें उसे गंभीर प्रशासनिक संकट, अदालती सुनवाई, वित्तीय समस्याओं, घरेलू लीग के अभाव और सीनियर पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन से जूझना पड़ा।

इस साल भारत की सीनियर पुरुष टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। उसे ढाका में नवंबर में खेले गए 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा। यह बांग्लादेश के खिलाफ पिछले 22 वर्षों में उसकी पहली पराजय थी।

भारतीय टीम वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई थी, लेकिन इस साल वह कुछ जीत हासिल करने में कामयाब रही, जिसमें सितंबर में मध्य एशियाई देशों ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में आयोजित सीएएफए नेशंस कप में कांस्य पदक जीतना भी शामिल है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मैचों में भारत अपेक्षित प्रदर्शन करने में विफल रहा और 2011 के बाद पहली बार एशियाई कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका, जिससे टीम फीफा रैंकिंग में और नीचे खिसक गई।

बांग्लादेश के अलावा भारतीय पुरुष टीम को हांगकांग और सिंगापुर जैसी कम रैंकिंग वाली टीमों से भी हार का सामना करना पड़ा। सिंगापुर से 1-2 से मिली हार ने एशियाई कप में प्रवेश करने की उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जहां एक ओर पुरुष टीम मैदान पर संघर्ष कर रही थी वहीं दूसरी ओर प्रशासक मैदान के बाहर की समस्याओं से जूझ रहे थे। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) का रिलायंस के स्वामित्व वाली फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) के साथ पिछला अनुबंध आठ दिसंबर को समाप्त हो गया। इसके बाद वह इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के लिए एक नया वाणिज्यिक भागीदार नहीं जुटा पाया जिससे इस खेल पर संकट पैदा हो गया। यही वजह है कि देश की सर्वोच्च फुटबॉल लीग आईएसएल अभी तक शुरू नहीं हो पाई है जबकि सामान्य परिस्थितियों में उसे शुरू हुए अब तक तीन महीने हो गए होते। प्रायोजक पीछे हट रहे हैं, क्लबों ने अपने संचालन को रोक दिया है और खिलाड़ी एक अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं, जबकि उन्होंने इस मुद्दे को हल करने के लिए प्रत्येक हितधारक से गुहार लगाई थी। वर्तमान समय में जो स्थिति बनी हुई है उसे देखते हुए घरेलू लीग के भविष्य पर गंभीर संदेह मंडरा रहा है। हालांकि महिला राष्ट्रीय टीमों और जूनियर टीमों ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया, जिससे बेहतर भविष्य की उम्मीदें जगी हैं। महिला टीम ने जुलाई में थाईलैंड के चियांग माई में एएफसी महिला एशियाई कप 2026 के लिए सीधे क्वालीफाई करके इतिहास रचा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी जताई चिंता

इस वर्ष उच्चतम न्यायालय में लगातार सुनवाई हुई और संकट के समाधान के लिए केंद्रीय खेल मंत्रालय ने हस्तक्षेप किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हुए भारतीय फुटबॉल के सभी हितधारकों से देश में खेल के विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

टाटा स्टील वर्ल्ड रेस | युगांडा के दो बार के ओलंपिक चैंपियन चेप्टेगेई ने जीती 25 किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता

भारतीय धावकों ने किया शानदार प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

युगांडा के दो बार के ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगेई ने रविवार को टाटा स्टील वर्ल्ड 25 किलोमीटर कोलकाता 2025 दौड़ में समय 1:11:49 के साथ पुरुषों के एलीट वर्ग में खिताबी जीत दर्ज की। इस दौड़ में भारतीय धावक गुलवीर सिंह और सीमा ने क्रमशः भारतीय पुरुष और महिला खिताब जीते, दोनों ने नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए।

पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर में विश्व रिकॉर्डधारी चेप्टेगेई ने 25 किलोमीटर की दूरी 1:11:49 का समय निकालकर विश्व स्तरीय पुरुषों के एलीट वर्ग में शानदार जीत दर्ज की। यह जीत इस साल भारत में चेप्टेगेई की दूसरी जीत है। तीन ओलंपिक पदक, जिसमें दो स्वर्ण पदक शामिल हैं, के साथ कई बार के विश्व चैंपियन युगांडा के महान धावक चेप्टेगेई ने अपनी सहनशक्ति और सामरिक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सिंबू, और लेसोथो के टेबेलो रामाकोंगोआना से आगे रहे। इससे पहले उन्होंने अप्रैल में वर्ल्ड 10किमी. बेंगलुरु जीती थी। भारतीय पुरुषों की एलीट दौड़ में, गुलवीर सिंह ने शानदार तरीके से अपना खिताब बचाव किया और 1:12:06 के समय के साथ एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। यह प्रदर्शन पिछले साल इसी कोर्स पर बनाए गए उनके अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1:14:10 से बेहतर है। गुलवीर ने पुरुषों की एलीट स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर रहे और वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस में अंतर्राष्ट्रीय सितारों और ओलंपियनों से भरे क्षेत्र में अपनी जगह बनाई।

25 किमी में भारतीय महिलाओं की एलीट वर्ग में सिल्वर मेडलिस्ट भारत की संजीवनी जाधव, हमवतन गोल्ड मेडलिस्ट सीमा और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट निरमाबेन ठाकोर। एजेंसी

सीमा ने 25 किमी में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

भारतीय महिलाओं की एलीट दौड़ में भी एक ऐतिहासिक प्रदर्शन देखने को मिला। इसमें पहली बार भाग लेने वाली सीमा ने 25 किलोमीटर की दूरी पर एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 1:26:04 का समय निकालकर एल सूरिया के 1:26:53 के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पिछले साल की चैंपियन संजीवनी जाधव 1:30:34 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि निर्मबेन ठाकोर ने तीसरा स्थान हासिल किया। महिलाओं की एलीट वर्ग में, इथियोपिया की डेगितु अजिमेराव ने 1:19:36 का समय निकालकर जीत हासिल की और अपना दूसरा टाटा स्टील वर्ल्ड 25किमी. कोलकाता खिताब जीता।

खट्टी-मीठी यादें छोड़ गया मेसी का दौरा

जैसे-जैसे साल खत्म होने लगा लियोनेल मेसी के बहुचर्चित 'जीओएटी इंडिया टूर' ने कुछ दिलचस्पी पैदा की और इस खेल को लेकर कुछ चर्चा शुरू करने पर मजबूर किया। लेकिन इससे भारतीय फुटबॉल को कुछ फायदा हुआ होगा ऐसा नहीं लगता है। भारतीय फुटबॉल की अपनी समस्याएं ही कम नहीं थी और ऐसे में मेसी के दौरे के पहले दिन साल्ट लेक स्टेडियम में फैली अराजकता और अव्यवस्था ने शर्मिंदगी को और बढ़ा दिया। भारतीय फुटबॉल के गढ़ कहे जाने वाले कोलकाता में कानून-व्यवस्था का बिगड़ना भले ही अच्छी खबर न हो, लेकिन हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली में मेसी के कार्यक्रम अच्छी तरह से आयोजित किए गए।